



This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit.
The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website
<https://kksu.co.in/>

Digitization was executed by NMM

<https://www.namami.gov.in/>

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi
Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade
Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi
<https://egangotri.wordpress.com/>

शिर्षक	ग्रंथकार	विषय	विस्तार (पूर्ण/ अपूर्ण)	टिकाकार	आकार	पृष्ठे	लिपी	सामग्री	Lines per page	Letters per line	Condition & age (शके/विक्रम संवत्)	Additional Particulars / Remark
M-2532												
आष्टाष्टक	शेखरशिव	धर्मशास्त्र	पूर्ण		3/6	२००	संस्कृत	कागज	१०	२१		

॥ अष्टाष्टक प्रारंभोऽयं ॥

प.अ.~

॥ १ ॥

श्रीगणेशायनमः॥ ॥ हरिः०३म् ॥ ॥ प्रा. होता। ज्ञातः। महान्। नभः॥ वित्।
नृ॥ सद्वा। सीदत्। अपां। उप॥ स्ते। दधिः। यः। धायि। सः। ते। वयांसि। यन्ता। वसूनि। विध
ते। तनू॥ पाः। ०। पशुं। न। नष्टं। पदैः। अनु। गमन्। गुह्यं। चतंतं। उशिजः। नमः॥ भिः। इच्छंतः
। धीराः। भृगवः। अविंदन्। इमं। त्रितः। भूरि। अविंदत्। इच्छन्। वैष्णवसः। मूर्धनि। अ
ध्यायाः। सः। शे॥ वृधः। ज्ञातः। आ। हर्म्येषु। नासिः। युवा। भवति। रोचनस्य। ०। नमः॥
सिः। प्रान्वि। यज्ञं। नेतारं। अध्वराणां। विशां। अकृण्वन्। अरतिं। पावकं। हव्य॥ वाहं।
दधतः। मानुषेषु। प्र। भूः। जयंतं। महं। विपः॥ धां। मूराः। अमूरं। पुरां। दर्मणिं। नयंतः।
गर्भं। वनां। धियं। धुः। हिरि॥ शमश्रुं। न। अर्वाणि। धन॥ अर्च॥ ॥ १ ॥ ॥ नि। पस्त्यासु।
त्रितः। स्तभु॥ यन्। परि॥ वीतः। योनी। सीदत्। अंतरिति। अतः। स॥ गृभ्य। विशां। द
मूनाः। वि॥ धर्मणा। अयंत्रैः। र्दयते। नृन्। अस्य। अजरासः। दमां। अरित्राः। अर्चत्॥

राम

॥ १ ॥

धूमासः। अग्नयः। पावकाः। श्वितीचयः। श्वात्रासः। भुरण्यवः। वनः सदः। वायवः।
 न। सोमाः। प्र। जिह्वया। भरते। विषः। अग्निः। प्र। वयुनानि। वेतसा। पृथिव्याः। तं। आ
 यवः। शुचयंतं। पावकं। मंद्रं। होतारं। दधिरे। यजिष्ठं। द्यावा। यं। अग्निं। पृथिवी इति।
 जनिष्ठां। आपः। त्वष्टा। भृगवः। यं। सहः। निः। ईळेन्यं। प्रथमं। मातरिश्वा। देवाः। तत
 क्षुः। मनवे। यजत्रं। यं। त्वा। देवाः। दधिरे। हव्यः। वाहं। पुरुः। स्पृहः। मानुषासः। यज
 त्रांसः। यामनः। अग्ने। सुवते। वयः। धाः। प्र। देवः। यन्। यशसः। सं। हि। पूरः॥ २॥
 ॥ जगद्भ्याते। दक्षिणां। इंद्र। हस्तं। वसुः। यवः। वसुः। पते। वसूनां। विष्णुः। हि। त्वा॥
 गोः। पतिं। शूर। गोनां। अस्मभ्यं। चित्रं। वृषणां। रुधिं। दाः। सुः। आयुधं। सुः। अवसं। सुः
 नीथं। चतुः। समुद्रं। धरुणां। रयीणां। चर्कृत्यं। शंस्यं। भूरिः। वारं। सुः। ब्रह्माणं। दे
 वः। वंतं। वृहंतं। उरुं। गभीरं। पृथुः। बुध्नं। इंद्र। श्रुतः। ऋषिः। उग्रं। अभिमातिः। सहं॥ ७॥

प.अ.~
॥२॥

सनत्सु वाजं। विप्रसु वीरं। तरुत्रं। धनसु स्पृते। शूशुसु वांसं। सुसु दृष्टं। दस्युसु ह्यंयुः। भि
दं। इंद्र। सत्यं। ॥ अश्वसु वंतं। रुथिनं। वीरसु वंतं। सहस्रिणं। शतिनं। वाजं। इंद्र। भ
द्रसु व्रातं। विप्रसु वीरं। स्वः। सां। ॥ ३ ॥ ॥ प्रासप्तसु गुं। क्रतुसु धीतिं। सुसु मेधां। बृह
स्पतिं। मतिः। अछ। जिगाति। यः। आंगिरसः। नमसा। उपसद्यः। ॥ वनीवानः।
मम। दूतासः। इंद्र। स्तोमाः। चरंति। सुसु मतीः। दयानाः। दृदिः। स्पृशः। मनसा। वच्य
मानाः। ॥ यत्। त्वा। यामि। दहि। तत्। नः। इंद्र। बृहंतं। क्षयं। असमं। जनानां। अ
भि। तत्। द्यावापृथिवीदति। गृणीतां। ॥ ४ ॥ ॥ अहं। भुवं। वसुनः। पूर्व्यः। पतिः
। अहं। धनानि। सं। जयामि। शश्वतः। मां। हवंते। पितरं। नं। जंतवः। अहं। दाशुषे। वि
। भजामि। भोजनं। अहं। इंद्रः। रोधः। वक्षः। अथर्वणः। त्रिताय। गाः। अजनयं। अ
हेः। अधि। अहं। दस्युसु भ्यः। परि। नृम्यं। आ। ददे। गोत्रा। शिक्षन्। दधीचे। मात

राम
॥२॥

रिभ्वने। मह्यं। त्वष्टा। वज्रं। अतस्तत्। आयसं। मघि। देवासः। अवजन्। अपि। क्रतुं
 । मम। अनीकं। सूर्यस्य। इव। दुस्तरं। मां। आर्यंति। कृतेन। कर्त्वेन। च। अहं। एतं। ग
 व्ययं। अश्व्यं। पशुं। पुरीषिणं। सायकेन। हिरण्ययं। पुरु। सहस्रा। नि। शिशामि।
 राशुषे। यत्। मा। सोमासः। उक्थितः। अर्मदिषुः। अहं। इंद्रः। न। परा। जिग्ये। इत्
 धनं। न। मृत्यवे। अवा। तस्ते। कदा। चन। सोमं। इत्। मा। सुन्वंतः। याचत। वसु। न।
 मे। पूर्वः। सख्ये। रिषायन॥ ५॥ ॥ अहं। एतान्। शाश्वसतः। द्वा। द्वा। इंद्रे। ये। व
 ज्रं। युधये। अकृण्वत। आऽकृयमानान्। अव। हन्मना। अहने। दृक्का। वदन्। अ
 नमस्युः। नमस्विनः। अभि। इंद्रं। एकं। एकः। अस्मि। निःषाट्। अभि। द्वा। किं। ऊं
 इति। त्रयः। करंति। खले। न। पृषानि। प्रति। हन्मि। भूरि। किं। मा। निंदंति। शत्रवः
 । अनिंद्राः। अहं। गुंगुभ्यः। अतिथिऽग्वं। इक्षरं। दूषान। वृत्रऽतुरं। विष्णु। धा

प. अ. ॥
॥३॥

रयं। यत्। पर्णयः। उत। वा। करंजः। हे। प्र। अहं। महे। वृत्रः। हत्ये। अशुभ्रवि। प्र।
मे। नमी। साप्यः। इषे। भुजे। भूत। गवां। एवे। सरव्या। कृणुत। द्विता। दिद्यु। यत्। अ
स्य। सं। इथेषु। मंहयं। आत्। इत्। एनं। शंस्यं। उक्थ्यं। करं। प्र। नेमस्मिन्। इदृशे। सो
मः। अंतः। गोपाः। नेमं। आविः। अस्था। कृणोति। सः। तिग्मः। शृंगं। वृषभं। युयुत्स
नं। दुहं। तस्थे। बकुले। बद्धः। अंतरिति। आदित्यानां। वसूनां। रुद्रियाणां। देवः
देवानां। न। मिनामि। धाम। ते। मा। भद्राय। शवसे। ततश्च। अपराजितं। अस्तंतं।
अषाव्हं॥ ॥ अहं। दां। गृणते। पूर्व्यं। वसु। अहं। ब्रह्म। कृणवं। मध्यं। वर्धनं।
अहं। भुवं। यजमानस्य। चोदिता। अयज्वनः। साक्षि। विश्वस्मिन्। भरे। मां। धुः।
इंद्र। नाम। देवता। दिवः। च। गमः। च। अपां। च। जंतवः। अहं। हरीदति। वृषणा।
विः। व्रता। रघूदति। अहं। कर्त्रं। शवसे। धृष्टु। आ। हृदे। अहं। अर्त्कं। कवये। शि

राम
॥३॥

श्रयं। ह्येः। अहं। कुत्सं। आवं। आभिः। ऊतिऽभिः। अहं। शुक्लस्य। श्रयिता। वधः।
 यमं। नायः। ररे। आयं। नाम। दस्यवे। अहं। पिताऽइव। वितसूत्रं। अभिष्टये। तुग्रं। कु
 त्साय। स्मत्। इभं। च। रंधयं। राजनि। प्र। यत्। भरे। तुजये। न। प्रिया। आधृषे।
 अहं। रंधयं। मगयं। श्रुतर्वणे। यत्। मा। अजिहीत। व्युना। वन। आनुषक्। अहं। वे
 शं। नम्रं। आयवे। अकरं। अहं। सव्याय। पटुऽगृभि। अरंधयं॥ ७ ॥ अहं। सः। यः
 । नवऽवास्त्व। वृहत्। रथं। सं। वृत्राऽइव। दासं। वृत्रऽहा। अरुजं। यत्। वर्धयंतं। प्रथ
 यंतं। आनुषक्। दूरे। पारे। रजसः। रोचना। अकरं। अहं। सूर्यस्य। परि। यासि।
 आशुऽभिः। प्र। एतशेभिः। वहमानः। ओजसा। यत्। मा। सावः। मनुषः। आहं। निऽ
 निजे। नृधक्। कृषे। दासं। कृत्यं। ह्येः। अहं। सप्तऽहा। नद्रुषः। नद्रुऽतरः। प्र।
 अश्रवयं। शवसा। तुर्वशं। यदुं। अहं। नि। अन्यं। सहसा। सहः। करं। नव। ब्राधतः।

प. अ. २

॥४॥

नवतिं। च। वक्षयं। अहं। सप्त। स्रवतः। धारयं। वृषा। द्रवित्वः। पृथिव्यां। सीराः।
अधि। अहं। अणंसि। वि। तिरामि। सुः। क्रतुः। युधा। विदं। मनवे। गातुं। इष्टये। अ
हं। तत्। आसु। धारयं। यत्। आसु। न। देवः। वन। त्वष्टा। आधारयौ। रुशत्। स्पार्हं। त
गवां। ऊधः। सु। वक्षणासु। आ। मधोः। मधु। श्वात्र्यं। सीमं। अः। शिरं। एव। देवान्।
इंद्रः। विव्ये। नृन्। प्र। चोलेन। मघः। वा। सत्यः। राधाः। ॥१॥ हरिः। वः। शचीः। वः।
अभि। तुरासः। स्वः। यशः। गृणंति॥ ८ ॥ ॥१॥ मंदमानाय। अंधसः। अर्च। विश्वा
नराय। विश्वः। भुवे। इंद्रस्य। यस्य। सुः। मखं। सहः। महि। श्रवः। नृम्णां। च। रोदसी
इति। सपर्यतः। सः। चित्। नु। सरव्या। नयः। इन्द्रः। कृतः। चर्कृत्यः। इंद्रः। माः। वते
। नरे। विश्वासु। धूः। सु। वाजः। कृत्येषु। सत्। पते। वृत्रे। वा। अपः। सु। अभि। शूर।
मंदसे। के। ते। नरः। इंद्र। ये। ते। इषे। ये। ते। सुम्नः। सः। धन्यः। इयक्षान्। के। ते। वाजा

राम

॥४॥

य। असुर्याय। हिन्विरे। के। अप्सु। स्वासु। उर्वरासु। पौंस्ये। भुवः। त्वं। इन्द्र। ब्रह्म
 णा। महान्। भुवः। विश्वेषु। सवनेषु। यज्ञियः। भुवः। नृन्। ज्यौलः। विश्वस्मिन्। भरे।
 ज्येषुः। च। मंत्रः। विश्वः। वर्षणे। अव। नु। कं। ज्यायान्। यज्ञः। वनसः। मही। ते। ओमा
 त्रां। कृष्यः। विदुः। असः। नु। कं। अजरः। वर्धाः। च। विश्वा। इत्। एता। सवना। तूतुमा
 । कृषे। एता। विश्वा। सवना। तूतुमा। कृषे। स्वयं। सूनो इति। सहसः। यानि। इधिषे। व
 राय। ते। पात्रे। धर्मणे। तना। यज्ञः। मंत्रः। ब्रह्म। उत्। यतं। वचः। ये। ते। विप्र। ब्रह्मः। कृ
 तः। सुते। सचा। वसूनां। च। वसुनः। च। शवने। प्र। ते। मुमस्य। मनसा। पथा। भुवन्।
 मदे। सुतस्य। सोम्यस्य। अंधसः॥ २ ॥ ॥ महत्। तत्। उल्बं। स्रविर्। तत्। आसीत्।
 येन। आऽविहितः। प्रऽविवेशि च। अपः। विश्वाः। अपश्यत्। बहुधा। ते। अग्ने। जा
 तऽवेदः। तन्वः। देवः। एकः। कः। मा। ददर्श। कतमः। सः। देवः। यः। मे। तन्वः। बहु

प.स.२
॥५॥

धा।परिऽअपश्यत्।क्व।अहं।मित्रावरुणा।क्षियंति।अग्नेः।विश्वाः।संऽइधः
।देवऽयानीः।ऐच्छाम।त्वा।बद्धधा।ज्ञातऽवेदः।प्रऽविष्ट।अग्ने।अप्रऽसु।ओष
धीषु।तं।त्वा।यमः।अचिकेत।चित्रभानोइतिचित्रऽभानो।दृशऽअंतरुष्यात्।
अतिऽरोचमानं।होत्रात्।अहं।वरुणा।विश्यत्।आयं।न।इत्।एव।मा।युनज
न्।अत्र।देवाः।तस्य।मे।तन्वः।बद्धधा।निऽविष्टाः।एतं।अर्थे।न।चिकेत।अहं
।अग्निः।आ।इहि।मनुः।देवऽयुः।यज्ञऽकामः।अरंऽकृत्य।तमसि।क्षेवि।अग्ने
।सुऽगान्।पथः।रुणुहि।देवऽयानान्।वह।हव्यानि।सुऽमनस्यमानः॥१०॥ ॥
अग्नेः।पूर्वे।भ्रातरः।अर्थे।एतं।रथीऽइव।अध्वानं।अनु।आ।अवरीवुरिति।त
स्मात्।भिया।वरुणा।दूरं।आयं।गौरः।न।क्षेप्नोः।अविजे।ज्यायाः।कुर्मः।ते।आ
युः।अजरं।यत्।अग्ने।येथा।युक्तः।ज्ञातऽवेदः।न।रिष्याः।अथ।वहासि।सुऽमन

राम

॥५॥

स्यमानः। भागं। देवेश्यः। हविषः। सुऽजात। प्रऽयाजान्। मे। अनुऽयाजान्। च। केव
 लान्। ऊर्जस्वतं। हविषः। दत्तं। भागं। घृतं। च। अपां। पुरुषं। च। ओषधीनां। अग्निः।
 च। दीर्घं। आयुः। अस्तु। देवाः। तव। प्रऽयाजाः। अनुऽयाजाः। च। केवले। ऊर्जस्वतः। ह
 विषः। संतु। भागाः। तव। अग्ने। यज्ञः। अयं। अस्तु। सर्वः। तुभ्यं। नमंतां। प्रऽदिशः। चत
 स्रः॥ ११ ॥ ॥ विश्वे। देवाः। शास्तन। मा। यथा। इह। होता। वृतः। मनवे। यत्। निऽस
 द्य। प्र। मे। ब्रूत। भागऽधेयं। यथा। वः। येन। पृथा। हव्यं। आ। वः। वहानि। अहं। हो
 ता। नि। असीदं। यजीयान्। विश्वे। देवाः। मरुतः। मा। जुनंति। अहः। अहः। अश्वि
 ना। आध्वर्यवं। वां। ब्रह्मा। संऽइत्। सवति। सा। आऽहुतिः। वां। अयं। यः। होता।
 किः। ऊंइति। सः। यमस्य। कं। अपि। ऊहे। यत्। संऽअंजंति। देवाः। अहः। अहः। जा
 यते। मासिऽमासि। अथ। देवाः। दधिरे। हव्यऽवाहं। मां। ॥ अपऽम्लुक्तं। वहु। कृ

प.अ. ॥६॥

ॐ। चरंतं। अग्निः। विद्वान्। यज्ञं। नः। कल्पयाति। पंच। यामं। त्रिः। वृतं। सप्तः। तंतुं
। आ। वः। यक्षि। अमृतः। त्वं। सुः। वीरं। यथा। वः। देवाः। वरिवः। कराणि। आ। वा
। वाक्कोः। वज्रं। इंद्रस्य। धेयां। जयाति। ॥१२॥ ॥यं। ऐक्षाम। मनसा। सः। अ
यं। आ। अगात्। यज्ञस्य। विद्वान्। परुषः। चिकित्वान्। नि। हि। सत्सत्। अंतरः
। पूर्वः। अस्मत्। अराधि। होता। निः। सदा। यजीयान्। अभि। प्रयासि। सुः। धितानि
। हि। स्व्यत्। यजामहे। यज्ञियान्। हंत। देवान्। ईळामहे। ईज्यान्। आज्येन। साध्वी
। अकः। देवः। वीतिं। नः। अद्य। यज्ञस्य। जिह्वां। अविशाम। गुह्यां। सः। आयुः। आ।
अगात्। सुरभिः। वसानः। भद्रा। अकः। देवः। हूतिं। नः। अद्य। तत्। अद्य। वाचः। प्र
थमं। मसीय। येन। असुरान्। अभि। देवाः। असाम। ऊर्जः। अद्ः। उत। यज्ञियासः
। पंच। जनाः। मम। होत्रं। जुषध्वं। पंच। जनाः। मम। होत्रं। जुषतां। ॥१३॥ ॥तं

राम
॥६॥

तुं। तन्वन्। रजसः। भानुं। अनु। इहि। ज्योतिष्मतः। पथः। क्ष। धिया। कृतान्। अ
 नुत्त्वणं। वयत। जोगुवां। अपः। मनुः। भव। जनय। दैव्यं। जनं। अक्षः नहः। नह्यत
 न। उत। सोम्याः। इष्टुध्वं। रशनाः। आ। उत। पिशत। अष्टाः वंधुरं। वहत। अभितः।
 रथं। येन। देवासः। अनयन्। अभि। प्रियं। अश्मन् वती। रीयते। सं। रश्ध्वं। उत। तिष्ठ
 त। प्र। तरत। सरवायः। अत्र। जहाम। ये। असन्। अशेवाः। शिवान्। वयं। उत। तरेम। अ
 भि। वाजान्। त्वष्टा। मायाः। वेत्। अपसां। अपः। तमः। विभ्रत। पात्रा। देवः पानानि।
 शं। तमा। शिशीते। नूनं। परशुं। सुः। आयसं। येन। वृश्वात्। एतशः। ब्रह्मणः। पतिः।
 सतः। नूनं। कवयः। सं। शिशीति। वाशीभिः। याभिः। अमृताय। तक्षथ। विद्वांसः। पदा
 । गुह्यानि। कर्त्तन्। येन। देवासः। अमृतः। त्वं। आनशुः। गर्से। योषां। अदधुः। वत्सं। आ
 सनि। अपीच्येन। मनसा। उत। जिह्वया। सः। विश्वाह। सुः। मनाः। योग्याः। अभि। सिंसा

प० अ० ॥
॥ ७ ॥

सनिः। वन्ते। कारः। इत्। जितिं॥ १४ ॥ ॥ तां। सु। ते। कीर्तिं। मघऽवन्। महिऽत्वा। य
त्। त्वा। भीते इति। रोदसी इति। अक्षयेतां। प्र। आवः। देवान्। आ। अतिरः। दासं। ओ
जः। प्रऽजाये। त्वस्ये। यत्। अशिषः। इंद्र। यत्। अचरः। तन्वा। वृधानः। बलानि
। इंद्र। प्रऽब्रुवाणः। जनेषु। माया। इत्। सा। ते। यानि। युद्धानि। आहुः। न। अद्य। श
त्रुं। ननु। पुरा। विवित्से। के। ऊ इति। नु। ते। महिमनः। समस्य। अस्मत्। पूर्वे। ऋष
यः। अंतं। आपुः। यत्। मातरं। वा। पितरं। वा। साकं। अजनयथाः। तन्वः। स्वायाः। चत्वा
रि। ते। असुर्यणि। नाम। अदाभ्यानि। महिषस्य। संति। त्वं। अंग। तानि। विश्वानि।
वित्से। येभिः। कर्माणि। मघऽवन्। वकर्ष्य। त्वं। विश्वा। दधिषे। केवलानि। यानि। आ
विः। या। वा। गुहा। वस्तुनि। कामं। इत्। मे। मघऽवन्। मा। वि। तारीः। त्वं। आऽज्ञाता।
त्वं। इंद्र। आसि। दाता। यः। अदधात्। ज्योतिषि। ज्योतिः। अंतः। यः। असृजत्। मधुना।

राम
॥ ७ ॥

सं। मधूनि। अध। प्रियं। शूषं। इंद्राय। मन्म। ब्रह्मऽकृतः। बृहत्। उक्थात्। अवा
धि॥१५॥ ॥ हरे। तत्। नाम। गुह्यं। पराचैः। ॥ अद्भ्येतां। वयः। धे। उत्। अस्तम्भाः
। पृथिवी। द्या। असीके। भ्रातुः। पुत्रान्। मघऽवन्। तिल्विषाणः। महत्। ॥ पुरुऽस्य
कृ। येन। भूतं। जनयः। येन। भव्यं। प्रलं। जातं। ज्योतिः। यत्। अस्य। प्रियं। प्रियाः।
सं। अविशंत। पंच। आ। रीदसीदति। अएणात्। आ। उत्। मध्यं। पंच। देवान्। क्रतुऽ
शः। सप्तऽसप्त। चतुः। त्रिंशता। पुरुधा। वि। चष्टे। सऽरूपेण। ज्योतिषा। विऽव्रतेन।
यत्। उषः। ओष्ठः। प्रथमा। विऽमाना। अजनयः। येन। पुष्टस्य। पुष्टं। यत्। ते। जामिऽ
त्वं। अवरं। परस्याः। महत्। महत्याः। असुरऽत्वं। एकं। विऽधुं। दद्राणं। समने। बहू
तां। युवानं। संतं। पलितः। जगार। देवस्य। पश्य। काव्यं। महिऽत्वा। अद्य। ममार। सः।
ह्यः। सं। आन॥१६॥ ॥ शाकमना। शाकः। अरुणः। सुऽपर्णः। आ। यः। महः। शूरः।

प. अ. ~
॥ ८ ॥

सनात्। अनीळः। यत्। चिकेत। सत्यं। इत्। तत्। ना। मोघं। वसु। स्याहं। उत। जेता। उ
त। दाता। आ। एभिः। ददे। वृक्ष्या। पोस्यानि। येभिः। ओक्षत्। वृत्रऽहत्याय। वज्री। ये
। कर्मणाः। क्रियमाणस्य। मद्रा। कृतेऽकर्म। उत्। अजायंत। देवाः। युजा। कर्मणि।
जनयन्। विश्वऽओजाः। अशस्तिऽहा। विश्वऽमनाः। तुराषाट्। पीत्वी। सोमस्य। दिवः।
आ। वृधानः। शूरः। निः। युधा। अधमत्। दस्यून्॥ १० ॥ ॥ इदं। ते। एकं। परः। ऊं इति
। ते। एकं। तृतीयेन। ज्योतिषा। सं। विशस्व। सं। वेशने। तन्वः। चारुः। एधि। प्रियः।
देवानां। परमे। जनित्रे। तनूः। ते। वाजिन। तन्वं। नयती। वामं। अस्मभ्यं। धातु। शर्म।
तुभ्यं। अद्रुतः। महः। धरुणाय। देवान्। दिविऽद्व। ज्योतिः। स्वं। आ। मिमीयाः। वा
जी। असि। वाजिनेन। सुवेनीः। सुवितः। स्तोमं। सुवितः। दिवं। गाः। सुवितः। धर्म। प्र
थमा। अनु। सत्या। सुवितः। देवान्। सुवितः। अनु। पत्नं। महिम्नः। एषां। पितरः। च

राम

॥ ८ ॥

न। ईशारे। देवाः। देवेषु। अदधुः। अपि। क्रतुं। सं। अविव्यचुः। उत। यानि। अत्विषुः।
 आ। एषा। तनूषु। नि। विविशुः। पुनरिति। सहः। निः। विश्वं। परि। चक्रमुः। रजः। प्र
 वी। धामानि। अमिता। मिमानाः। तनूषु। विश्वो। भुवना। नि। येमिरे। प्र। असारयंत
 पुरुधु। प्रजाः। अनु। द्विधा। सूनवः। असुरं। स्वः। विदं। आ। अस्थापयंत। तृतीये
 न। कर्मणा। स्वां। प्रजां। पितरः। वित्र्यं। सहः। आ। अवरेषु। अदधुः। तंतुं। आ। ततं।
 नावा। न। क्षोदः। प्रदिशः। पृथिव्याः। स्वस्तिभिः। अति। दुः। गानि। विश्वां। स्वां। प्र
 जां। बृहत् उक्थः। महिः। त्वा। आ। अवरेषु। अदधात्। आ। परेषु॥ १८ ॥ ॥ मा। प्रागा
 मा। पथः। वयं। मा। यज्ञात्। इंद्र। सोमिनः। मा। अंतरिति। स्तुः। नः। अरातयः। यः। यज्ञ
 स्थ। प्रसाधनः। तंतुः। देवेषु। आ। ततः। तं। आ। द्रुतं। नशीमहि। मनः। नु। आ। द्रुवाम
 हे। नाराशंसेन। सोमेन। पितृणां। च। मन्मभिः। आ। ते। एतु। मनः। पुनरिति। क्रत्वे। द

प.अ.~
॥८॥

क्षाय। जीवसे। ०। पुनः। नः। पितरः। मनः। ददातु। दैव्यः। जनः। जीवं। व्रातं। सचेमहि।
वयं। सोम। व्रते। तव। मनः। तनूषु। विभ्रतः। प्रजाऽवतः। सचेमहि ॥ १८ ॥ ॥ यत्। ते
। यमं। वैवस्वतं। मनः। जगाम। दूरकं। तत्। ते। आ। वर्त्तयामसि। इह। क्षयाय। जीवसे।
यत्। ते। दिवं। यत्। पृथिवी। ०। यत्। ते। भूमि। चतुः। भृष्टि। ०। यत्। ते। चतस्रः। प्र। दि
शः। ०। यत्। ते। समुद्रं। अर्णवं। ०। यत्। ते। मरीचीः। प्र। वतः। ०। २० ॥ ॥ यत्। ते। अपः।
यत्। ओषधीः। ०। यत्। ते। सूर्यं। यत्। उषसं। ०। यत्। ते। पर्वतान्। बृहतः। ०। यत्। ते।
विश्वं। इदं। जगत्। ०। यत्। ते। पराः। पराऽवतः। ०। यत्। ते। क्षतं। वा। भव्यं। वा। ०। २१ ॥
॥ ॥ प्र। तारि। आयुः। प्र। तरं। नवीयः। स्थाताराऽइव। क्रतुऽमता। रथस्य। अध। च्य राम
वानः। उत्। तवीति। अर्थं। पराऽतरं। सु। निः। क्रतिः। जिहीतां। सामन्। नु। राये। निधिः ॥ २२ ॥
मत्। नु। अन्नं। करामहे। सु। पुरुष। श्रवांसि। ता। नः। विश्वानि। जरिता। ममत्तु। ०।

अ॒भि।सु।अ॒र्यः।पों॒स्यैः।भ॒वेम।द्यौः।न।भूमिं।गिर॒यः।न।अ॒ज्ञान्।०।विकेत॑।०।
 मो॒दति।सु।नः।सोम॑।मृ॒त्यव॑।परा॑।दाः।पश्ये॑म।नु।सूर्य॑।उ॒तऽच॑रंतं।घु॒ऽभिः।हितः।
 ज॒रिमा॑।सु।नः।अ॒स्तु।०।असु॑ऽनीते।मनः।अ॒स्मासु॑।धा॒रय॑।जी॒वात॑वे।सु।प्र॑।ति
 र।नः।आ॒युः।र॒ंधि।नः।सूर्य॑स्य।सं॒ऽदृशि॑।घृ॒तेन॑।त्वं।तन्वं।व॒र्धय॑स्व॥२२॥ ॥
 अ॒सुऽनी॑ते।पुनः।अ॒स्मासु॑।चक्षुः।पुन॑रिति।प्रा॒णं।इ॒ह।नः।धे॒हि।भो॒गं।ज्योक्।प
 शे॒म।सूर्य॑।उ॒तऽच॑रंतं।अनु॑मते।मृ॒ळया॑नः।स्व॒स्ति।पुनः।नः।अ॒सुं।पृथि॒वी।द॒दा
 तु।पुनः।द्यौः।दे॒वी।पुनः।अ॒न्तरि॑क्षं।पुनः।नः।सोमः।तन्वं।द॒दातु॑।पुन॑रिति।पू॒षा।
 प॒थ्यां।या।स्व॒स्तिः।शं।रो॒दसी॑दति।सु॒ऽब॑न्धवे।य॒क्षी॑दति।ऋ॒तस्य॑।मा॒तरा॑।भर॑तां
 ।अ॒पा॒यत्।रपः।द्यौः।पृथि॒वि।क्ष॒मा।रपः।मो॒दति।सु॒ते।किं।च॒न।आ॒मम॑त्।अ
 व॑।दू॒के॒इति॑।अ॒व।त्रि॒का।दि॒वः।च॒रंति॑।भे॒षजा॑।क्ष॒मा।च॒रि॒ष्टु।ए॒क॒क॑।०।सं।इं

प.अ.८

॥१०॥

द्र। ईर्या। गां। अनड्वाहं। यः। आ। अवहत्। उशीनराण्याः। अनः॥१०॥२३॥ ॥आ।
जनं। त्वेषः संदृशं। माहीनानां। उपः स्तुतं। अगन्म। बिभ्रतः। नमः। असमातिं। निः
तोशनं। त्वेषं। निः ययिर्न। रथं। भुजैः रथस्य। सत्। पतिं। यः। जनान्। महिषान्
इव। अतिः तस्मै। पवीरवान्। उत। अपवीरवान्। युधा। यस्य। इष्ट्वाकुः। उप। व्र
ते। रेवान्। मरायी। एधते। दिविः इव। पंक्व। कृष्टयः। इद्र। क्षत्रा। असमातिषु। रथः प्रो
ष्ठेषु। धारया। दिविः इव। सूर्ये। दृशे। अगस्त्यस्य। नत्। भ्यः। सप्तीइति। युनक्षि। से
हिता। पृणीन्। नि। अक्रमीः। अभि। विश्वान्। राजन्। अराधसः॥२४॥ ॥अयं। मा
ता। अयं। पिता। अयं। जीवातुः। आ। अगमत्। इदं। तव। प्रः सर्पणं। सुबन्धोइतिसुः
बन्धो। आ। इह। निः। इहि। यथा। युगं। वरत्रया। नह्यति। धरुणाया। कं। एव। इ
धार। ते। मनः। जीवातवे। न। मृत्यवे। अथोइति। अरिष्टः तातये। यथा। इयं। पृथि

राम
॥१०॥

वी।मही।रुधार।इमान्।वनस्पतीन्।॥१॥यमात्।अहं।वैवस्वतात्।सुऽबन्धोः।
 मनः।आ।अक्षरं।॥२॥न्यक्।वातः।अव।वाति।न्यक्।तपति।सूर्यः।नीचीर्न।अ
 घ्ना।दुहे।न्यक्।भवतु।ते।रपः।अयं।मे।हस्तः।भगऽवान्।अयं।मे।भगव
 त्।तरः।अयं।मे।विश्वऽभेषजः।अयं।शिवऽअभिमर्शनः॥३॥॥इदं।इत्था
 ।रोद्रं।गूर्तऽवचः।ब्रह्म।क्रत्वा।शच्या।अंतः।आजो।क्राणा।यत्।अस्य।पिते
 रा।मंहनेऽस्थाः।पर्वत।पक्थे।अहन्।आ।सप्त।होतृन्।सः।इत्।रुनाय।दृष्ट्या
 य।वन्वने।व्यवानः।सूदेः।अमिमीत।वेदि।तूर्वयाणः।गूर्तवचऽतमः।क्षोदः
 ।न।रेतः।इतऽऊति।सिंचत्।मनः।न।येषु।ह्वनेषु।तिग्मं।विषः।शच्या।वन्
 थः।द्रवता।आ।यः।शर्याभिः।तुविऽनृम्णाः।अस्य।अश्रीणीत।आ।दिशं।ग
 भस्तो।वृक्षा।यत्।गोषु।अरुणीषु।सीदत्।दिवः।नपाता।अश्विना।कुवे।वां।

प.अ.८
॥११॥

वीतं। मे। यज्ञं। आ। गतं। मे। अन्नं। वृन्वांसा। न। इषं। अस्मत् धू इत्यस्मत् धू।
प्रथिष्ट। यस्या। वीरः कर्म। इक्षत्। अनुः स्थितं। नु। नर्यः। अप। ओ हत्। पुनरिति। त
त्। आ। वृद्धति। यत्। कुनायाः। दुहितुः। आः। अनुः भृतं। अनुवा॥ २६॥ ॥ मध्या
। यत्। कर्त्तुं। अभवत्। असी के। काम। कृण्वाने। पितरि। युवत्या। मृना न कृ रितः। ज
हत्। विः यंता। साने। निः सित्तं। सुः कृतस्य। योनी। पिता। यत्। स्वा। दुहितरं। अ
धिः स्कन्। क्षमया। रेतः। संः जगमानः। नि। सिंचत्। सुः आध्यः। अजनयन्। ब्रह्म। दे
वाः। वास्तोः। पति। व्रतः पां। निः। अतक्षन्। सः। ई। वृषा। न। केन। अस्यत्। आजो।
स्मत्। आ। परा। ऐत्। अप। दभ्रः चेताः। सरत्। पदा। न। दक्षिणा। पुराः स्वेक। न। ताः।
नु। मे। पृशान्यः। जगृभ्रे। मक्षु। न। वद्विः। प्रः जायाः। उपविः। अग्नि। न। नग्नः। उप
। सीदत्। ऊर्धः। सनिता। इध्मं। सनिता। उत। वाजं। सः। धूर्त्ता। जहो। सहसा। यविः युत्।

राम
॥११॥

म॒क्षु। क॒नायाः। स॒रव्यं। न॒वऽग्वाः। क॒तं। व॒दंतः। क॒तऽयु॒क्तिं। अ॒गम॒न्। द्विऽव॒र्हसः।
 । ये। उ॒प। गो॒पं। आ। अ॒गुः। अ॒दक्षि॒णासः। अ॒च्युता। दु॒धुक्ष॒न्॥ २७ ॥ ॥ न॒वीयः।
 । रा॒धः। न॒रितः। क॒तं। इ॒त्। तुर॒ण्यन्। ०। प॒श्वा। य॒त्। प॒श्वा। वि॒युता। बु॒धंत। इति।
 ब्र॒वीति। व॒क्त॒रि। रा॒णः। व॒सोः। व॒सुऽत्वा। का॒रवः। अ॒नेहा। वि॒श्वं। वि॒वेदि। इ॒विण॑। उ॒
 पा॒क्षु। त॒त्। इ॒त्। नु। अ॒स्य। प॒रि। स॒द्धानः। अ॒गम॒न्। पुरु॑। स॒दंतः। ना॒स॒द॒। वि॒भित्स॒न्। वि॒।
 शु॒क्ल॒स्या। सं॒ग्र॒थितं। अ॒नु॒र्वा। वि॒द॒त्। पुरु॑ऽप्र॒जात॒स्य। गु॒ह्यं। य॒त्। भ॒र्गः। ह॒। ना॒म॒। उ॒त्।
 य॒स्य। दे॒वाः। स्वः। ना॒ये। त्रिऽस॒ध॒स्ते। निऽसे॒दुः। अ॒ग्निः। ०। जा॒तऽवे॒दाः। श्रु॒धि॒नः। हो॒
 तः। क॒त॒स्य। हो॒ता। अ॒ध्र॒क्। उ॒त्। त्या॒। मे। रो॒द्रो॒। अ॒र्विऽम॒न्ता। ना॒स॒त्यो॒। इं॒द्र॒। गू॒र्त॒ये। य॒
 ज॒ध्ये। म॒नु॒ष॒त्। वृ॒क्तऽव॒र्हिषे॒। रा॒णा॒। म॒ंदू॒इति॑। द्वि॒तऽप्र॒यसा॑। वि॒क्षु। य॒ज्य॒इति॑॥ २८ ॥
 ॥ ॥ अ॒यं। स्तु॒तः। रा॒जो॒। व॒दि॒। वे॒धाः। अ॒प॒। चा॒वि॒प्रः। त॒र॒ति॒। स्वऽसे॒तुः। सः। क॒क्षी॒वंतं॑। रे॒ज॒

प-अ-
॥१२॥

यत्। सः। अग्निः। नेमिः। न। चक्रः। अर्वतः। रघुः। दुः। सः। द्विः। बंधुः। वेतरणः। यथा। सबः।
धुः। धेनुः। अस्वः। दुहध्वैः। सं। यत्। मित्रावरुणा। वृजे। उक्थेः। ज्येष्ठेभिः। अर्यमणः। वरु
थेः। तत्। बंधुः। सूरिः। दिवि। ते। धियुः। धाः। नासानेदिष्ठः। रपति। प्रावेनन्। सा।
नः। नाभिः। पुरमा। अस्य। वा। घा। अह। तत्। पश्वा। कतिथः। चित्। आस। इयं। मे।
नाभिः। इह। मे। सुधः। स्थः। इमे। मे। देवाः। अयं। अस्मि। सर्वः। द्विः। जाः। अह। प्रथमः।
जाः। क्रतुस्य। इह। धेनुः। अदुहत्। जायमाना। अध। आसु। मद्रः। अरतिः। विशाः।
वा। अव। स्यति। द्विः। वर्तनिः। वनेषाट्। ऊर्ध्व। यत्। श्रेणिः। नो। शिशुः। दन्। मक्षु।
स्थिरं। शेः। वृधं। मृत। माता॥ २॥ ॥ अध। गावः। उपः। मार्ति। कनायाः। अनु। श्वां
तस्य। कस्य। चित्। परा। इयुः। श्रुधि। त्वं। सुः। द्रविणः। नः। त्वं। याट्। आश्वः। ध्रुस्य।
वृधे। मृतताभिः। अध। त्वं। इद्र। विद्धि। अस्मान्। महः। राये। नृः। पते। वज्रः। वा

राम
१२

दुः॥१०॥ अनेहसः॥ ते॥ हरिऽवः॥ अभिष्टौ॥ अध॥ यत्॥ राजाना॥ गोऽईष्टौ॥ सरत्॥ सु
 रण्युः॥ कारवे॥ जरण्युः॥ विप्रः॥ प्रेषः॥ सः॥ हि॥ एषा॥ बभूव॥ परा॥ च॥ वक्षत्॥ उत॥ पु
 र्वत्॥ एनान्॥ अध॥ नु॥ अस्य॥ जेन्यस्य॥ पुष्टौ॥ वृथा॥ रेसंतः॥ ईमहे॥ तत्॥ ऊंइति॥ नु॥
 सरण्युः॥ अस्य॥ स्तूनुः॥ अश्वः॥ विप्रः॥ च॥ असि॥ श्रवसः॥ च॥ सातो॥ युवोः॥ यदि॥ स
 रव्याय॥ अस्मेइति॥ शर्धाय॥ स्तोमं॥ जुजुवे॥ नमस्वान्॥ विश्वत्र॥ यस्मिन्॥ आ॥ गिरः
 ॥ सुऽईचीः॥ पूर्वेऽइव॥ गातुः॥ दाशत्॥ स्तूतताये॥ सः॥ गृणानः॥ अत्सभिः॥ देवऽवा
 न्॥ इति॥ सुऽबधुः॥ नमसा॥ सुऽउत्तैः॥ वर्धत्॥ उक्थेः॥ वचः॥ भिः॥ आ॥ हि॥ नूनं॥ वि
 ॥ अध्वा॥ एति॥ पयसः॥ उस्त्रियायाः॥ ते॥ ऊंइति॥ सु॥ नः॥ महः॥ यजत्राः॥ भूत॥ देवा
 सः॥ ऊतये॥ सुऽजोषाः॥ ये॥ वाजान्॥ अनयत्॥ विऽयंतः॥ ये॥ स्त्रि॥ निऽचेतारः॥ अमू
 राः॥३०॥

॥ इत्यष्टमाष्टके प्रथमोऽध्यायः ॥

॥ छ ॥

प-अ-२

॥१३॥

॥ ॥ॐ॥ ॥ये।यज्ञेन।दक्षिणया।संऽअक्ताः।इंद्रस्य।सुख्यं।अमृतऽत्वं।आन
श।तेभ्यः।भद्रं।अंगिरसः।वः।अस्तु।प्रति।गृष्णीति।मानवं।सुऽमेधसः।ये।उत्ऽ
आजन्।पितरः।गोऽमयं।वसु।ऋतेन।अभिदन्।परिवत्सरे।वल्गं।दीर्घायुऽत्वं।०
ये।ऋतेन।सूर्यं।आ।अरोहयन्।दिवि।अप्रथयन्।पृथिवी।मातरं।वि।सुप्रजाऽ
त्वं।०।अयं।नामा।वदति।वल्गु।वः।गृहे।देवऽपुत्राः।ऋषयः।तत्।शृणोतन्।सुऽब्र
ह्मण्यं।०।विऽरूपासः।इत्।ऋषयः।ते।इत्।गंभीरऽवेपसः।ते।अंगिरसः।सूनवः।
ते।अग्नेः।परि।जज्ञिरे॥१॥ ॥ये।अग्नेः।परि।जज्ञिरे।विऽरूपासः।दिवः।परि।नवऽ
ग्वः।नु।दशऽग्वः।अंगिरः।तमः।सचा।देवेषु।मंहते।इंद्रेण।युजा।निः।सृजंत।वाघ
तः।०।सहस्रं।मे।ददतः।अष्टऽकण्यः।०।प्र।नूनं।जायतां।अयं।मनुः।तोक्मऽइव।रोह
तु।यः।सहस्रं।शतऽअश्वं।सद्यः।दानाय।मंहते।नातं।अश्रोति।कः।चन।दिवऽइव।

राम

॥१३॥

सानु। आऽरक्ष। सावर्ण्यस्य। दक्षिणा। वि। सिंधुः। इव। पप्रथे। उत। दासा। परिऽविषे।
 स्मदिष्टीइतिस्मत्। दिष्टी। गोऽपरीणासा। यदुः। तुर्वः। च। ममहे। सहस्रऽदाः। ग्रामऽ
 नीः। मा। रिषत्। मनुः। सूर्येण। अस्य। यतमाना। एतु। दक्षिणा। सावर्णेः। देवाः। प्र।
 तिरंतु। आयुः। यस्मिन्। अश्रान्तः। असनाम। वाजो॥ २ ॥ ॥ पराऽवतः। ये। दिधिषन्ते। आ
 यं। मनुऽप्रीतासः। जनिम। विवस्वतः। ययातेः। ये। नदुष्यस्य। बर्हिषि। देवाः। आसते।
 ते। अधि। ब्रुवन्तु। नः। विश्वा। हि। वः। नमस्यानि। वंद्या। नामानि। देवाः। उत। युक्षियानि।
 वः। ये। स्र। जाताः। अदितेः। अतऽभ्यः। परि। ये। पृथिव्याः। ते। मे। इह। श्रुत। हव। येभ्यः।
 माता। मधुऽमते। पिन्वते। पर्यः। पीयूषं। द्यौः। अदितिः। अद्रिऽबर्हिः। उक्थऽशुष्मान्।
 वृषऽभरान्। सुऽअप्रसः। तान्। आदित्यान्। अनु। मरु। स्वस्तये। नऽवक्षसः। अनिऽमि
 षतः। अर्हणा। बृहत्। देवासः। अमृतऽत्वं। आनुशुः। ज्योतिः। रथाः। अहिऽमायाः। अना

प-अ-२

॥१४॥

गसः। दिवः। वृष्णीणं। वसते। स्वस्तये। संऽराजः। ये। सुऽवृधः। यज्ञं। आऽययुः। अपरिऽदृ
ताः। दधिरे। दिवि। क्षयं। तान्। आ। विवास। नमसा। सुवृक्तिऽभिः। महः। आदित्यान्। अदि
तिं। स्वस्तये॥ ३ ॥ ॥ कः। वः। स्तोमं। राधुति। यं। जुजोषथ। विश्वे। देवासः। मनुषः। यति। स्म
न। कः। वः। अध्वरं। तुविऽजाताः। अरं। करत्। यः। नः। पर्वत्। अति। अंहः। स्वस्तये। येष्यः।
होत्रां। प्रथमां। आऽयेजे। मनुः। समिद्धऽअग्निः। मनसा। सप्त। होतऽभिः। ते। आदित्याः।
अभयं। शर्म। यच्छत। सुऽगा। नः। कर्त्त। सुऽपथा। स्वस्तये। ये। इशिरि। भुवनस्य। प्रऽच
तसः। विश्वस्य। स्थातुः। जगतेः। च। मंतवः। ते। नः। कृतात्। अकृतात्। एनसः। परि। अ
द्य। देवासः। पिपत। स्वस्तये। भरेषु। इन्द्रं। सुऽहवे। हवामहे। अंहः। मुचं। सुऽकृतं। देव्यं
। जर्नं। अग्निं। मित्रं। वरुणं। सातये। भगं। द्यावापृथिवीदिति। मरुतः। स्वस्तये। सुऽत्रा
माणं। पृथिवीं। द्यां। अनेहसं। सुऽशर्माणं। अदितिं। सुऽप्रनीतिं। देवीं। नावं। सुऽअरि

राम

॥१४॥

त्रां। अनागसं। अस्त्रवंती। आ। रुहेम। स्वस्तये॥ ४ ॥ ॥ विश्वे। यज्ञत्राः। अधि। वोस्वत। ऊत
 ये। त्रायध्वं। नः। दुः। एवायाः। अभि। श्रुतः। सत्यया। वः। देवः। दूत्या। कुवेम। शृण्वतः। देवाः
 । अवसे। स्वस्तये। अप। अमीवा। अप। विश्वा। अनादुति। अप। अराति। दुः। विदत्रां। अ
 घः। यतः। आरे। देवाः। द्वेषः। अस्मत्। युयोतन। उरु। तः। शर्म। यत्नत। स्वस्तये। अरिष्टः। सः
 । मर्त्तः। विश्वः। एधते। ०। र्य। आदित्यासः। नयथ। सुनीति। भिः। अति। विश्वानि। दुः। इ
 ता। स्वस्तये। ०। शूरः। साता। मरुतः। हिते। धने। प्रातः। यावानि। रथं। इंद्र। सान्नि। अ
 रिष्यंतं। आ। रुहेम। स्वस्तये। स्वस्ति। नः। पथ्यासु। धन्वः। सु। स्वस्ति। अपः। सु। वृजन
 । स्वः। वति। स्वस्ति। नः। पुत्रः। कृषेषु। योनिषु। स्वस्ति। राये। मरुतः। दधातन। स्वस्तिः।
 इत्। हि। प्रः। पथे। श्रेष्ठ। रेक्णास्वती। अभि। या। वामं। एति। सा। नः। अमा। सोऽति। अ
 रणे। नि। पातु। सुः। आवेशा। भवतु। देवः। गोपा। एव। फुतेः। सूनुः। अवीवृधतु। वः। विश्वे।

प. अ. २ आदित्याः। आदिते। मनीषी। ईशानासः। नरः। अमर्त्येन। अस्तावि। जनः। दिव्यः। ग
 ॥ १५ ॥ येन॥ ५ ॥ ॥ कथा। देवानां। कृतमस्य। यामनि। सुऽमंतु। नाम। शृण्वतां। मुनामहे। कः।
 मृळति। कृतमः। नः। मयः। करत्र। कृतमः। ऊती। अभि। आ। ववर्त्तति। क्रतुऽयति।
 क्रतवः। हृत्। सु। धीतयः। वेनेति। वेनाः। पतयति। आ। दिशः। न। मर्दिता। विद्यते।
 अन्यः। एभ्यः। देवेषु। मे। अधि। कामाः। अयंसत। नराशंसं। वा। पूषणं। अगोह्य।
 अग्निं। देवऽइदं। अभि। अर्वसे। गिरा। सूर्यामासा। चंद्रमसा। यमं। दिवि। त्रितं। वा
 तं। उषसं। अक्तं। अश्विना। कथा। कविः। तुविऽरवान्। कया। गिरा। बृहस्पतिः। व
 दधते। सुवृत्तिऽभिः। अजः। एकऽपात्। सुऽहवेभिः। क्रक्वऽभिः। अहिः। शृणोतु।
 बुध्यः। हवीमनि। दक्षस्य। वा। आदिते। जन्मनि। व्रते। राजाना। मित्रावरुणा। आ।
 विवाससि। अतृत्तऽपंथाः। पुरुऽरथः। अर्यमा। सप्तऽहोता। विषुऽरूपेषु। जन्मऽसु॥

राम
 ॥ १५ ॥

॥ ६ ॥ ॥ ते । नः । अर्वतः । हवनः । श्रुतः । हवः । विश्वे । शृण्वन्तु । वाजिनः । सितः । देवः ।
। सहस्रः । साः । मेधसातोऽद्व । तमनः । महः । ये । धनं । सं । इथेषु । जन्मिरे । १० । पुरं ।
धिं । स्तोमैः । कृणुध्वं । सरव्याय । पूषणो । ते । हि । देवस्य । सवितुः । सवीमनि । क्रतुं ।
सर्वते । सु । चितः । स । चेतसः । त्रिः । सप्त । सस्त्राः । नद्यः । महीः । अपः । वनस्पतीन् । प
र्वतान् । अग्निं । ऊतये । कुशानुं । अस्तन । तिष्यं । सधः । स्त्रे । आ । रुद्रं । रुद्रेषु । रुद्रियं ।
हवामहे । सरस्वती । सरयुः । सिंधुः । ऊर्मिः । मिः । सहः । महीः । अवसा । आ । यंतु ।
वक्षणीः । देवीः । आपः । मातरः । सूदयित्वः । घृतः । वत । पयः । मधुः । मत् । नः । अर्व
तु । उत । माता । बृहत् । दिवा । शृणोतु । नः । त्वष्टा । देवेभिः । जनिः । मिः । पिता । वचः
। क्रभुक्षाः । वाजः । रथः । पतिः । भगः । रणवः । शंसः । शशमानस्य । पातु । नः ॥ ७ ॥
॥ १० ॥ भद्रा । रुद्राणां । मरुतां । उपः । स्तुतिः । गोभिः । स्याम । यशसः । जनेषु । आ । सदा ।

प.अ.२

॥ १६ ॥

देवासः। इळया। सचेमहि। यां। मे। धियं। मरुतः। इंद्र। देवाः। अदेदात। वरुण। मित्र।
यूयं। तां। पीपयत। पयसाऽइवाधेनुं। कुवित्। गिरः। अधि। रथे। वहाथ। कुवित्। अंग।
प्रति। यथा। चित्। अस्य। नः। सऽजात्यस्य। मरुतः। बुबोधथ। नाभा। यत्र। प्रथमं। संऽ
नसामहे। तत्र। जामिऽत्वं। अदितिः। दधातु। नः। मातरा। महीइति। देवीइति। देवान्।
जन्मना। यज्ञियेइति। इतः। उभेइति। विभृतः। उभयं। भरीमऽभिः। पुरु। रेतोसि। पितुऽ
भिः। च। सिंचतः। वि। सा। होत्रा। विश्वं। अश्रोति। वायं। बृहस्पतिः। अरमतिः। पनीय
सी। ग्रावा। यत्र। मधुऽसुत। उच्यते। बृहत्। अवीवशंत। मतिऽभिः। मनीषिणः। एव
। कविः। तुविऽरवान्। कृतऽज्ञाः। द्रविणस्युः। द्रविणसः। चकानः। उक्थेभिः। अत्र।
मतिऽभिः। च। विप्रः। अपीपयत। गयः। दिव्यानि। जन्म। ०॥ ८ ॥ ॥ अग्निः। इंद्रः। ॥ १६ ॥
वरुणः। मित्रः। अर्यमा। वायुः। पूषा। सरस्वती। सऽजोषसः। आदित्याः। विष्णुः। मरुतः।

राम
॥ १६ ॥

स्वः। बृहत्। सोमः। रुद्रः। अदितिः। ब्रह्मणः। पतिः। इंद्राग्नी इति। वृत्रऽहत्येषु। सत्य
 ती इति सत्पती। मिथः। दिन्वाना। तन्वा। संऽओक्सा। अंतरिक्षं। महि। आ। पृषुः
 । ओजसा। सोमः। घृतऽश्रीः। महिमानं। ईर्यन्। तेषां। हि। मद्गा। मद्गतां। अनुर्वणां।
 स्तोमान्। इयर्भि। क्रतुऽज्ञाः। क्रतुऽवृधां। ये। अप्सवं। अर्णवं। चित्रऽरोधसः। ते। नः।
 रासंतं। महये। सुऽमित्र्याः। स्वऽनरं। अंतरिक्षाणि। रोचना। द्यावाभूमी इति। पृथि
 वी। स्कंभुः। ओजसा। पृक्षाः। ईव। महयंतः। सुऽरातयः। देवाः। स्तवंते। मनुषाय।
 सूरयः। मित्राय। शिष्य। वरुणाय। दाशुषे। या। संऽराजा। मनसा। न। प्रऽयुद्धतः। य
 योः। धाम। धर्मणा। रोचते। बृहत्। ययोः। उप्से इति। रोदसी इति। नाधसी इति। वृते।
 ॥८॥ ॥ या। गोः। वर्त्तनिं। पारु इति। निऽकृतं। पयः। दुहाना। व्रतनीः। अवारतः।
 सा। प्रऽब्रुवाणा। वरुणाय। दाशुषे। देवेभ्यः। दाशत्। हविषा। विवस्वते। दिवक्षसः।

प. अ. २
॥ १७ ॥

अग्निः जिह्वाः । क्रतुः वृधः । क्रतुस्य योनिः । विः मृशंतः । आसते । द्यां । स्वभित्वा । अ
पः । आ । चक्रुः । ओजसा । यज्ञं । जनित्वा । तन्वि । नि । ममृजुः । परिः क्षिता । पितरा । पूर्वजा
वरी इति पूर्वः । जावरी । क्रतुस्य योना । क्षयतः । सं । ओकसा । द्यावा एथि वी इति । वरु
णाया । सव्रते इति सः । व्रते । घृतः । वतः । पयः । महिषाय । पिन्वतः । पर्जन्यावाता । वृषसा
। पुरीषिणा । इंद्रवायू इति । वरुणः । मित्रः । अर्यमा । देवान् । आदित्यान् । अदितिं । हवा
महे । ये । पार्थिवासः । दिव्यासः । अप्सु । सु । ये । त्वष्टारं । वायुं । क्रभवः । यः । ओह
ते । देव्या । होतारो । उषसं । स्वस्तये । बृहस्पतिं । वृत्रं । खादं । सुमेधसं । इंद्रियं । सो
मं । धनसाः । ऊं इति । ईमहे ॥ १० ॥ ॥ ब्रह्म । गा । अश्वो । जनयंतः । ओषधीः । वन
स्पतीन् । पृथिवी । पर्वतान् । अपः । सूर्यं । दिवि । रोहयंतः । सुहनिवः । आर्यो । व्रता
। विः सृजंतः । अधि । क्षमि । भुज्युं । अहंसः । पिपृथुः । निः । अश्विना । श्यावं । पुत्रं ।

राम
॥ १७ ॥

व॒ध्रिः॒ म॒त्याः॒ । अ॒जि॒न्व॒तं॒ । क॒मः॒ द्यु॒वं । वि॒ऽम॒दाय॒ । ऊ॒ह॒थुः॒ । यु॒वं । वि॒ष्ठा॒घं । वि॒श्व॒का
 य॒ । अ॒व॒ । स॒ज॒थः॒ । पा॒वी॒र॒वी॒ । त॒न्य॒तुः॒ । ए॒कः॒ पा॒त् । अ॒जः॒ । दि॒वः॒ । ध॒न्ता॒ । सि॒न्धुः॒ । आ॒पः॒ ।
 स॒मु॒द्रि॒यः॒ । वि॒श्वे॒ । दे॒वा॒सः॒ । श॒षा॒व॒न् । व॒चा॒सि॒ । मे॒ । स॒र॒स्व॒ती॒ । स॒ह॒ । धी॒भिः॒ । पु॒रं॒ऽध्या॒ । वि॒
 श्वे॒ । दे॒वाः॒ । स॒ह॒ । धी॒भिः॒ । पु॒रं॒ऽध्या॒ । ॥ रा॒तिः॒ सा॒चः॒ । अ॒भिः॒ सा॒चः॒ । स्वः॒ऽवि॒दः॒ । स्वः॒ । गि
 रः॒ । ब्र॒ह्म॒ । सु॒ऽउ॒क्तं॒ । जु॒षे॒र॒ता॒ । दे॒वा॒न् । व॒सि॒ष्ठः॒ । अ॒मृ॒ता॒न् । व॒वं॒दे॒ । ये॒ । वि॒श्वा॒ । भु॒व॒ना॒ ।
 अ॒भि॒ । प्र॒ऽत॒स्त्रुः॒ । ॥ ११ ॥ ॥ दे॒वा॒न् । दु॒वे॒ । बृ॒ह॒त् । श्र॒व॒सः॒ । स्व॒स्त॒ये॒ । ज्यो॒तिः॒ऽवृ॒तः॒ ।
 । अ॒ध्व॒र॒स्य॒ । प्र॒ऽचे॒त॒सः॒ । ये॒ । व॒वृ॒धुः॒ । प्र॒ऽत॒रं॒ । वि॒श्वः॒ वे॒द॒सः॒ । इं॒द्रः॒ ज्ये॒ष्ठा॒सः॒ । अ॒मृ॒ताः॒ ।
 । ऋ॒तः॒ वृ॒धः॒ । इं॒द्रः॒ प्र॒सू॒ताः॒ । व॒रु॒णः॒ प्र॒शि॒ष्टाः॒ । ये॒ । सूर्य॑स्य॒ । ज्यो॒ति॒षः॒ । भा॒गं॒ । आ॒न॒
 शुः॒ । म॒रु॒तः॒ ग॒णे॒ । वृ॒ज॒ने॒ । म॒न्म॒ । धी॒म॒हि॒ । मा॒घे॒ने॒ । य॒ज्ञं॒ । ज॒न॒य॒न्त॒ । सूर॑यः॒ । इं॒द्रः॒ । व॒
 सु॒ऽभिः॒ । प॒रि॒ । पा॒तु॒ । नः॒ । ग॒यं॒ । आ॒दि॒त्यैः॒ । नः॒ । अ॒दि॒तिः॒ । श॒र्म॒ । य॒ष्टु॒तु॒ । रु॒द्रः॒ । रु॒द्रे॒भिः॒ ।

प. अ. २

॥ १८ ॥

देवः। मृळयाति। नः। त्वष्टा। नः। गताभिः। सुविताय। जिन्यतु। अदितिः। द्यावापृथि
वीइति। क्रतुं। महत्। इंद्राविष्णुइति। मरुतः। स्वः। बृहत्। देवान्। आदित्यान्। अ
वसे। हवामहे। वसून्। रुद्रान्। सवितारं। सुऽदंससं। सरस्वान्। धीभिः। वरुणाः।
धृतऽव्रतः। पूषा। विष्णुः। महिमा। वायुः। अश्विना। ब्रह्मऽकृतः। अमृताः। विश्वः
वेदसः। शर्म। नः। यंसन्। त्रिऽवरुथं। अंहसः॥ १२ ॥ ॥ वृषा॥ यज्ञः। वृषणाः। संतु। य
ज्ञियाः। वृषणाः। देवाः। वृषणाः। हविः। कृतः। वृषणा। द्यावापृथिवीइति। क्रतुवरीइ
त्यतऽवरी। वृषा। पर्जन्यः। वृषणाः। वृषऽस्तुमः। अग्नीषोमा। वृषणा। वाजऽसात
ये। पुरुऽप्रशस्ता। वृषणो। उप। ब्रुवे। यो। ईजिरे। वृषणाः। देवऽयज्यया। ता। नः। श
र्म। त्रिऽवरुथं। वि। यंसतः। धृतऽव्रताः। क्षत्रियाः। यज्ञनिऽकृतः। बृहत्। दिवाः।
अध्वराणा। अभिऽश्रियः। अग्निऽहोतारः। क्रतुऽसापः। अद्रुहः। अपः। असृजन्।

राम

१८

अनु। वृत्रऽतूर्ये। द्यावापृथिवी इति। जनयन्। अभि। व्रता। आपः। ओषधीः। वनि
 नानि। यज्ञिया। अंतरिक्षं। स्वः। आ। पप्रुः। ऊतये। वशं। देवासः। तन्वि। नि। ममृजुः।
 धन्तरिः। दिवः। ऋभवः। सुऽहस्ताः। वातापर्जन्या। महिषस्य। तन्यतोः। आपः। ओ
 षधीः। प्रातिरंतु। नः। गिरः। भगः। रातिः। वाजिनः। यंतु। मे। हवे॥ १३ ॥ ॥ समुद्रः।
 सिंधुः। रजः। अंतरिक्षं। अजः। एकऽपात्। तनयिलुः। अणविः। अहिः। बुध्नः। शण
 वत्। वचांसि। मे। विश्वे। देवासः। उत। सूरयः। मम। स्याम। वः। मनवः। देवऽवीतये।
 प्रांचं। नः। यज्ञं। प्र। नयत। साधुऽया। आदित्याः। रुद्राः। वसवः। सुऽदानवः। इमा।
 ब्रह्म। शस्यमानानि। जित्वत। ०। पुरः। हिता। ऋतस्य। पंथां। अनु। एमि। साधुऽ
 या। क्षेत्रस्य। पतिं। प्रतिऽवेशं। ईमहे। विश्वान्। देवान्। अमृतान्। अप्रऽयुष्टतः
 । वसिष्ठासः। पितृ वत्। वाचं। अक्रत। देवान्। ईळानाः। ऋषिऽवत्। स्वस्तये।

प.अ.२

॥१८॥

प्रीताःऽइव। ज्ञातयः। कामं। आऽइत्य। अस्मे इति। देवासः। अव। धूनुत। वसु। ॥
॥१४॥ ॥ इमां। धियं। सप्तऽशीं। पिता। नः। ऋतऽप्रजातां। बृहती। अविंदत्
। तुरीयं। स्वित्र। जनयत्। विश्वऽजन्यः। अयास्यः। उक्थं। इंद्राय। शंसन्। ऋतं। शंस
तः। ऋजु। दीध्यानाः। ॥ विप्रं। पदं। अंगिरसः। दधानाः। यज्ञस्य। धाम। प्रथमं। मृतं
त। हंसैःऽइव। सखिऽभिः। वावदत्। मिः। अश्मन्। मयानि। नहना। विऽअस्यन्। वृ
हस्पतिः। अभिऽकतिऽदत्। गाः। उत। प्र। अस्तौत्। उत। च। विद्वान्। अगायत्। अ
वः। द्वाभ्यां। परः। एकया। गाः। गुहा। तिष्ठंतीः। अनृतस्य। सेतो। वृहस्पतिः। तम
सि। ज्योतिः। इच्छन्। उत। उत्राः। आ। अकः। वि। हि। तिस्रः। आवरित्यावः। विऽभि
द्य। पुरं। शयथा। ई। अपाची। निः। त्रीणि। साकं। उदऽधेः। अकृतत्। वृहस्पतिः।
उषसं। सूर्यं। गां। अर्कं। विवेद। स्तनयन्। इव। द्योः। इंद्रः। वलं। रक्षितारं। दुधानां।

राम
॥१८॥

करेणऽइव। वि। चकर्त्त। रवेण। स्वेदांजिऽभिः। आऽशिरं। इच्छमानः। अरोदयत्। प
 विं। आ। गाः। अमुष्मात्॥१५॥ ॥सः। ई। सत्येभिः। सखिऽभिः। शुचत्ऽभिः। गोऽधा
 यसं। वि। धनऽसेः। अदर्दरित्यदर्दः। ब्रह्मणः। पतिः। वृषऽभिः। वराहेः। घर्मऽस्वेदेभिः
 । इविणं। वि। आनट्। ते। सत्येन। मनसा। गोऽपतिं। गाः। इयानासः। इषणायंत। धीभिः
 । बृहस्पतिः। मिथः। अवद्यपेभिः। उत्। उस्त्रियाः। असृजत। स्वयुक्ऽभिः। तं। वर्धयं
 तः। मतिऽभिः। शिवाभिः। सिंहंऽइव। नानदतं। सधऽस्त्रे। बृहस्पतिं। वृषणं। शूरऽ
 सातौ। भरेऽभरे। अनु। मदेम। जिह्मु। यदा। वाजं। असृजत्। विश्वऽरूपं। आ। द्या। अ
 रुक्षत्। उत्। तंराणि। सद्यः। बृहस्पतिं। वृषणं। वर्धयंतः। नाना। संतः। बिभ्रतः। ज्यो
 तिः। आसा। सत्यां। आऽशिषं। कृणुत। वयः। धे। कीर्तिं। वित्। हि। अवय। स्वेभिः।
 एवैः। पश्वा। मृधः। अप। भवंतु। विश्वाः। तत्। रोदसीइति। शृणुतं। विश्वमिन्वेइति

प. अ. २

२०

विश्वंऽइन्वे। इंद्रः। मङ्गा। मृदतः। अर्णवस्य। वि। मूर्धानं। अभिनत्। अर्बुदस्य। ॥
॥१६॥ ॥ उदऽप्रुतः। न। वयः। रक्षमाणाः। वावदतः। अभ्रियस्यऽइव। घोषाः। गिरिऽ
भ्रजः। न। ऊर्मयः। मृदतः। बृहस्पतिः। अभि। अर्काः। अनावन्। सं। गोभिः। आंगिर
सः। नक्षमाणाः। भगः। इव। इत्। अर्यमणः। निनाय। जने। मित्रः। न। दंपतीइतिर्दऽ
पती। अनक्ति। बृहस्पतिः। वाजय। आशून्ऽइव। आजो। साधुऽअर्याः। अतिथिनीः। इ
षिराः। स्याहः। सुऽवर्णाः। अनवद्यऽरूपाः। बृहस्पतिः। पर्वतेश्वरः। विऽदूर्य। निः। गाः
। ऊपे। यवंऽइव। स्थिविऽभ्यः। आऽपुषायन्। मधुना। ऋतस्य। योनिः। अवऽक्षिपन्। अ
र्कः। उल्काऽइव। द्योः। बृहस्पतिः। उद्धरन्। अश्मनः। गाः। भूम्याः। उद्धाऽइव। वि। त्व
चं। विभेद। अप। ज्योतिषा। तमः। अंतरिक्षात्। उद्धः। शीपालंऽइव। वातः। आज्ञव।
बृहस्पतिः। उद्धरन्। अश्मनः। गाः। भूम्याः। उद्धाऽइव। वि। त्वचं। विभेद। अप। ज्यो

राम
॥२०॥

तिषा। तमः। अंतरिक्षात्। उद्गः। शीपालंऽइव। वातः। आजत्। बृहस्पतिः। अनुऽमृश्य
 । वलस्य। अभ्रंऽइव। वातः। आ। चक्रे। आ। गाः। यदा। वलस्य। पीयतः। जसुं। भेत्। बृ
 हस्पतिः। अग्नितपः। भिः। अर्केः। इत्ऽभिः। न। जिह्वा। परिऽविष्टं। आदत्। आविः। निऽ
 धीन्। अकृणोत्। उस्त्रियाणां। ॥ ॥ बृहस्पतिः। अमृत। हि। त्यत्। आसा। नाम।
 स्वरीणां। सदेने। गुहा। यत्। आंटाऽइव। भित्वा। शकुनस्य। गर्भे। उत्। उस्त्रियाः। पर्वत
 स्य। तमना। आजत्। अश्वा। अपिऽनद्धं। मधु। परि। अपश्यत्। मत्स्य। न। दीने। उदनि
 । क्षियंतं। निः। तत्। जप्सार। वमसं। न। वृक्षात्। बृहस्पतिः। विऽस्वेण। विऽदृत्य। सः।
 उषां। अविंदत्। सः। स्व। रित्तिस्वः। सः। अग्निः। सः। अर्केण। वि। बवाधे। तमांसि। बृह
 स्पतिः। गोऽवपुषः। वलस्य। निः। मज्जानं। न। पर्वणः। जप्सार। हिमाऽइव। पूर्णा। मुवि
 ता। वनानि। बृहस्पतिना। अकृपयत्। वलः। गाः। अनुऽकृत्यं। अपुनरिति। चकार।

प.अ.२
॥२१॥

यात्।सूर्यामासा।मिथः।उत्तरातः।अभि।श्यावं।न।कृशनेभिः।अश्वं।नक्षत्रेभिः।
पितरः।द्यां।अपिशन्।रात्र्यो।तमः।अदधुः।ज्योतिः।अहन्।बृहस्पतिः।भिनत्।अ
द्रि।विदत्।गाः।इदं।अकर्म।नमः।अभ्रियाय।यः।पूर्वः।अनु।आऽनोनवीति।बृह
स्पतिः।सः।हि।गोभिः।सः।अश्वैः।सः।वीरेभिः।सः।नृभिः।नः।वयः।धात्॥१८॥
॥॥भद्राः।अग्नेः।वध्रिऽअश्वस्य।संऽदृशः।वामी।प्रऽनीतिः।सुऽरणाः।उपऽइतयः
।यत्।ई।सुऽमित्राः।विशः।अग्ने।इंधते।घृतेन।आऽकुतः।जरते।दविद्युतत्।घृतं।
अग्नेः।वध्रिऽअश्वस्य।वर्धनं।घृतं।अन्नं।घृतं।ऊंइति।अस्य।मेदनं।घृतेन।आऽकु
तः।उर्विया।वि।पप्रथे।सूर्यः।इव।रोचते।सर्पिः।आसुतिः।यत्।ते।मनुः।यत्।अनी
कं।सुऽमित्रः।संऽईधे।अग्ने।तत्।इदं।नवीयः।सः।रेवत्।शोच।सः।गिरः।जुषस्व।सः
।वज्र।दर्वि।सः।इह।श्रवः।धा।यं।त्वा।पूर्व।ईळितः।वध्रिऽअश्वः।संऽईधे।अग्ने।

राम
॥२१॥

सः। इदं। जुषस्व। सः। नः। स्तिः पाः। उत। भव। तनूः पाः। दात्रं। रक्षस्व। यत्। इदं। ते। अ
स्मेदति। भव। कृष्णी। वाध्रिः अश्वः। उत। गोपाः। मा। त्वा। तारीत्। अभिः मातिः। जनाना
। शस्त्रः। इव। धृष्टुः। च्यवनः। सुः मित्रः। प्र। नु। वीचं। वाध्रिः अश्वस्य। नाम। सं। अज्म
। पर्वत्या। वस्त्रानि। दासा। वृत्राणि। आर्या। जिगेथुः। जनानां। त्वं। अग्ने। एतनाः यून्
। अभि। स्याः॥१२॥॥ दीर्घः तंतुः। बृहत्। उक्षा। अयं। अग्निः। सहस्रः। स्तरीः। श
तः। नीथः। क्रुश्वा। द्युःमान्। धुमत्। सु। नृः। मिः। मृज्यमानः। सुः मित्रेषु। दीदयः। दे
वयत्। सु। त्वेदति। धेनुः। सुः दुग्धा। जातः। वेदः। असश्वताः। इव। समना। सबः। धु
क्। त्वं। नृः। मिः। दक्षिणावत्। मिः। अग्ने। सुः मित्रेभिः। इध्यसे। देवयत्। मिः। दे
वाः। चित्। ति। अमृताः। जातः। वेदः। महिमानं। वाध्रिः अश्वः। प्र। वीचन्। यत्। सं।
एच्छं। मानुषीः। विशः। आयन्। त्वं। नृः। मिः। अजयः। त्वाः। वधेभिः। पिता। इव। पुत्रं। अ

प.अ.२
॥२२॥

विभः। उपः स्ते। त्वां। अग्ने। वह्निः। अश्वः। सपर्यन्। जुषाणाः। अस्य। संऽद्धं। यविष।
उत। पूर्वनि। अवनोः। ब्राधतः। चित्। शश्वत्। अग्निः। वह्निः। अश्वस्य। शत्रून्। नृभिः।
। जिगाय। सुतसोमवत्। भिः। समनं। चित्। अदहः। चित्रभानो। इति चित्रः भानो। अव।
ब्राधतं। अभिनत्। वृधः। चित्। अयं। अग्निः। वह्निः। अश्वस्य। वृत्रऽहा। सनकात्।
प्रऽद्धः। नमसा। उपऽवाक्यः। सः। नः। अजामिन्। उत। वा। विऽजामिन्। अभि। ति
ष्ठ। शर्धतः। वह्निः। अश्वः॥ २० ॥ ॥०॥ जुषस्व। इळः। पदे। प्रति। ह्य। घृताची। वर्षन्।
पृथिव्याः। सुदिनऽत्वे। अङ्गां। ऊर्ध्वः। भव। सुक्रतो। इति सुऽक्रतो। देवऽयज्या। आ। दे
वानां। अग्रऽयावा। इह। यातु। नराशंसः। विश्वऽरूपेभिः। अश्वैः। क्रतस्य। पथा। नम
सा। मियेधः। देवेश्यः। देवऽतमः। सुसुदत्। शश्वत्। तमं। ईकते। इत्याय। इविष्मं
तः। मनुष्यासः। अग्निं। वहिषेः। अश्वैः। सुऽवृता। रथेन। आ। देवान्। वसि। नि।

राम
२२

सद। इह। होता। वि। प्रथतां। देवः। जुष्टं। तिरश्चा। दीर्घं। द्राघ्या। सुरभि। भूतु। अस्मेइ
ति। अहेळता। मनसा। देव। बर्हिः। इन्द्रः। येष्ठान्। उशतः। यक्षि। देवान्। दिवः। वा। सा
नु। स्पशत। वरीयः। एधिव्या। वा। मान्रया। वि। श्रयध्वं। उशतीः। द्वारः। महिना। मह
तः। मिः। देवं। रथं। रथः। युः। धारयध्वं॥ २१॥ ॥ देवीइति। दिवः। दुहितरा। सुशिल्ये
इति। सुः। शिल्ये। उषसानक्ता। सदता। नि। योनौ। आ। वां। देवासः। उशतीइति। उशंतः।
उरौ। सीदंतु। सुभगेइति। सुभगे। उपः। स्ते। ऊर्ध्वः। ग्रावा। बृहत्। अग्निः। संः। इन्द्रः।
प्रिया। धामानि। अदितेः। उपः। स्ते। पुरः। हितो। ऋत्विजा। यज्ञे। अस्मिन्। विदुः। स्तरा
। द्रविणं। आ। यजेथां। तिस्रः। देवीः। बर्हिः। इन्द्रं। वरीयः। आ। सीदत। चवृम। वः। स्योनं
। मनुष्यत्। यज्ञं। सुधिता। हवींषि। इच्छा। देवी। घृतः। पदी। जुषंत। देव। लघुः। यत्। ह।
वास्। त्वं। आनन्द। यत्। अंगिरसां। असवः। सचा। भूः। सः। देवानां। पाथः। उप। प्र। विद्वान्।

प.अ.२

॥२३॥

उशन्। यक्षि। इविषाः। इदः। सुः। रत्नः। वनस्यते। रशतया। निः। यूय। देवानां। पाथः। उप
। वक्षि। विद्वान्। स्वदाति। देवः। कृपावत्। हवीं। वि। अवतां। द्यावापृथिवीइति। हवीं। मे। आ
। अग्ने। वह। वरुणां। इष्टये। नः। इंद्रं। दिवः। मरुतः। अंतरिक्षात्। सीदंतु। बर्हिः। विश्वे।
आ। यज्ञत्राः। ०॥ २२ ॥ ॥ बृहस्पते। प्रथमं। वाचः। अग्रं। यत्। प्र। ऐरत। नामः। धैर्यं। दधा
नाः। यत्। एषां। श्रेष्ठं। यत्। अरिप्रं। आसीत्। प्रेणा। तत्। एषां। निः। हितं। गुहा। आ
विः। सक्तुं। इव। तितउना। पुनंतः। यत्र। धीराः। मनसा। वाचं। अक्रत। अत्र। सर्वायः।
सर्व्यानि। जानते। भद्रा। एषां। लक्ष्मीः। निः। हिता। अधि। वाचि। यज्ञेन। वाचः। पदः।
वीर्यं। आयन्। तां। अनु। अविंदन्। ऋषिषु। प्रः। विष्टां। तां। आः। भृत्य। वि। अदधुः। पु
रुःत्रा। तां। सप्त। रिषाः। अभि। सं। नवंते। उत। त्वः। पश्यन्। न। ददर्श। वाचं। उत। त्वः।
शृण्वन्। न। शृणोति। एनां। उतोइति। त्वस्मै। तन्वं। वि। सस्त्रे। ०। उत। त्वं। सर्व्ये। स्त्रि

राम

॥२३॥

रऽपीतं। आहुः। न। एतं। हिन्वंति। अपि। वाजिनेषु। अधेन्वा। चरति। मायया। एषः।
 वाचं। शुश्रुऽवान्। अफला। अपुष्पा॥ २३ ॥ ॥ यः। तित्याजि। सचिऽविदं। सर्वायं। न।
 तस्य। वाचि। अपि। भागः। अस्ति। यत्। ई। शृणोति। अलंकं। शृणोति। नहि। प्रऽवेद।
 सुऽकृतस्य। पंथा। अक्षणऽवंतः। कर्णऽवंतः। सर्वायः। मनः। ज्वेषु। असमाः। बभू
 वुः। आदघ्नासः। उपऽकक्षासः। ऊंइति। त्वे। द्रुदाः। इव। स्नात्वाः। ऊंइति। त्वे। दृष्टे।
 दृदा। तृषे। मनसः। ज्वेषु। यत्। ब्राह्मणाः। संऽयजंते। सर्वायः। अत्र। अहं। त्वं। वि।
 जहुः। वेद्याभिः। ओहऽब्रह्मणः। वि। चरंति। ऊंइति। त्वे। इमे। ये। न। अर्वाक्। न। परः
 । चरंति। न। ब्राह्मणासः। न। सुतेऽकरासः। ते। एते। वाचं। अभिऽपद्य। पापया। सि
 रीः। तंत्रं। तन्वते। अप्रऽजज्ञयः। सर्वे। नदंति। यशसा। आऽगतेन। सभाऽसहेन। स
 रव्या। सर्वायः। किल्बिषऽस्यत्। पितुऽसनिः। हि। एषां। अरं। हितः। भवति। वाजि

प. अ. २ नाय। ऋचां। त्वः। पोषं। आस्ते। पुपुषान्। गायत्रं। त्वः। गायति। शक्रीषु। ब्रह्मा। त्वः
 ॥२४॥ । वदति। ज्ञातः। विद्यां। यज्ञस्य। मात्रां। वि। मिमीते। ऊं इति। त्वः॥ २४ ॥ ॥ इ
 त्यष्टमाष्टके द्वितीयोऽध्यायः॥ ॥ ॐ ॥ ॥ देवानां। नु। वर्यं। जाना। प्र। वो
 चाम। विपन्यया। उक्थेषु। शस्यमानेषु। यः। पश्यात्। उत्तरं। तरे। युगे। ब्रह्मणः। पतिः
 । एता। सं। कमरिः। इव। अधमत्। देवानां। पूर्व्ये। युगे। असतः। सत्। अजायत। देवा
 नां। युगे। प्रथमे। ०। तत्। आशाः। अनु। अजायंत। तत्। उत्तानः। पदः। परि। भूः। जज्ञे
 । उत्तानः। पदः। भुवः। आशाः। अजायंत। अदितेः। दक्षः। अजायत। दक्षात्। ऊं इति।
 अदितिः। परि। अदितिः। हि। अजनिष्ट। दक्ष। या। दुहिता। तव। तां। देवाः। अनु। अ
 जायंत। भद्राः। अमृतः। वेधवः॥ १ ॥ ॥ यत्। देवाः। अदः। सलिले। सुः। संरब्धाः। अ
 तिष्ठत। अत्र। वः। नृत्यतां। इव। तीव्रः। रेणुः। अप। आयत। यत्। देवाः। यतयः। युथा।

राम
 ॥२४॥

भुवनानि। अपिन्वत। अत्र। समुद्रे। आ। गूर्कं। आ। सूर्ये। अज भर्तृन। अष्टौ। पुत्रा
 सः। अदितेः। ये। ज्ञाताः। तन्वः। पारि। देवान्। उपे। प्र। ऐत्। सप्तऽभिः। परा। मार्त्तं। इं।
 आख्यत्। सप्तऽभिः। पुत्रेः। अदितिः। उपे। प्र। ऐत्। पूर्व्ये। युगं। प्रऽजाये। मृत्यवे।
 खत्। पुनः। मार्त्तं। इं। आ। अक्षरत्॥ २ ॥ ॥ जनिष्ठाः। उग्रः। सहसे। तुराय। मंद्रः। ओ
 जिष्ठः। बहुलऽअभिमानः। अवर्धन्। इंद्रं। मरुतः। चित्। अत्र। माता। यत्। वीरं।
 दधनत्। धनिष्ठा। द्रुहः। निऽसत्ता। पृशनी। चित्। एवैः। पुरु। शंसेन। ववधुः। ते। इंद्रं
 अभिवृत्ताऽइव। ता। महाऽपदेन। ध्वांतात्। प्रऽपित्वात्। उत्। अरंत। गर्भः। ऋषा।
 ते। पादा। प्र। यत्। जिगासि। अवर्धन्। वाजाः। उत्। ये। चित्। अत्र। त्वं। इंद्र। सालाव
 कान्। सहस्रं। आसन्। दधिषे। अश्विना। आ। ववृत्याः। समना। तूर्पिः। उपे। यासि
 युजं। आ। नासत्या। सरव्याय। वक्षि। वसाव्या। इंद्र। धारयः। सहस्रा। अश्विना। श्र

प-अ-३

॥२५॥

२। ददतुः। मघानि। मंदमानः। क्रतात्। अधि। प्रऽ जायै। सखिऽ निः। इंद्रः। इषिरेभिः।
। अर्थ। आ। आभिः। हि। मायाः। उप। दस्युं। आ। अगात्। मिहः। प्र। तम्नाः। अवपत्।
तमांसि॥ ३ ॥ ॥ सऽ नामाना। चित्। ध्वसयः। नि। अस्मै। अव। अहन्। इंद्रः। उषसः।
। यथा। अनः। ऋषेः। अगच्छुः। सखिऽ निः। निऽ कामेः। साकां प्रतिऽ स्था। हृद्या। जघं
थ। त्वं। जघंथ। नमुचिं। मखस्युं। दासं। कृपवानः। ऋषये। विऽ मायं। त्वं। चकर्थ। मन
वे। स्योनान्। पथः। देवऽ त्रा। अंजसाऽ इव। यानान्। त्वं। एतानि। पप्रिषे। वि। नाम। ई
शानः। इंद्र। दधिषे। गभस्तौ। अनु। त्वा। देवाः। शवसा। मदंति। उपरिऽ बुध्नान्। व
निनः। चकर्थ। चक्रं। यत्। अस्य। अपऽ सु। आ। निऽ सत्तं। उत्तौ इति। तत्। अस्मै। म
धु। इत्। चच्छद्यात्। पृथिव्यां। अतिऽ सितं। यत्। ऊधः। पयः। गोषु। अदधाः। ओषधीषु
। अश्वात्। इयाय। इति। यत्। वदंति। ओजसः। जातं। उत्त। मन्ये। एनं। मन्योः। इयाय।

राम

॥२५॥

हर्म्येषु। तस्मै। यतः। प्रऽज्ञे। इंद्रः। अस्य। वेदः। वयः। सुऽपर्णाः। उप। सेदुः। इंद्रं। प्रि
 यमेधाः। ऋषयः। नाधमानाः। अप। ध्वान्तं। ऊर्णुहि। पूरि। चक्षः। मुमुग्धि। अस्मा
 न्। निधयाऽइव। बद्धान्॥४॥ ॥ वसूनां। वा। चक्षुषे। इयक्षन्। धिया। वा। यज्ञैः। वा।
 रोदस्योः। अर्वतः। वा। ये। रयिऽमंतः। सातौ। वनुं। वा। ये। सुऽश्रुणं। सुऽश्रुतः। धुरिति
 धुः। हवः। एषां। असुरः। नक्षत। द्यां। अवस्यता। मनसा। निसत। क्षां। चक्षाणाः। य
 न्। सुविताय। देवाः। द्यौः। न। वारेभिः। वृणवन्त। स्वेः। इयं। एषां। अमृतानां। गीः। सु
 र्वऽताता। ये। कृपणान्त। रत्नं। धियं। च। यज्ञं। च। साधतः। ते। नः। ध्यांतु। वसव्यं। असा
 मि। आ। तत्। ते। इंद्र। आयवः। पनंत। अभि। ये। ऊर्वं। गोऽमंतं। तितृत्सान्। सकृत्ऽ
 स्वं। ये। पुरुऽपुत्रां। मही। सहस्रऽधारां। बृहतीं। दुधुक्षन्। शचीऽवः। इंद्रं। अवसे। कृ
 णुध्वं। अनानतं। दमयंतं। एतन्यून्। ऋभुक्षणां। मघऽवानं। सुऽवृत्तिं। भर्ता। यः। व

प. अ. ३
॥ २६ ॥

ज्त्रं। नर्यं। पुरुऽधुः। यत्। ववान्। पुरुऽतमं। पुराषाट्। आ। वृत्रऽहा। इंद्रः। नामानि
। अत्राः। अवेति। प्रऽसहः। पतिः। तुविष्मान्। यत्। ई। उश्मसि। कर्त्तवे। करत्। तत् ॥
॥ २५ ॥ ॥ प्र। सु। वः। आपः। महिमानं। उत्तमं। कारुः। वोचाति। सद्ने। विवस्वतः।
प्र। सप्तऽसप्त। त्रेधा। हि। वृक्रमुः। प्र। सत्त्वरीणां। अति। सिंधुः। ओजसा। प्र। ते।
अरदत्। वरुणः। यातवे। पथः। सिंधोइति। यत्। वाजान्। अभि। अद्रवः। त्वं। भू
म्याः। अधि। प्रऽवता। यासि। सानुना। यत्। एषां। अग्रं। जगतां। इरज्यसि। दिवि।
स्वनः। यतते। भूम्या। उपरि। अनंतं। शुष्मं। उत्त। इयर्त्ति। भानुना। अभातऽइव।
प्र। स्तनयंति। वृष्टयः। सिंधुः। यत्। एति। वृष्टमः। न। रोरुवत्। अभि। त्वा। सिंधो
इति। शिशुं। इत्। न। मातरः। वाश्राः। अर्षति। पयसाऽइव। धेनवः। राजाऽइव।
युध्वा। नयसि। त्वं। इत्। सिन्धो। यत्। आसां। अग्रं। प्रऽवतां। इनेक्षसि। इमं। मे।

राम
२६

गंगे। यमुने। सरस्वति। शुतुद्रि। स्तोमं। सचत। परुषि। आ। असिक्रया। मरुत्सु
 धे। वितस्तया। आजर्कीये। शृणुहि। आ। सु। सोमया॥ ६ ॥ ॥ तृष्टुः अमया। प्र
 थमं। यातवे। सु। जूः। सु। सत्वा। रसया। श्वेत्या। त्या। त्वं। सिंधो इति। कुभया। गोः
 मंती। क्रुमुं। मेहत्वा। सु। रथं। याभिः। इयसे। ऋजीती। एनी। रुशती। महिः। त्वा।
 परि। ज्ञयांसि। भरते। रजांसि। अदब्धा। सिंधुः। अपसां। अपः। तमा। अश्वाना।
 चित्रा। वपुषी। इव। दर्शिता। सु। अश्वाना। सिंधुः। सु। रथा। सु। वासाः। हिरण्ययी। सु।
 कृता। वाजिनी। वती। ऊर्णी। वती। युवतिः। मीलमा। वती। उत। अधि। वस्ते। सु।
 भगा। मधु। वृधं। सु। खं। रथं। युयुजे। सिंधुः। अश्विनं। तेन। वाजं। सनिषत्। अ
 स्मिन्। आजो। महान्। हि। अस्य। महिमा। पनस्यते। अदब्धस्य। स्वः। यशसः। वि।
 रश्मिनः॥ ७ ॥ ॥ जा। वः। ऋजसे। ऊर्जा। वि। उष्टिषु। इंद्रं। मरुतः। रोदसी इति। अन

प.अ.३
॥२७॥

कृतं।उपेक्षति।यथा।नः।अहनीइति।सचाऽभुवा।सदः।सदः।वरिवस्यातः।उत्
भिदा।तत्।ऊंइति।श्रेष्ठं।सर्वनं।सुनोतन।अत्यः।न।हस्तऽयतः।अद्रिः।सोतरि।वि
दत्ते।हि।अर्यः।अभिऽभूति।पौंस्यं।महः।राये।चित्।तरुते।यत्।अर्वतः।तत्।इत्
हि।अस्य।सर्वनं।विवेः।अपः।यथा।पुरा।मनवे।गातुं।अश्रेत्।गोऽअर्णसि।त्वा
ष्ट्र।अश्वऽनिर्निजि।प्र।ई।अध्वरेषु।अध्वरान्।अशिश्नयुः।अप।हृत्।रक्षसः।भंगु
रुवतः।स्कसायत।निः।ऋति।सेधत।अमतिं।आ।नः।रायिं।सर्वऽवीरं।सुनोतन।
देवऽअव्यं।भरत।श्लोकं।अद्रयः।दिवः।चित्।आ।वः।अमवत्।तरेष्यः।विऽश्व
ना।चित्।आश्वपः।तरेष्यः।वायोः।चित्।आ।सोमरसः।तरेष्यः।अग्नेः।चित्।
अर्व।पितुकृत्।तरेष्यः॥८॥॥भुरतु।नः।यशसः।सोतु।अंधसः।ग्रावाणाः।
वाचा।दिविता।दिवित्मता।नरः।यत्र।दुहते।काम्यं।मधु।आऽघोषयंतः।अभितः।

राम
२७

मिथःऽतुरः। सुन्वंति। सोमं। रथिरासः। अद्रयः। निः। अस्य। रसं। गोऽइषः। दुहं
ति। ते। दुहंति। ऊधः। उपऽसेवनाय। कं। नरः। हव्या। न। मर्जयंते। आसऽभिः। एते।
नरः। सुऽअपसः। अभूतन। ये। इंद्राय। सुनुथ। सोमं। अद्रयः। वामं। वामं। वः। दिव्या
य। धाम्ने। वसु। वसु। वः। पार्थिवाय। सुन्वते ॥ २ ॥ ॥ अश्वऽपुषः। न। वान्वा। पुष।
वसु। हविष्मत्तः। न। यज्ञाः। विज्ञातुषः। सुऽमारुतं। न। ब्रह्माणां। अर्हसे। गणा। अ
स्तोषि। एषां। न। शोभसे। श्रिये। मर्यासः। अंजीन्। अकृण्वत। सुऽमारुतं। न। पूर्वं
। अति। क्षपः। दिवः। पुत्रासः। एताः। न। येतिरे। आदित्यासः। ते। अक्राः। न। वव
धुः। प्राये। दिवः। एथिव्याः। न। बर्हणा। त्मना। रिरिन्ने। अश्रात। न। सूर्यः। पाज
स्वतः। न। वीराः। पनस्यवः। रिशादसः। न। मर्याः। अभिऽद्यवः। पुष्पाकं। बुध्ने। अ
पां। न। यामनि। विथुर्यति। न। मही। अथर्यति। विश्वऽसुः। यज्ञः। अवक्रि। अयं। सु।

५-अ-३

॥२८॥

वः। प्रयस्वतः। न। सत्राचः। आ। गत। यूयं। धूः। सु। प्र। युजः। न। रश्मिः। भिः। ज्यो
तिष्मंतः। न। भासा। विः। उद्विषु। श्येनासः। न। स्वः। यशसः। रिशादसः। प्रवासः। न।
प्रः। सितासः। परिः। प्रुषः॥१०॥ ॥ प्रायत्। वहध्वे। मरुतः। पराकात्। यूयं। महः। संः
वरणस्य। वस्वः। विदनासः। वसवः। राध्यस्य। आरात्। चित्। द्वेषः। सनुतः। युयो
त। यः। उत्ः। ऋचि। यज्ञे। अध्वरेः। स्थाः। मरुत्ः। भ्यः। न। मानुषः। ददाशत्। रेवत्।
सः। वयः। दधते। सुः। वीरः। सः। देवानां। अपि। गोः। पीथे। अस्तु। ०। आदित्येन।
नाम्ना। शंः। भविष्ठाः। ते। नः। अवतु। रथः। तूः। मनीषां। महः। च। यामन्। अध्व
रे। चकानाः॥११॥ ॥ विप्रासः। न। मन्मः। भिः। सुः। आध्यः। देवः। अव्यः। न। य
ज्ञेः। सुः। अन्नसः। राजानः। न। चित्राः। सुः। संदृशः। क्षितीनां। न। मर्याः। अरेपसः।
अग्निः। न। ये। भ्राजसा। रुक्मः। वक्षसः। वातासः। न। स्वः। युजः। सद्यः। ऊतयः।

राम

॥२८॥

प्रऽज्ञातारः। न। ज्येष्ठाः। सुऽनीतयः। सुऽशर्माणाः। न। सोमाः। ऋतं। यते। वा
 तासः। न। ये। धुनयः। जिगलवः। अग्नीनां। न। जिह्वाः। विऽसेकिपाः। वर्मणऽ
 वंतः। न। योधाः। शिमीऽवंतः। पितृणां। न। शंसाः। सुऽरातयः। रथानां। न। ये।
 आः। सऽनाभयः। जिगीवांसः। न। शूराः। अभिऽद्यवः। वरेऽयवः। न। मर्याः
 घृतऽप्रुषः। अभिऽत्तारिः। अर्कः। न। सुऽस्तुषः। अश्वसः। न। ये। ज्येष्ठासः।
 आशवः। दिधिषवः। न। रथ्यः। सुऽदानवः। आपः। न। निम्नैः। उदऽभिः। जि
 गलवः। विश्वऽरूपाः। अंगिरसः। न। सामऽभिः॥ १२ ॥ ॥ ग्रावाणाः। न। सूरयः
 सिंधुऽमातरः। आऽदर्शिसः। अद्रयः। न। विश्वहा। शिशूलाः। न। क्रीकयः।
 सुऽमातरः। महाऽग्रामः। न। यामन। उत। त्विषा। उषसां। न। केतवः। अध्वरऽ
 म्रियः। शुर्षऽयवः। न। अंजिऽभिः। वि। अश्वितन। सिंधवः। न। ययियः।

प.अ.३

॥२५॥

भ्राजतः ऋषयः। पुराऽवतः। न। योजनानि। समिरे। सुऽभागान्। नः। देवाः। क
पुत। सुऽरत्नान्। अस्मान्। स्तोतुम्। मरुतः। ववधानाः। ॥०॥ गात। सनात। हि। वः
। रत्नऽधेयानि। संति ॥१३॥ ॥ अपश्य। अस्य। महतः। महिऽत्वं। अमर्त्यस्य। म
र्त्यसु। विष्णु। नाना। हनू इति। विभृते इति विऽभृते। सं। भृते इति। असिन्वती
इति। वषट्ती इति। भूरि। अन्नः। गुहा। शिरः। निऽहितं। ऋधक्। अक्षी इति। अ
सिन्वन्। अत्ति। जिह्वया। वनानि। अत्राणि। अस्मै। पटूऽभिः। सं। भूरंति। उत्ता
नऽहस्ताः। नमसा। अधि। विष्णु। प्र। मातुः। प्रऽतरं। गुह्यं। इष्टन्। कुमारः। न।
वीरुधः। सूर्यत्। उवः। ससं। न। पक्कं। अविदत्। शुचंतं। रिरिक्कां सं। रिपः। उपऽ
स्रे। अंतरिति। तत्। वां। ऋतं। रोदसी इति। प्र। ब्रवीमि। जायमानः। मातरा। ग
स्य भः। अत्ति। न। अहं। देवौ। मर्त्यः। चिकेत। अग्निः। अंग। विऽचेताः। सः। प्रऽचेताः।

राम

॥२५॥

यः॥ अस्मे॥ अन्नं॥ तृषु॥ आऽदधाति॥ आर्ज्यैः॥ घृतैः॥ जुहोति॥ पुष्यति॥ तस्मै॥ स
 हस्रं॥ अक्षऽभिः॥ वि॥ चक्षे॥ अग्ने॥ विश्वतः॥ प्रत्यङ्-॥ असि॥ त्वं॥ किं॥ देवेषु॥ त्यजः
 ॥ एनः॥ चकर्थ॥ अग्ने॥ एषामि॥ नु॥ त्वां॥ अविद्वान्॥ अक्रीकन्॥ क्रीकन्॥ हरिः॥ अ
 त्वे॥ अदन्॥ वि॥ पर्वऽशः॥ चकर्त्त॥ गांऽइव॥ असिः॥ विषूचः॥ अश्वान्॥ युयुजे॥ व
 नेऽजाः॥ ऋजीतिऽभिः॥ रशनाभिः॥ गृप्सीतान्॥ चक्षदे॥ मित्रः॥ वसुऽभिः॥ सुऽजातः॥ सं॥
 आनृधे॥ पर्वऽभिः॥ वरुधानः॥ ॥१४॥ ॥ अग्निः॥ सप्ति॥ वाजंऽश्वरं॥ ददाति॥ अग्निः
 ॥ वीरं॥ श्रुत्यं॥ कर्मनिः॥ स्थां॥ अग्निः॥ रोदसीदति॥ वि॥ चरत्॥ संऽअंजनं॥ अग्निः॥ ना
 री॥ वीरऽकुक्षिं॥ पुरंऽधिं॥ अग्नेः॥ अप्रसः॥ संऽइत्॥ अस्तु॥ भद्रा॥ अग्निः॥ महीदति॥
 रोदसीदति॥ आ॥ विवेश॥ अग्निः॥ एकं॥ बोदयत्॥ समत्सु॥ अग्निः॥ वृत्राणि॥ दय
 ते॥ पुरुषाणि॥ अग्निः॥ ह॥ त्यं॥ जरतः॥ कर्णे॥ आव॥ अग्निः॥ अत्सभ्यः॥ निः॥ अदहत्॥

प.अ.२
॥३०॥

जस्तुथं। अग्निः। अत्रिं। घर्मे। उरुष्यत्। अंतः। अग्निः। नृऽमेधं। प्रऽजया। अस्तु
जत्। सं। अग्निः। दात्। द्रविणं। वीरऽपेशाः। अग्निः। ऋषिं। यः। सहस्रा। सनोति।
अग्निः। दिवि। हव्य। आ। ततान। अग्नेः। धामानि। विऽभृता। पुरुऽत्रा। अग्निं। उ
व्येः। ऋषयः। वि। कुर्यते। अग्निं। नरः। यामनि। बाधितासः। अग्निं। वयः। अंत
रिष्टे। पतंतः। अग्निः। सहस्रा। परि। याति। गोनां। अग्निं। विशः। ईळते। मानु
षीः। याः। अग्निं। मनुषः। नहुषः। वि। जाताः। अग्निः। गांधर्वं। पथ्यां। ऋतस्य
। अग्नेः। गव्यूतिः। घृते। आ। निऽसन्ता। अग्नये। ब्रह्म। ऋभवः। ततक्षुः। अग्निं
। महं। अवोचाम। सुऽवृत्तिं। अग्ने। प्र। अव। जारितारं। यविष्ठ। ०॥ १५॥ ॥ यः।
दूमा। विश्वा। भुवनानि। जुह्वत्। ऋषिः। होता। नि। असीदत्। पिता। नः। सः। आऽ
शिषा। द्रविणं। इच्छमानः। प्रथमऽष्टत्। अवराण्। आ। विवेश। किं। स्वित्र। आसीत्।

राम
३०

अधिऽस्थानं। आऽरं सपां। कतमत्। खित्। कथा। आसीत्। यतः। भूमि। जनय
 न्। विश्वऽकर्मा। वि। द्यां। ओणोति। महिना। विश्वऽचक्षाः। विश्वतःऽवक्षुः। उत।
 विश्वतःऽमुखः। विश्वतःऽबाहुः। उत। विश्वतःऽपात्। सं। बाहुऽभ्यां। धर्मति। सं।
 पतत्रेः। द्यावाभूमी इति। जनयन्। देवः। एकः। ०। मनीषिणः। मनसा। एछत।
 इत्। ऊं इति। तत्। यत्। अधिऽअतिष्ठत्। भुवनानि। धारयन्। या। ते। धामानि
 । परमाणि। या। अवमा। या। मध्यमा। विश्वऽकर्मन्। उत। इमा। शिक्ष। सखिऽ
 भ्यः। हविषि। स्वधाऽवः। स्वयं। यजस्व। तन्वं। वृधानः। विश्वऽकर्मन्। हविषा
 । वृधानः। स्वयं। यजस्व। एथिवी। उत। द्यां। मुह्यतु। अन्ये। अभितः। जनासः
 । इह। अस्माकं। मघऽवा। सूरिः। अस्तु। वाचः। पति। विश्वऽकर्माणं। ऊतये। म
 नःऽजुव। वाजे। अद्या। दुवेम। सः। नः। विश्वानि। हवनानि। जोषत्। विश्वऽशंभूः।

प-अ-३
॥३१॥

अवसे। साधुः कर्मा॥१६॥ ॥ चक्षुषः। पिता। मनसा। हि। धीरः। घृतं। एनेइति।
अज्ञनत्। नम्रमानेइति। यदा। इत्। अंताः। अददहंत। पूर्वे। आत्। इत्। द्यावापृथि
वीइति। अप्रयेतां। विश्वः कर्मा। विः मनाः। आत्। विः हायाः। धाता। विः धाता। पर
मा। उत। संः दृक्। तेषां। इष्टानि। सं। इषा। मदति। यत्र। सप्तः ऋषीन्। परः। एकं। आ
हुः। यः। नः। पिता। जनिता। यः। विः धाता। धामानि। वेद। भुवनानि। विश्वा। यः।
देवानां। नामः धाः। एकः। एव। तं। संः प्रश्नं। भुवना। यंति। अन्या। ते। आ। अयजंत
। इविषां। सं। अस्मै। ऋषयः। पूर्वे। जरितारः। न। भूना। असूते। सूते। रजसि। निःसृते
। ये। भूतानि। संः अकृण्वन्। इमानि। परः। दिवा। परः। एना। पृथिव्या। परः। देवे
भिः। असुरैः। यत्। अस्ति। कं। स्विता। गर्भं। प्रथमं। दध्रे। आपः। यत्र। देवाः। संः
अपश्यंत। विश्वे। तं। इत्। ॥ संः अगच्छंत। विश्वे। अजरस्य। नाभौ। अधि। एकं। अ

राम
॥३१॥

पितं । यस्मिन् । विश्वानि । भुवनानि । तस्युः । न । तं । विदाथ । यः । इमा । जजान । अ
 न्यत्र । युष्माकं । अंतरं । बभूव । नीहारेण । प्रावृताः । जल्प्या । च । असुः । तपः । उक्थः
 शसः । चरंति ॥ १७ ॥ ॥ यः । ते । मन्यो इति । अविधत् । वज्र । सायक । सहः । ओजः
 । पुष्यति । विश्वं । आनुषक । सद्याम । दासं । आर्य । त्वया । युजा । सहः । कृतेन । सह
 सा । सहस्रता । मन्युः । इंद्रः । मन्युः । एव । आस । देवः । मन्युः । होता । वरुणः । जा
 तवेदाः । मन्युः । विशः । इंद्रते । मानुषीः । याः । पाहि । नः । मन्यो इति । तपसा । स
 जोषाः । अभि । इहि । मन्यो इति । तवसः । तवीयान् । तपसा । युजा । वि । जहि । शत्रू
 न् । अमित्रः । हा । वृत्रः । हा । दस्युः । हा । च । विश्वा । वसूनि । आ । भर । त्वं । नः । त्वं । हि । म
 न्यो इति । अभिभूतिः । ओजाः । स्वयंभूः । भामः । अभिमातिः । सहः । विश्वः । चर्षणिः
 । सङ्कुरिः । सहावान् । अस्मासु । ओजः । एतनासु । धेहि । जभागः । सन् । अप । पराः

प-अ-३
॥३२॥

इतः। अस्मि। तव। ऋत्वा। तविषस्य। प्रचेतइतिप्रः। चेतः। तं। त्वा। मन्योइति। अ
क्रतुः। जिहीळ। अहं। स्वा। तनूः। बलः। देयाय। मा। आ। इहि। अयं। ते। अस्मि। उ
प। मा। आ। इहि। अर्वाङ्। प्रतीचीनः। सङ्करे। विश्वः। धायः। मन्योइति। वज्रिन
अभि। मां। आ। वरत्स्व। हनाव। दस्यन्। उत। बोधि। आपेः। अभि। प्र। इहि। दक्षि
णतः। भव। मे। अध। वृत्राणि। जंघनाव। भूरि। जुहोमि। ते। धरुणं। मध्वः। अ
ग्रं। उभौ। उपः। अंशु। प्रथमा। विबाव॥ १८ ॥ ॥ त्वया। मन्योइति। सः। रथं। आः
रुजंतः। हर्षमाणासः। धृषिताः। मरुत्वः। तिग्मः। इषवः। आयुधा। संः। शिशानाः।
अभि। प्र। पंतु। नरः। अग्निः। रूपाः। अग्निः। इव। मन्योइति। त्विषितः। सहस्व।
सेनाः। नीः। नः। सङ्करे। हृतः। एधि। हत्वाय। शत्रून्। वि। भजस्व। वेदः। ओजेः।
मिमानः। वि। मधः। नुदस्व। सहस्व। मन्योइति। अभि। माति। अस्मेइति। रुजन्।

राम
॥३२॥

मृणन्। प्रमृणन्। प्र। इहि। शत्रून्। उग्रं। ते। पाजः। ननु। आ। रुरुध्रे। वशी। वशं। न
यसे। एकः। ज। त्वं। एकः। बहूनां। असि। मन्योइति। ईळितः। विशः। विशं। युधये। सं।
शिशधि। अकृतः। रुक्। त्वया। युजा। वयं। युः। मंतं। घोषं। विः। जयाया। कृष्णहे। विजे
षः। कृत्। इंद्रः। इव। अनवः। ब्रवः। अस्माकं। मन्योइति। अधिः। पाः। नव। इह। प्रियं।
ते। नाम। सद्गुरे। गृणीमसि। ०। आः। वभूथ। आः। भूत्या। सहः। जाः। वज्र। सायक। स
हः। विषाधि। अभिः। भूते। उत्तरं। क्रत्वा। नः। मन्योइति। सह। मेदी। एधि। महाः। ध
नस्य। पुरुः। दूत। संः। सृजि। संः। सृष्टं। धनं। उभयं। संः। आवृत्तं। अस्मभ्यं। दत्तां। वरुणाः
। च। मन्युः। भियं। दधानाः। हृदयेषु। शत्रवः। पराः। जितासः। अप। नि। लयंतं॥ १२॥
॥ सत्येन। उत्तमिता। भूमिः। सूर्येण। उत्तमिता। द्यौः। रुरतेन। आदित्याः। तिष्ठति। दि
वि। सोमः। अधि। श्रितः। सोमेन। आदित्याः। बलिनः। सोमेन। पृथिवी। मही। अथोइति।

प. अ. ३
॥ ३३ ॥

नक्षत्राणां। एषां। उपऽस्ते। सोमः। आऽहितः। सोमं। मन्यते। पपिऽवान्। यत्। संऽधि
षति। ओषधिं। सोमं। यं। ब्रह्माणाः। विदुः। न। तस्य। अश्नाति। कः। चन। आद्यत्। वि
धानेः। गुपितः। बार्हतेः। सोम। रक्षितः। ग्राव्यां। इत्। शृण्वन्। तिष्ठसि। न। ते। अ
श्नाति। पार्थिवः। यत्। त्वा। देव। प्रऽपिर्वति। ततः। आ। प्यायसे। पुनरिति। वायुः।
सोमस्य। रक्षिता। समानां। मासः। आऽवृत्तिः॥ २० ॥ ॥ रेश्मी। आसीत्। अनुऽदेय
। नाराशंसी। निऽओचनी। सूर्यायाः। भद्रं। इत्। वासः। गायया। एति। परिऽकृतं।
वित्तिः। आः। उपऽबर्हणां। चक्षुः। आ। अक्षिऽअंजनं। द्यौः। भूमिः। कोशः। आसी
त्। यत्। अयात्। सूर्या। पतिं। स्तोमाः। आसन्। प्रतिऽधयः। कुरीरं। छंदः। ओपशः
। सूर्यायाः। अश्विना। वरा। अग्निः। आसीत्। पुरः। गवः। सोमः। वधूऽयुः। असव
त्। अश्विना। आस्ता। उक्षा। वरा। सूर्या। यत्। पत्ये। शंसंती। मनसा। सविता। अद

राम
३३

दात्। मनः। अस्याः। अनः। आसीत्। द्यौः। आसीत्। उत। छुदिः। शुक्रौ। अनड्वाहो
 । आस्तां। गृहं॥२१॥ ॥ ऋक्। सामाभ्यां। अभिः। हितौ। गावो। ते। सामनो। इतः।
 श्रोत्रं। ते। चक्रे इति। आस्तां। दिवि। पंथाः। चराचरः। शुची इति। ते। चक्रे इति। या
 त्याः। विः। आनः। अक्षः। आः। हतः। अनः। मनः। स्मयं। सूर्या। आ। अरोहत्। प्रः। यती
 । पतिं। सूर्यायाः। वहतुः। प्र। अगात्। सविता। यं। अवः। असृजत्। अघासु। हन्यं
 ते। गावः। अर्जुन्योः। परि। उद्यते। यत्। अश्विना। एछमानो। अयातं। त्रिः। चक्रेण।
 वहतुं। सूर्यायाः। विश्वे। देवाः। अनु। तत्। वां। अजानन्। पुत्रः। पितरौ। अवृणीत्।
 पूषा। यत्। अयातं। शुभः। पती इति। वरेऽयं। सूर्या। उप। कं। एकं। चक्रं। वां। आसी
 त्। कं। देष्ट्राय। तस्य थुः॥२२॥ ॥ द्वे इति। ते। चक्रे इति। सूर्ये। ब्रह्माणाः। ऋतुः
 था। विदुः। अथ। एकं। चक्रं। यत्। गुहा। तत्। अद्वातेयः। इत्। विदुः। सूर्याये। द

प-अ-३

॥३४॥

वेभ्यः। मित्राय। वरुणाय। च। ये। भूतस्य। प्रऽचेतसः। इदं। तेश्वरः। अकरं। नमः।
पूर्वऽअपरं। चरतः। मायया। एतो। शिशू इति। कीळंतो। परि। यातः। अध्वरं। विश्वा
नि। अन्यः। भुवना। असिऽचष्टे। क्रतून्। अन्यः। विऽदधत्। जायते। पुनरिति। नवऽ
नवः। भवति। जायमानः। अङ्गा। केतुः। उषसां। एति। अग्रं। भागं। देवेश्वरः। वि। दधा
ति। आऽयन्। प्र। चंद्रमाः। तिरते। दीर्घं। आयुः। सुऽकिशुकं। शल्मलिं। विश्वऽरूपं।
हिरण्यऽवर्णं। सुऽवर्तं। सुऽचक्रं। आ। रोह। सूर्ये। अमृतस्य। लोकं। स्योनं। पत्ये। वह
तुं। कृणुष्व॥२३॥ ॥उत्। ईर्ष्यं। अतः। पतिऽवती। हि। एषा। विश्वऽवसुं। नमसा। गीऽ
भिः। ईळं। अन्यां। इच्छु। पितुऽसदं। विऽअक्तां। सः। ते। भागः। जुनुषा। तस्य। वि
द्धि। ॥विश्ववसो इति विश्वऽवसो। नमसा। ईळामहे। त्वा। अन्या। इच्छु। प्रऽफर्च्य
। सं। जायां। पत्या। सृज। अनृक्षराः। क्रजवः। संतु। पंथाः। येभिः। सरवायः। यति।

राम
॥३४॥

नः। बरेऽयं। सं। अर्यमा। सं। भगः। नः। निनीयात्। सं। जाः। पत्यं। सुऽयमं। अस्तु। दे
 वाः। प्र। त्वा। मुंचामि। वरुणास्य। पाशात्। येन। त्वा। अवध्राति। सविता। सुऽशेवः। ऋ
 तस्य। यो नो। सुऽकृतस्य। लोके। अरिष्ठा। त्वा। सह। पत्या। दधामि। प्र। इतः। मुंचामि
 । न। अमुतः। सुऽवद्धं। अमुतः। करं। यथा। इयं। इन्द्र। मीढुः। सुऽपुत्रा। सुऽभगा। अ
 सति॥२४॥ ॥ पूषा। त्वा। इतः। नयतु। हस्तऽगृह्य। अश्विना। त्वा। प्र। वहतां। रथेन।
 गृहान्। गच्छ। गृह्य। पत्नी। यथा। असः। वशिनी। त्वं। विदथं। आ। वदासि। इह। प्रि
 यं। प्रऽजया। ते। सं। ऋध्यतां। अस्मिन्। गृहे। गार्ह्य। पत्याय। जागृहि। एना। पत्या।
 तन्वं। सं। सजस्व। अध। जिब्रीदति। विदथं। आ। वदाथः। नीलऽलोहितं। भवति
 । कृत्या। आसक्तिः। वि। अज्यते। एधंते। अस्याः। ज्ञातयः। पतिः। बंधेषु। बध्यते।
 परा। देहि। शामुल्यं। ब्रह्मऽभ्यः। वि। भज। वसु। कृत्या। एषा। पत्न्यवती। भूत्वी। आ।

प. अ. ३
॥ ३५ ॥

जाया। विशते। पतिं। अश्रीरा। तनूः। भवति। रुशती। पापया। अमुया। पतिः। यत्।
वध्वः। वाससा। स्वं। अंगं। असिः धित्सते॥ २५॥ ॥ ये। वध्वः। चंद्रं। वहतुं। यद्माः।
यंति। जनात्। अनु। पुनरिति। तान्। यज्ञियाः। देवाः। नयंतु। यतः। आऽगताः। मा।
विदन्। परिः पंथिनः। ये। आऽसीदंति। दंपती इति दं पती। सुऽगेभिः। दुऽगं। अ
ति। इतां। अप। द्रान्तु। अरातयः। सुऽमंगलीः। इयं। वधूः। इमां। संऽएत। पश्यत।
सोभाग्यं। अख्ये। दत्वाय। अथ। अस्तं। वि। पश। इतन। तृष्टं। एतत्। कटुकं। ए
तत्। अपाष्ठऽवत्। विषऽवत्। न। एतत्। अन्नवे। सूर्या। यः। ब्रह्मा। विद्यात्। सः।
इत्। वधूऽयं। अर्हति। आऽशसनं। विऽशसनं। अथोदति। अधिऽविकर्त्तनं।
सूर्यायाः। पश्य। रूपाणि। तानि। ब्रह्मा। तु। शुं धति॥ २६॥ ॥ गृभ्यामि। ते।
सोभगऽत्वाय। हस्तं। मया। पत्या। जरत्। अष्टिः। यथा। असः। भगः। अर्यमा। स

राम
॥ ३५ ॥

विता। पुरं॑ धिः॑। मह्यं॑। त्वा। अदुः॑। गार्ह॑ पत्याय देवाः। तां। पूषन्। शिवः॑ तमां। आ।
 ईरयस्व। यस्यां। बीजं। मनुष्याः। वपंति। या। नः। ऊरू॑ इति। उशती। वि॑ श्रयाते। य
 स्यां। उशंतः। प्र॑ हराम। शेषं। तुभ्यं। अग्रे। परि। अवहन्। सूर्या। वहतुना। सह। पुन
 रिति। पति॑भ्यः। जाया। दाः। अग्ने। प्र॑ जया। सह। पुनरिति। पत्नी। अग्निः। अदा
 त्। आयुषा। सह। वर्चसा। दीर्घ॑ आयुः। अस्याः। यः। पतिः। जीवाति। शरदः। शतं
 । सोमः। प्रथमः। विविदे। गंधर्वः। विविदे। उत्तरः। तृतीयः। अग्निः। ते। पतिः।
 तुरीयः। ते। मनुष्य॑ जाः॥ २७ ॥ ॥ सोमः। ददत्। गंधर्वाय। गंधर्वः। ददत्। अग्न
 ये। रयिं। च। पुत्रान्। च। अदात्। अग्निः। मह्यं। अथोदति। इमा। इह। एव। स्तं। मा।
 वि। योष्टं। विश्वं। आयुः। वि। अश्रुतं। क्रीकंतो। पुत्रैः। नमः॑भिः। मोदमानो। स्वे। गृ
 हे। आ। नः। प्र॑ जा। जनयतु। प्रजा॑ पतिः। आ॑ जरसाय। सं। अनक्तु। अर्यमा॑ अ

प-अ-३
॥३६॥

दुःसंगलीः। पतिः लोकं। आ। विश। ०। अघोरः चक्षुः। अपतिः स्त्री। एधि। शिवा
। पशुः भ्यः। सुः मनाः। सुः वर्चाः। वीरः स्तः। देवः कामा। स्योना। ०। इमां। त्वे। इंद्रा। मी
दुः। सुः पुत्रा। सुः भगा। कृणु। दश। अस्यां। पुत्रान्। आ। धेहि। पतिं। एकादशं।
कृधि। संः राज्ञी। श्वशुरे। भव। संः राज्ञी। श्वश्र्वां। भव। ननोदरि। संः राज्ञी। भव। संः
राज्ञी। अधि। देवेषु। सं। अंजंतु। विश्वे। देवाः। सं। आपः। हृदयानि। नो। सं। मातरिश्वा
। सं। धाता। सं। ऊं इति। देष्ट्री। दधातु। नो॥२८॥

॥इत्यष्टमाष्टके तृतीयोऽ

ध्यायः॥

॥ॐ॥

॥वि। हि। सोतोः। असृक्षत। न। इंद्रं। देवं। अमंसत। य

त्रे। अमदत्। वृषाकपिः। अर्यः। पुष्टेषु। मत्सखा। विश्वस्मात्। इंद्रः। उत्तरः।
। परा। हि। इंद्र। धावसि। वृषाकपेः। अति। व्यथिः। नो इति। अहं। प्र। विंदसि।
अन्यत्र। सोमः पीतये। ०। किं। अयं। त्वां। वृषाकपिः। चकार। हरितः। मृगः।

राम

॥३६॥

यस्मै। इरस्यसि। इत्। ऊं इति। नु। अर्यः। वा। पुष्टिः मत्। वसु। ०। यं। इमं। त्वं। वृषाक
 पिं। प्रियं। इंद्र। अभिः रक्षसि। श्वा। नु। अस्य। जं निषत्। अपि। कर्णे। वराहः युः। ०।
 प्रिया। तृणानि। मे। कपिः। विः अक्ता। वि। अद्दुषत्। शिरः। नु। अस्य। राविषं। न।
 सुः गं। दुः। कृते। भुवं। ०। १ ॥ ॥ न। मत्। स्त्री। सुभसत्। तरा। न। सुयाशुः तरा। भु
 वत्। न। मत्। प्रतिः च्यवीयसी। न। सक्थि। उत्। यमीयसी। ०। उवे। अंब। सुला
 भिके। यथाः इव। अंग। भविष्यति। भसत्। मे। अंब। सक्थि। मे। शिरः। मे। विः इ
 व। हृष्यति। ०। किं। सुबाहो इति सुः बाहो। सुः अंगुरे। एथुस्तो इति एथुः स्तो। ए
 थुः जघने। किं। शूरः पत्नि। नः। त्वं। अभि। अमीषि। वृषाकपिं। ०। अवीरं। इव।
 मां। अयं। शरारुः। अभि। मन्यते। उत्। अहं। अस्मि। वीरिणी। इंद्रः पत्नी। मरुत्
 सरवा। ०। सं। होत्रं। स्म। पुरा। नारी। समनं। वा। अव। गच्छति। वेधाः। ऋतस्य। वीरि

प. अ. ३
॥ ३७ ॥

पी। इन्द्रः पत्नी। महीयते। ॥ २ ॥ ॥ इन्द्राणी। आसु। नारिषु। सुऽभगां। अहं। अ
श्वं। नहि। अस्याः। अपरं। चन। जरसा। मरते। पतिः। ॥ १०॥ न। अहं। इन्द्राणि। र
रणा। सरव्युः। वृषाकपेः। ऋते। यस्य। इन्द्रं। अप्यं। हविः। प्रियं। देवेषु। गच्छति।
॥ १०॥ वृषाकपायि। रेवति। सुऽपुत्रे। आत्। ऊँइति। सुऽस्तुषे। घसत्। ते। इन्द्रः। उ
क्षणाः। प्रियं। काचित्। करं। हविः। ॥ १०॥ उक्षणाः। हि। मे। पंचऽदश। साकं। पचन्ति।
विंशतिं। उत्त। अहं। अग्नि। पीवः। इत्। उभा। कुक्षिदिति। पृणन्ति। मे। ॥ १०॥ वृषभः।
न। तिग्मऽशङ्गः। अंतः। यूथेषु। रोरुवत्। मंधः। ते। इन्द्र। शं। हृदे। यं। ते। सुनोति।
भाव्युः। ॥ ३ ॥ ॥ न। सः। ईशे। यस्य। रंबते। अंतरा। सक्थ्या। कष्टत्। सः। इत्।
ईशे। यस्य। रोमशं। निऽसेदुषः। विऽजृम्भते। ॥ १०॥ अयं। इन्द्र। वृषाकपिः। परस्वतं।
हतं। विदत्। असिं। सूनां। नवं। वरु। आत्। एधस्य। अनः। आऽचितं। ॥ १०॥ जयं। एमि।

राम
॥ ३७ ॥

विऽवाकशत् । विऽचिन्वन् । दासं । आर्यं । पिबामि । पाकऽसुत्वनः । अभि । धीरं । अ
वाकशं । ० । धन्वा । व । यत् । कृतत्रं । व । कति । स्त्रि । ता । वि । योजना । नेदीयसः । वृषा
कपे । अस्तं । आ । इहि । गृहान् । उप । ० । पुनः । आ । इहि । वृषाकपे । सुविता । कल्पयाव
हे । यः । एषः । स्वप्नऽनंशनः । अस्तं । एषि । पथा । पुनः । ० । यत् । उदंचः । वृषाकपे । गृहं ।
इद्र । अजगंतन । क्व । स्यः । पुल्वघः । मृगः । कं । अगन् । जनऽयोपनः । ० । पशुः । हा । नाम ।
मानवी । साकं । समूव । विंशतिं । भद्रं । क्लृप्तं । त्यस्ये । अभूत् । यस्याः । उदरं । आमयत्
॥ ४ ॥ ॥ रक्षः । हनं । वाजिनं । आ । जिघर्षि । मित्रं । प्रथिष्यं । उप । यामि । शर्म । शि
शानः । अग्निः । क्रतुऽभिः । सं । इन्द्रः । ० । अयः । दंष्ट्रः । अर्चिषा । यातुऽधानान् । उप ।
स्पृश । जातऽवेदः । स । इन्द्रः । आ । जिह्वा । मूरऽदेवान् । रभस्व । क्रव्यऽअदः । वृत्की
। अपि । धत्स्व । आसन् । उभा । उभयाविन् । उप । धेहि । दंष्ट्रा । हिंस्रः । शिशानः । अव

प. अ. ३

॥ ३८ ॥

रं। परं। व। उत। अंतरिक्षे। परि। याहि। राजन्। जंमेः। सं। धेहि। अभि। यातुः धानान्
। यज्ञेः। इष्टः। सं। नममानः। अग्ने। वाचा। शल्यान्। अशानिः। निः। दिहानः। ताभिः
। विध्य। हृदये। यातुः धानान्। प्रतीचः। वाहन्। प्रति। भद्रिः। एषां। अग्ने। त्वचं।
यातुः धानस्याभिः। हिंसा। अशानिः। हरसा। हंतु। एनं। प्र। पर्वणि। जातः वे
दः। शृणीहि। क्रव्यः अत्। क्रविष्णुः। वि। चिनोतु। वृक्कां॥ ५॥ ॥ यत्र। इदानीं।
पश्यसि। जातः वेदः। तिष्ठतं। अग्ने। उत। वा। चरंतं। यत्। वा। अंतरिक्षे। पथिः
भिः। पतंतं। तं। अस्ता। विध्य। शर्वा। शिशानः। उत। आ। लब्धं। स्पृणुहि। जातः
वेदः। आ। लेभानात्। क्रहिः। निः। यातुः धानात्। अग्ने। पूर्वः। नि। जहि। शो
शुचानः। आ। मः। अदः। श्विंकाः। तं। अदतु। एनीः। इह। प्र। ब्रूहि। यतमः। सः।
अग्ने। यः। यातुः धानः। यः। इदं। कृणोति। तं। आ। रक्षस्व। सं। दधा। यविष्णुः। नृः।

राम

॥ ३८ ॥

चक्षुः। चक्षुषे। रंधय। एतं। तीक्ष्णेन। अग्ने। चक्षुषा। रक्ष। यज्ञं। प्रांचं। वसुभ्यः।
 प्र। नय। प्रचेतइतिप्रऽचेतः। हिंस्रं। रक्षांसि। अभि। शोशुचानं। मा। त्वा। रक्षन्। यातुऽ
 धानाः। नृऽचक्षुः। नृऽवक्षाः। रक्षः। परि। पश्य। विक्षु। तस्य। त्रीणि। प्रति। शृणीहि। अ
 ग्रा। तस्य। अग्ने। पृष्टीः। हरसा। शृणीहि। त्रेधा। मूलं। यातुऽधानस्य। वृश्च॥ ६॥ ॥
 त्रिः। यातुऽधानः। प्रऽसिति। ते। एतु। ऋतं। यः। अग्ने। अनृतेन। हंति। तं। अर्चिषा। स्फू
 र्जयन्। जातऽवेदः। संऽअक्षं। एतं। गुणते। नि। वृद्धिं। तत्। अग्ने। चक्षुः। प्रति। धेहि
 । रक्षे। शफऽआरुजं। येन। पश्यसि। यातुऽधानं। अथर्वऽवत्। ज्योतिषा। देव्येन।
 सत्यं। धूर्वतं। अचितं। नि। ओष। यत्। अग्ने। अद्य। मिथुना। शपातः। यत्। वाचः।
 तृष्टं। जनयंत। रेभाः। मन्योः। मनसः। शरव्या। जायते। या। तया। विध्य। हृदये। या
 तुऽधानान्। परा। शृणीहि। तपसा। यातुऽधानान्। परा। अग्ने। रक्षः। हरसा। शृणी

५० अ० ५

३८५

हि। परा। अर्चिषा। मूरः देवान्। शृणीहि। परा। असुः तपः। अभि। शो शुचानः। परा।
अद्य। देवाः। वृजिनं। शृणुतु। प्रत्यक्। एनं। शपथाः। यंतु। तृष्ठाः। वाचाः स्तेनं। शरवः
। ऋच्छंतु। मर्मन्। विश्वस्य। एतु। प्रसितिं। यातुः धानः॥ ७ ॥ ॥ यः। पौरुषेयेण।
ऋविषा। संऽअंते। यः। अश्वेन। पशुना। यातुः धानः। यः। अघ्न्यायाः। भरति। क्षी
रं। अग्ने। तेषां। शीर्षाणि। हरसा। अपि। वृश्च। संवत्सरीणां। पयः। उस्त्रियायाः। त
स्य। मा। अशीत्। यातुः धानः। नृः चक्षः। पीयूषं। अग्ने। यतमः। तितृप्सात्। तं। प्र
त्यंचं। अर्चिषा। विध्य। मर्मन्। विषं। गवां। यातुः धानाः। पिवंतु। आ। वृश्च्यंतं।
अदितये। दुः। एवाः। परा। एनान्। देवः। सविता। ददातु। परा। भागं। ओषधीनां।
जयंतं। सनात्। अग्ने। मृणसि। यातुः धानान्। न। त्वा। रक्षांसि। एतनासु। जिभ्युः
। अनु। दह। सह। मूरान्। ऋव्यः अदः। मा। ते। हित्याः। मुक्षत। देव्यायाः। त्वं। नः।

राम

३८५

अग्ने। अधरात्। उदक्तात्। त्वं। पश्चात्। उत। रक्ष। पुरस्तात्। प्रति। ते। ते। अज
 रासः। तपिष्ठाः। अधः। शंसं। शोशुचतः। दहंतु॥ ८ ॥ ॥ पश्चात्। पुरस्तात्। अध
 रात्। उदक्तात्। कविः। काव्येन। परि। पाहि। राजन्। सर्वे। सर्वायं। अजरः। जरि
 म्यो। अग्ने। मर्त्तन्। अमर्त्यः। त्वं। नः। परि। त्वा। अग्ने। पुरं। वयं। विप्रं। सहस्य। धी
 महि। धृषत्। वंर्णं। दिवे। दिवे। हंतारं। भंगुरः। वतां। विषेण। भंगुरः। वतः। प्रति। स्म।
 रक्षसः। दह। अग्ने। तिग्मेन। शोचिषा। तपुः। अग्राभिः। ऋष्टिभिः। प्रति। अग्ने।
 मिथुना। दह। यातुः। धाना। किमीदिना। सं। त्वा। शिशामि। जागृहि। अदब्धं।
 विप्र। मन्मः। भिः। प्रति। अग्ने। हरसा। हरः। शृणुहि। विश्वतः। प्रति। यातुः।
 धानस्य। रक्षसः। बलं। वि। रुज। वीर्यं॥ ९ ॥ ॥ हविः। पातं। अजर। स्वः। वि
 दि। दिविः। स्पृशि। आऽऽकृतं। जुष्टं। अग्ने। तस्य। भर्मणे। भुवनाय। देवाः। ध

प.अ.४
॥४०॥

र्मणो।कं।स्वधया।पप्रथंत।गीर्णं।भुवनं।तमसा।अपः।गूढं।आविः।स्वः।अ
भवत्।जाते।अग्ने।तस्य।देवाः।पृथिवी।द्यौः।उत।आपः।अरण्यम्।ओष
धीः।सरव्ये।अस्य।देवेभिः।नु।इषितः।यज्ञियेभिः।अग्नि।स्तोषाणि।अजरं।
बृहंतं।यः।भानुना।पृथिवी।द्यां।उत।इमां।आऽततानं।रोदसीइति।अंतरिक्षं
।यः।होता।आसीत्।प्रथमः।देवऽजुष्टः।यं।सं।आंजन्।आज्येन।वृणानाः।सः
।पतत्रि।इत्वरं।स्थाः।जगत्।यत्।धात्रं।अकृणोत्।जातऽवेदाः।यत्।जातऽवे अग्निः।
दः।भुवनस्य।मूर्धन्।अतिष्ठः।अग्ने।सह।रोचनेन।तं।त्वा।अहेम।मतिऽभिः
।गीऽभिः।उक्थेः।सः।यज्ञियः।अश्ववः।रोदसिऽप्राः॥१०॥ ॥मूर्धा।भुवः।भ
वति।नक्तं।अग्निः।ततः।सूर्यः।जायते।प्रातः।उत्।यन्।मायां।ऊंइति।तु।यज्ञि
यानां।एतां।अपः।यत्।तूर्णिः।वरति।प्रऽजानन्।दृशेन्यः।यः।महिना।सं।इहः।

राम
४०॥

अरोचत। दिविऽयोनिः। विभाऽवा। तस्मिन्। अग्ने। सूक्तऽवाकेन। देवाः। हविः।
विश्वे। आ। अजुहवुः। तनूऽपाः। सूक्तऽवाकं। प्रथमं। आत्। इत्। अग्निं। आत्। इत्।
हविः। अजनयंत। देवाः। सः। एषा। यज्ञः। अभवत्। तनूऽपाः। तं। द्यौः। वेद। तं। पृथि
वी। तं। आपः। यं। देवासः। अजनयंत। अग्निं। यस्मिन्। आ। अजुहवुः। भुवनानि।
विश्वा। सः। अर्विषा। ०। क्रजुऽयमानः। अतपत्। महिऽत्वा। स्तोमेन। हि। दिवि। देवा
सः। अग्निं। अजीजनन्। शक्तिऽनिः। रोदसिऽप्रां। तं। ऊंइति। अकृण्वन्। त्रेधा। भु
वे। कं। सः। ओषधीः। पचति। विश्वऽरूपाः॥ ११ ॥ ॥ यदा। इत्। एनं। अदधुः। यज्ञि
यासः। दिवि। देवाः। सूर्य। आदितेयं। यदा। चारिष्टुइति। मिथुनो। अभूतां। आत्।
इत्। प्र। अपश्यन्। भुवनानि। विश्वा। विश्वस्मे। अग्निं। भुवनाय। देवाः। वैश्वान
रं। केतुं। अङ्गा। अकृण्वन्। आ। यः। ततान। उषसः। विऽभातीः। अपोइति। ऊपोति।

प. अ. ४

४९॥

तमः। अर्विषा। यन्। वैश्वानरं। कवयः। यज्ञियासः। अग्निं। देवाः। अज्जनयत्।
अजुर्यं। नक्षत्रं। प्रलं। अमिनत्। चरिष्णु। यक्षस्य। अधिऽअक्षं। तविषं। बृहते
वैश्वानरं। विश्वहा। दीर्घं वासं। मन्त्रैः। अग्निं। कविं। अब्धं। वदामः। यः। महिम्ना
। परिऽबभूव। उवर्इति। उत। अवस्तात्। उत। देवः। परस्तात्। द्वेइति। स्मृतीइति।
अशरणवं। पितृणां। अहं। देवानां। उत। मर्त्यानां। ताभ्यां। इदं। विश्वं। एजत्। स। ए
ति। यत्। अंतरा। पितरं। मातरं। च॥ १२॥ ॥ द्वेइति। समीचीइतिसं। ईवी। विभृतः
। चरंतं। शीर्षतः। जातं। मनसा। विऽमृष्टं। सः। प्रत्यङ्। विश्वा। भुवनानि। तस्मै।
अप्रऽयुच्छन्। तरणिः। भ्राजमानः। यत्र। वदेतेइति। अवरः। परः। च। यज्ञऽज्ञेः।
कतरः। नो। वि। वेद। आ। शेकुः। इत्। सधऽमादं। सरवायः। नक्षंत। यज्ञं। कः। इ
दं। वि। वोचत्। कति। अग्नयः। कति। सूर्यासः। कति। उषसः। कति। ऊंइति। स्वित्।

राम
४९

आपः। न। उपः। स्थितं। वः। पितरः। वदामि। एषामि। वः। कवयः। विप्रने। कं। या
 वत्। मात्रं। उषसः। न। प्रतीकं। सुः। पण्यः। वसते। मातरिः। तावत्। दधाति। उप।
 यज्ञं। आः। यन्। ब्राह्मणः। हेतुः। अवरः। निःसीदन्॥ १३ ॥ ॥ इंद्रं। स्तवु। नृः। त
 मं। यस्य। मद्रा। विः। वव्राधे। सेचना। विः। मः। अंताने। आ। यः। पप्रौ। वर्षणिः। धृ
 त्। वरः। भिः। प्र। सिंधुः। भ्यः। रिश्चानः। मद्दिः। त्वा। सः। सूर्यः। परि। उरु। वरांसि
 । आ। इंद्रः। ववृत्यात्। रथ्याः। इव। चक्रा। अतिष्ठतं। अपस्यं। न। सर्गं। कृष्ण। त
 मांसि। त्विष्या। जघान। समानं। अस्मै। अनपः। वृत्। अर्व। क्ष्मया। दिवः। असमं।
 ब्रह्म। नव्यं। वि। यः। एषाः। इव। जनिमानि। अर्यः। इंद्रः। विकाय। न। सरवायं।
 इवे। इंद्राय। गिरः। अनिशितः। सर्गः। अपः। प्र। ईरयं। सगरस्य। बुध्नात्। यः। अ
 क्षेणः। इव। चक्रिया। शचीभिः। विष्टकू। तस्तम। पृथिवी। उत। द्या। आपांतः। मन्युः।

प. अ. ४२

॥ ४२ ॥

तृपलः प्रथमः। धुनिः। शिमीः। वानः। शरुः। मानः। रुजीवी। सोमः। विश्वानि। अ-
तसा। वनानि। न। अर्वाकः। इंद्रः। प्रतिः। मानानि। देभुः॥ १४ ॥ ॥ न। यस्य। द्यावा ए-
धिवीदति। न। धन्वः। न। अंतरिक्षं। न। अद्रयः। सोमः। अक्षारिति। यत्। अस्य। म-
न्युः। अधिः। नीयमानः। शृणाति। वीकुः। रुजति। स्थिराणि। जघान। वृत्रं। स्वः
धितिः। वनाः। इव। सरोजः। पुरः। अरदत्। न। सिंधून्। विभेद। गिरिं। नवं। इत्। न।
कुंभं। आ। गाः। इंद्रः। अकृणुत। स्वयुकः। भिः। त्वं। ह। त्यत्। रुणाः। याः। इंद्रः। धीरः।
असिः। न। पर्वः। वृजिना। शृणासि। प्राये। मित्रस्य। वरुणस्य। धाम। युजं। न।
जनाः। मिनंति। मित्रं। प्राये। मित्रं। प्र। अर्यमणं। दुः। एव। प्र। सं। गिरः। प्र। वरु-
णं। मिनंति। नि। अमित्रेषु। वधं। इंद्रः। तुम्रं। वृषन्। वृषाणं। अरुषं। शिशीहि। इं-
द्रः। दिवः। इंद्रः। ईशे। पृथिव्याः। इंद्रः। अपां। इंद्रः। इत्। पर्वतानां। इंद्रः। वृथां। इं-

राम

॥ ४२ ॥

द्रः। इत्। मेधिराणां। इंद्रः। क्षेमै। योगे। हव्यः। इंद्रः॥१५॥ ॥ प्र। अक्तुःभ्यः। इंद्रः
 । प्र। वृधः। अहःभ्यः। प्र। अंतरिक्षात्। प्र। समुद्रस्य। धासेः। प्र। वातस्य। प्रथसः
 । प्र। ज्मः। अंतात्। प्र। सिंधुःभ्यः। शिखि। प्र। क्षितिःभ्यः। प्र। शोशुचत्याः। उष
 सः। न। केतुः। असिन्वा। ते। वर्ततां। इंद्र। हेतिः। अश्माः। इवा। विभ्य। दिवः। आ।
 सृजानः। तपिष्ठेन। हेषसा। द्रोघः। मित्रान्। अनु। अह। मासाः। अनु। इत्। वना
 नि। अनु। ओषधीः। अनु। पर्वतासः। अनु। इंद्र। रोदसीइति। वावशानेइति। अ
 नु। आपः। अग्निहृत्। जायमानं। कर्हि। स्वित्र। सा। ते। इंद्र। वेत्या। असत्। अघ
 स्य। यत्। भिनदः। रक्षः। आः। ईषत्। मित्रः। कुवः। यत्। शसने। न। गावः। एथिव्याः
 । आः। एक्। अमुया। शयंते। शत्रुः। यंतः। अभि। ये। नः। ततस्त्रि। महि। ब्राधंतः। ओ
 गणासः। इंद्र। अंधेन। अमित्राः। तमसा। सचंतं। सुः। ज्योतिषः। अक्तवः। तान्। अ

प. अ. ४

॥ ४३ ॥

भि।स्युरितिस्युः। पुरुषि। हि। त्वा। सवना। जनानां। ब्रह्माणि। मंदन। गृणातां।
ऋषीणां। इमां। आऽघोषन्। अवसा। सश्रुतिं। तिरः। विश्वान्। अर्चतः। याहि। अ
र्वाङ्। एव। ते। वयं। इंद्र। भुञ्जतीनां। विद्याम। सुऽमतीनां। नवानां। ॥ विश्वामित्राः।
॥ १६ ॥ ॥ सहस्रऽशीर्षा। पुरुषः। सहस्रऽअक्षः। सहस्रऽपात्। सः। भूमिं।
विश्वतः। वृत्वा। अति। अतिष्ठत्। दशऽअंगुलं। पुरुषः। एव। इंद्र। सर्वं। यत्। भूतं।
यत्। च। भव्यं। उत। अमृतऽत्वस्य। ईशानः। यत्। अन्नेन। अतिऽरोहति। एतावा
न्। अस्य। महिमा। अतः। ज्यायान्। च। पुरुषः। पादः। अस्य। विश्वा। भूतानि।
त्रिऽपात्। अस्य। अमृतं। दिवि। त्रिऽपात्। ऊर्ध्वः। उत। ऐत्। पुरुषः। पादः। अस्य
। दूह। अभवत्। पुनरिति। ततः। विषड्। वि। अक्रामत्। साशनानशनेदति। अ
भि। तस्मात्। विऽराट्। अजायत। विऽराजः। अधि। पुरुषः। सः। जातः। अति। अ

राम
॥ ४३ ॥

रिच्यत। पश्चात्। भूमि। अथो इति। पुरः॥१७॥ ॥ यत्। पुरुषेण। हविषा। देवः
 । यज्ञं। अतन्वत। वसंतः। अस्या। आसीत्। आज्यं। ग्रीष्मः। इध्मः। शस्त। हविः। तं। य
 ज्ञं। बर्हिषि। प्र। ओ धुन। पुरुषं। जातं। अग्रतः। तेन। देवाः। अयजंतं। साध्याः। ऋ
 षयः। च। ये। तस्मात्। यज्ञात्। सर्वः। हुतः। संःश्रतं। पृषत्। आज्यं। पशून्। तान्।
 चक्रे। वायव्यान्। आरण्यान्। ग्राम्याः। च। ये। ०। ऋचः। सामानि। जज्ञिरे। छंदो
 सि। जज्ञिरे। तस्मात्। यजुः। तस्मात्। अजायत। तस्मात्। अश्वः। अजायत। ये। के।
 च। उषयादतः। गावः। ह। जज्ञिरे। तस्मात्। तस्मात्। जाताः। अजावयः॥१८॥ ॥
 यत्। पुरुषं। वि। अदधुः। कतिधा। वि। अकल्पयन्। मुरवं। किं। अस्या। को। बाहू इति
 । को। ऊरू इति। पादौ। उच्येते इति। ब्राह्मणः। अस्या। मुरवं। आसीत्। बाहू इति। रा
 जन्यः। कृतः। ऊरू इति। तत्। अस्या। यत्। वैश्यः। पत्न्यां। शूद्रः। अजायत। चंद्र

प.अ.२

॥४४॥

माः।मनसः।जातः।चक्षोः।सूर्यः।अजायत।मुरवात्।इंद्रः।व।अग्निः।व।प्राणा
त्।वायुः।अजायत।नाभ्याः।आसीत्।अंतरिक्षं।शीर्षः।द्यौः।सं।अवर्तत।पत्
भ्यां।भूमिः।दिशः।श्रोत्रात्।तथा।लोकान्।अकल्पयन्।सप्त।अस्या।आसन्।प
रिधयः।त्रिः।सप्त।सं।इधः।कृताः।देवाः।यत्।यज्ञं।तन्वानाः।अबध्नन्।पुरुष
।पशुं।यज्ञेन।यज्ञं।अयजतं।देवाः।तानि।धर्माणि।प्रथमानि।आसन्।ते।ह।ना
कं।महिमानः।सचंत।यत्र।पूर्वे।माध्याः।संति।देवाः॥१२॥ ॥सं।जागृवत्।निः
।जरमाणः।इध्यते।दमे।दमूनाः।इषयन्।इकः।पदे।विश्वस्य।होता।हविषः
।वरेण्यः।विभुः।विभाऽवा।सुऽसरवा।सखिऽयते।सः।दशतिऽश्रीः।अतिथिः।
गृहेऽगृहे।वनेऽवने।शिऽश्रिये।तक्कवीऽइव।जनंऽजनं।जन्यः।न।अति।मन्य
ते।विशः।आ।क्षेति।विश्यः।विशंऽविशं।सुऽदक्षः।दक्षैः।क्रतुना।असि।सुऽ

राम

॥४४॥

ऋतुः॥ अग्ने॥ कविः॥ काव्येन॥ आसि॥ विश्वः॥ वित्॥ वसुः॥ वसूनां॥ क्षयसि॥ त्वं॥ एकः॥
 इत्॥ द्यावा॥ च॥ यानि॥ पृथिवी इति॥ च॥ पुष्यतः॥ प्रऽजानन्॥ अग्ने॥ तव॥ योनिं॥ ॠ
 त्वियं॥ इळायाः॥ पदे॥ घृतऽवतं॥ आ॥ असदः॥ आ॥ ते॥ चिकित्ते॥ उषसां॥ इव॥ एतयः॥
 अरेपसः॥ सूर्यस्य॥ इव॥ रश्मयः॥ तव॥ श्रियः॥ वर्षस्य॥ इव॥ विऽद्युतः॥ चित्राः॥
 चिकित्ते॥ उषसां॥ न॥ केतवः॥ यत्॥ ओषधीः॥ अभिऽसृष्टः॥ वनानि॥ च॥ परि॥ स्वयं॥
 विनुषे॥ अन्नं॥ आस्ये॥ २०॥ ॥ तं॥ ओषधीः॥ दधिरे॥ गर्भं॥ ॠत्त्वियं॥ तं॥ आपः॥ अ
 ग्निं॥ जनयंत॥ मातरः॥ तं॥ इत्॥ समानं॥ वनिनः॥ च॥ वीरुधः॥ अंतः॥ वतीः॥ च॥ सु
 वते॥ च॥ विश्वहा॥ वातऽउपधूतः॥ इक्षितः॥ वशान्॥ अनु॥ तृषु॥ यत्॥ अन्ता॥ वेवि
 षत्॥ विऽतिष्ठसे॥ आ॥ ते॥ यत्॥ ते॥ रथ्यः॥ यथा॥ एथक्॥ शधंसि॥ अग्ने॥ अज
 राणि॥ धक्षतः॥ मेधाऽकार॥ विदथस्य॥ प्रऽसाधनं॥ अग्निं॥ होतारं॥ परिऽभू

प. अ. ५

॥ ४५ ॥

तमं। मतिं। तं। इत्। अर्धे। हविषि। आ। समानं। इत्। तं। इत्। महे। वृणते। न। अन्यं
। त्वत्। त्वो। इत्। अत्र। वृणते। त्वाऽयवः। होतारं। अग्ने। विद्येषु। वेधसः। यत्। दे
वऽयंतः। दधति। प्रयांसि। ते। हविष्मंतः। मनवः। वृक्तऽवर्हिषः। ॥ २१ ॥ ॥ ० ॥ म
र्त्यः। संऽइधा। दाशत्। उत। वा। हविःऽकृति। तस्या। होता। भवसि। यासि। ह्यं। उ
प। ब्रूषे। यजसि। अध्वरिऽयसि। इमाः। अस्मे। मतयः। वान्वः। अस्मत्। आ। ऋचः
। गिरः। सुऽस्तुतयः। सं। अगमत। वसुऽयवः। वसवे। ज्ञातऽवेदसे। वृद्धासु। चित्। वर्ध
नः। यासु। वाकनत्। इमाः। प्रलाय। सुऽस्तुतिं। नवीयसी। वोवेयं। अस्मे। उशते। श
णोतु। नः। भूयाः। अंतरा। हृदि। अस्या। निऽस्पृशे। ॥ यस्मिन्। अश्वासः। ऋषभासः
। उक्षणाः। वशाः। मेषाः। अवऽसृष्टासः। आऽकृताः। कीलालऽपे। सोमऽपृष्टाय। वे
धसे। हृदा। मतिं। जनये। वारुं। अग्नये। अहावि। अग्ने। हविः। आस्ये। ते। स्तुचिऽइ

राम

॥ ४५ ॥

वा। घृतं। च॒न्विऽइव। सोमः। वाजऽसनिं। रयिं। अस्मेइति। सुऽवीरं। प्रऽशस्तं। धे
 हि। यशसं। बृहंतं॥ २२॥ ॥ यज्ञस्य। वः। रथ्यं। विशपतिं। विशां। होतारं। अक्लोः
 । अतिथिं। विभाऽवसुं। शोचन्। शुक्कासु। हरिणीषु। जर्भुरत्। वृषा। केतुः। यज्ञतः
 । द्यां। अशामत्। द्रुमं। अजःऽपां। उभये। अहणवत्। धूमणिं। अग्निं। विदथस्य।
 साधनं। अक्तुं। न। यक्। उषसः। पुरःऽहितं। तनूऽनपातं। अरुषस्य। निंसते। ब
 द्। अस्य। नीथा। वि। पणेः। च। मन्महे। वयाः। अस्य। प्रऽकुताः। आसुः। अन्नवे। य
 दा। घोरासः। अमृतऽत्वं। आशत। आत्। इत्। जनस्य। देव्यस्य। चकिरिन्। नूत
 स्य। हि। प्रऽसितिः। द्यौः। उरु। व्यचः। नमः। मही। अरमतिः। पनीयसी। इंद्रः। मि
 त्रः। वरुणः। सं। चिकित्रिरे। अथोइति। भगः। सविता। पूतऽदक्षसः। प्र। रुद्रेण।
 ययिना। यंति। सिंधवः। तिरः। मही। अरमतिं। दधन्विरे। येभिः। परिऽज्मा। परिऽ

प.अ. ४६

यन्। उरु। ज्ञयः। वि। रोरुवत्। ज्वरे। विश्वं। उक्षते॥ २३॥ ॥ क्राणाः। रुद्राः।
मरुतः। विश्वः। कृष्टयः। दिवः। श्येनासः। असुरस्य। नीळयः। तेभिः। चष्टे। वरु
णः। मित्रः। अर्यमा। इंद्रः। दिवेभिः। अर्वशोभिः। अर्वशः। इंद्रे। भुजं। शशमानासः
। आशत। सूरः। दृशीके। वृषणः। च। पौंस्ये। प्राये। नु। अस्य। अर्हणा। ततश्चिरे।
युजं। वज्रं। नृः। सदनेषु। कारवः। सूरः। चित्। आ। हरितः। अस्य। रीरमत। इंद्रात्
। आ। कः। चित्। भयते। तवीयसः। भीमस्य। वृष्णः। ज्वरात्। अभिः। श्वसः। दि
वेः। दिवे। सङ्गरिः। स्तन्। अबोधितः। स्तोमं। वः। अद्य। रुद्राय। शिक्से। क्षय
त्। वीराय। नमसा। दिदिष्टन्। येभिः। शिवः। स्वः। वान्। एवयावः। निः। दिवः।
सिसक्ति। स्वः। यशाः। निकामः। निः। ते। हि। प्रः। जायाः। अक्षरंत। वि। श्रवः। वृ
हस्पतिः। वृषभः। सोमः। जामयः। ॥ वि। धारयत्। देवाः। दक्षेः। भृगवः। सं। चि

राम
४६

किन्त्रिरे ॥ २४ ॥ ॥ भूरिऽरेतसा । नराशंसः । चतुः । अंगः । यमः । अदितिः । देवः ।
 त्वष्टा । द्रविणः । दाः । क्रुभुक्षणः । प्रारोदसीदति । मस्तः । विष्णुः । अहिरे । उत । स्यः ।
 नः । उशिजा । उर्विया । कविः । अहिः । शृणोतु । बुध्यः । हवीमनि । सूर्यामासा । विः
 चरता । दिविऽक्षिता । धिया । शमीनकुषीदति । अस्य । बोधतं । प्रानः । पूषा । वरथ ।
 विश्वऽदेव्यः । अपा । नपात् । अवतु । वायुः । इष्टये । आत्मानं । वस्यः । अभि । वातं । अ
 र्वत । तत् । अश्विना । सुऽहवा । यामनि । श्रुतं । विशां । आसां । अश्वयानां । अधिऽ
 क्षितं । गीः । भिः । ऊं । इति । स्वऽयशसं । गुणीमसि । ग्नाभिः । विश्वाभिः । अदितिं ।
 अनुर्वणं । अक्तोः । युवानं । नृऽमनाः । अधः । पति । रक्षत । अत्र । अनुषा । पूर्वः । अं
 गिराः । ग्रावाणः । ऊर्ध्वाः । अभि । वक्षुः । अध्वरं । येभिः । विऽहायाः । अश्ववत् । विऽ
 वक्षुणः । पाथः । सुऽमेकं । स्वऽधितिः । वनं नृऽवति ॥ २५ ॥ ॥ महि । द्यावापृथिवी

प-अ-
॥४७॥

इति। भूतं। उर्वर इति। नारी इति। यक्षी इति। न। रोदसी इति। सदा। नः। तेभिः। नः।
पातं। सद्यसः। एभिः। नः। पातं। शूषणि। यज्ञेऽयज्ञे। सः। मर्त्यः। देवान्। सपर्यति
। यः। सुमैः। दीर्घश्रुतः। तमः। आऽविवासाति। एनान्। विश्वेषां। इरज्यवः। देवा
नां। वाः। महः। विश्वे। हि। विश्वः। महसः। विश्वे। यज्ञेषु। यज्ञियाः। ते। घा। राजानः
। अमृतस्य। मंद्राः। अर्यमा। मित्रः। वरुणः। परिऽज्मा। कर्तृ। रुद्रः। नृणां। स्तुतः।
मरुतः। पूषणः। भगः। उत। नः। नक्तं। अर्षां। वृषण्वस् इति वृषण्वस्। सूर्य
र्यामासा। सदेनाय। सधुन्या। सवा। यत्। सादि। एषां। अहिः। बुध्नेषु। बुध्न्यः
॥२६॥ ॥ उत। नः। देवौ। अश्विना। शुभः। पती इति। धामऽभिः। मित्रावरुणो।
उरुष्यतां। अति। धन्वऽइव। दुः। इता। उत। नः। रुद्रा। वित। मूळतां। अश्विना
। विश्वे। देवासः। रथः। पतिः। भगः। क्रभुः। वाजः। क्रभुक्षणाः। परिऽज्मा। विश्वऽ

राम
॥४७॥

वेदसः। क्रुमुः। क्रुमुक्षाः। क्रुमुः। विधुतः। मदेः। आ। ते। हरी इति। जुजुवानस्य। वाजि
 ना। दुस्तरं। यस्य। साम। चित्र। क्रुधक्। यज्ञः। न। मानुषः। क्रुधि। नः। अद्रयः। देव। स
 वितरिति। सः। च। स्तुषे। मघोनां। सहो इति। नः। इन्द्रः। वद्विभिः। नि। एषां। चर्षणीनां
 । चक्रं। राशिमं। न। योयुवे। आ। एषु। द्यावा एथिवी इति। धातं। महत्। अस्मे इति। वीरेषु
 । विश्वः। चर्षणि। श्रवः। एक्षं। वाजस्य। सातये। एक्षं। राया। उत। तुर्वणे ॥ २७ ॥ ॥ ए
 तं। शंसं। इन्द्र। अस्मः। युः। त्वं। क्रुः। चित्र। संतं। सहसा। वन्। अभिष्टये। सदा। पाहि।
 अभिष्टये। मेदतां। वेदता। वसो इति। एतं। मे। स्तोमं। तना। न। सूर्ये। द्युतत्। यामा
 नं। ववृधंत। नृणां। सः। वननं। न। अश्व्यं। तष्टा। इव। अनपः। व्युतं। ववर्त्त। येषां। रा
 या। युक्ता। एषां। हिरण्ययी। नेमः। धिता। न। योस्या। वृथा। इव। विष्टः। अंता। प्रा। त
 त्। दुः। शीमे। पृथवाने। वेने। प्रा। रामे। वीचं। असुरे। मघवत्। सु। ये। युक्ताय। पं

प. अ. ४
॥४८॥

य। शता। अस्मऽयु। पथा। विऽश्रावि। एषां। अधि। इत्। नु। अत्र। सप्ततिं। न। स
प्त। न। सद्यः। दिदिष्ट। तान्वः। सद्यः। दिदिष्ट। पार्थ्यः। सद्यः। दिदिष्ट। मायवः॥२८॥
॥ प्र। एते। वदंतु। प्र। वयं। वदाम। ग्रावऽभ्यः। वाचं। वदत। वदतऽभ्यः। यत्।
अद्रयः। पर्वताः। साकं। आशवः। श्लोकं। घोषं। भरथ। इंद्राय। सोमिनः। एते।
वदंति। शतऽवत्। सहस्रऽवत्। अभि। क्रंदंति। हरितेभिः। आसऽभिः। विष्टु।
ग्रावाणः। सुऽकृतः। सुऽकृत्यया। हेतुः। चित्। पूर्वं। हविः। अद्यं। आशत। प
ते। वदंति। अविदन्। अना। मधु। नि। ऊंखयंते। अधि। पक्वे। आमिबि। वृक्ष
स्य। शाखां। अरुणस्य। वपुतः। ते। सूक्ष्मीः। वृषभाः। प्रा। ई। अराविषुः। वृ
हत्। वदंति। मृद्विरेण। मृदिना। इंद्रं। क्रौशंतः। अविदन्। अना। मधु। संऽरभ्य
। धीराः। स्वसऽभिः। अनर्तिषुः। आऽघोषयंतः। पृथिवी। उपविऽभिः। सुऽप

राम
॥४८॥

णाः। वान्वं। अक्रत। उप। द्यवि। आऽखरे। कृष्णः। इषिराः। अनर्त्तिषु। न्यक्। नि
 । यंति। उपरस्य। निः। दूतं। पुरु। रेतः। दधिरे। सूर्यऽश्वितः॥२८॥ ॥ उग्राः। देव।
 प्रऽवहतः। संऽआयमुः। साक। युक्ताः। वृषणाः। विभ्रतः। धुरः। यत्। श्वसंतः। ज
 ग्रसानाः। अरविषुः। शण्वे। वृषा। प्रोथथः। अर्वतां। इव। दशा। वनिऽभ्यः। दशऽ
 कक्ष्येभ्यः। दशऽयोत्त्रेभ्यः। दशऽयोजनेभ्यः। दशाभीशुऽभ्यः। अर्वत। अजरे
 भ्यः। दश। धुरः। दश। युक्ताः। वहतऽभ्यः। ते। अद्रयः। दशऽयंत्रासः। आशवः। ते
 बां। आऽधानं। परि। एति। ह्यंतं। ते। ऊंइति। सुतस्य। सोम्यस्य। अंधसः। अंशोः
 । पीयूषं। प्रथमस्य। भोजिरे। ते। सोमऽअदः। हरीइति। इंद्रस्य। निंसते। अंशुं।
 दुहंतः। अधि। आसते। गवि। तेभिः। दुग्धं। पविऽवान्। सोम्यं। मधु। इंद्रः। वध
 ते। प्रथते। वृषऽयते। वृषा। वः। अंशुः। न। किल। रिषाथन। इळाऽवंतः। सदा। इत्त।

प. अ. -
॥४२॥

सुन। आशिताः। रैवत्याऽदेव। महसा। चारवः। सुन। यस्य। ग्रावाणः। अजुष
ध्वं। अध्वरं॥ ३०॥ ॥ तृदिलाः। अतृदिलासः। अद्रयः। अश्रमणाः। अश्रधिताः।
। अमृत्यवः। अनातुराः। अजराः। स्त्र। अमविष्मवः। सुऽपीवसः। अतृषिताः। अ
तृष्मजः। ध्रुवाः। एव। वः। पितरः। युगेऽयुगे। क्षेमऽकामासः। सदसः। न। युंज
ते। अजुर्यासः। हरिऽसाचः। हरिद्रवः। आ। द्यां। रवेण। पृथिवी। अशुश्रुवुः। तत्।
इत्। वृदति। अद्रयः। विऽमोचने। यामन। अंजः। पाः। देव। घृ। इत्। उपृष्टिऽभिः।
वपंतः। बीजं। देव। धान्यऽकृतः। एवंति। सोमं। न। मिनंति। वषंतः। सुते। अध्वरे
। अधि। वाचं। अक्रुत। आ। क्रीळ्यः। न। मातरं। तुदंतः। वि। सु। मुंच। सुसुऽवुषः। म
नीषां। वि। वर्ततां। अद्रयः। चार्यमानाः॥ ३१॥ ॥ इत्यष्टमाष्टके चतुर्थोऽ
ध्यायः॥ ॥ॐ॥ ॥ ह्ये। जाये। मनसा। तिष्ठ। घोरे। वर्चासि। मिश्रा। रु

राम
४२

णवावहे।नु।न।नौ।मंत्राः।अनुदितासः।एते।मयः।कुरु।परः।तरे।वन।अहन्।
 किं।एता।वान्वा।कृणाव।तव।अहं।प्र।अक्रुमिषं।उषसा।अश्रियाः।इव।पुरु रवः।पु
 नः।अस्तं।परा।इहि।दुः।आपुना।वातः।इव।अहं।अस्मि।इषुः।न।श्रिये।इषुः।धेः
 ।असुना।गोः।साः।शतः।साः।न।रंदिः।अवरिरे।क्रतौ।वि।द्वियुतत्।न।उरा।न।मा
 युं।चितयंत।धुनयः।सा।वसु।दधती।श्वशुराय।वयः।उषः।यदि।वशि।अंतिः।गृ
 हात्।अस्तं।ननक्षे।यस्मिन्।चाकन्।दिवा।नक्तं।भयिता।वैतसेन।त्रिः।स्म।मा।
 अङ्कः।भथयः।वैतसेन।उत।स्म।मे।अव्यत्यै।एणासि।पुरु रवः।अनु।ते।केतं।आ
 यं।राजा।मे।वीर।तन्वः।तत्।आसीः॥१॥ ॥या।सुः।जृर्णिः।श्रेणिः।सुम्नेः।आविः।
 इदेः।चक्षुः।न।ग्रंथिनी।वरुण्युः।ताः।अंजयः।अरुणयः।न।सस्त्रुः।श्रिये।गावः।
 न।धेनवः।अनवन्त।सं।अस्मिन्।जायमाने।आसत।ग्नाः।उत।ई।अवर्धन्।नद्यः।स्वः

प. अ. ५
॥ ५० ॥

गृत्तीः। महे। यत्। त्वा। पुरुरवः। रणाय। अवर्धयन्। इत्युः हत्याय। देवाः। मन्वा।
यत्। आसु। जहतीषु। अर्क। अमानुषीषु। मानुषः। निःवेसे। अप। स्म। मत्। तरसं
ती। न। भुज्युः। ताः। अत्रसन्। रथः स्पर्शः। न। अश्वः। यत्। आसु। मर्त्तः। अमृतासु।
निःस्पृक्। सं। क्षोणीभिः। क्रतुः। निः। न। एत्के। ताः। आतयः। न। तन्वः। शुंषत। स्वाः।
अश्वसः। न। क्रीकयः। दंशानाः। विःद्युत्। न। या। पतंती। दविद्योत्। भरंती। मे। अ
प्या। काम्यानि। जनिष्टोदति। अपः। नयः। सुः जातः। प्र। उर्वशी। तिरत्। दीर्घ। आयुः
॥ २ ॥ ॥ जज्ञिषे। इत्या। गोः पीथ्याय। हि। दधाथ। तत्। पुरुरवः। मे। ओजः। अशा
सं। त्वा। विदुषी। सस्मिन्। अहन्। न। मे। आ। अशरणोः। किं। अशुक। वदासि। कदा
। सूनुः। पितरं। जातः। इच्छात्। वक्रन्। न। अश्रु। वर्त्तयत्। विः जानन्। कः। दंपती
इतिदं पती। सः मनसा। वि। मूयोत्। अध। यत्। अग्निः। श्वशुरेषु। दीदयत्। प्रति।

राम
॥ ५० ॥

ब्रवाणि । वर्त्तयते । अश्रु । वक्रन् । न । क्रुदत् । आऽध्ये । शिवायै । प्र । तत् । ते । हिन्
 व । यत् । ते । अस्मेदति । परा । इहि । अस्ते । नहि । मूर । मा । आपः । सुऽदेवः । अद्य । प्रऽ
 पतेत् । अनावृत् । पराऽवर्त । परमां । गंतवै । कुं इति । अध । शयीत । निःऽक्तैः । उ
 प । स्थि । अध । एनं । वृकाः । रक्षसासः । अद्युः । पुरुरवः । मा । मृथाः । मा । प्र । पत्तः ।
 मा । त्वा । वृकासः । अशिवासः । कुं इति । क्षुन् । न । वै । स्त्रैणानि । सरव्यानि । संति
 । सालावृकाणां । हृदयानि । एता ॥ ३ ॥ ॥ यत् । विऽरूपा । अचरं । मर्त्येषु । अव
 सं । रात्रीः । शरदः । चतस्रः । घृतस्य । स्तोकं । सकृत् । अङ्गः । आश्रं । तात् । एव । इ
 दं । तत्पाणा । वरामि । अंतरिक्षऽप्रां । रजसः । विऽमान् । उप । शिष्टामि । उर्व
 शी । वसिष्ठः । उप । त्वा । रातिः । सुऽकृतस्य । तिष्ठत् । नि । वर्त्तस्व । हृदयं । तप्यते ।
 मे । इति । त्वा । देवाः । इमे । आङ्गः । ऐळ । यथा । इ । एतत् । भवसि । मृत्युऽबन्धुः ।

प.अ.५ प्र५ जाति। देवान्। हविषा। यज्जाति। स्वः। गो। ऊं इति। त्वं। अपि। मादयासे ॥ ४ ॥
 ॥ ५१ ॥ ॥ प्र। ते। महे। विदधे। शंसिषं। हरी इति। प्र। ते। वन्वे। वनुषः। हर्यते। मदे। घृतं। न।
 यः। हरिः। भिः। चारु। सेवते। आ। त्वा। विशंतु। हरिः। व र्धसं। गिरः। हरिः। हि। योनिं
 । अभि। ये। सं। अस्वरन्। हिन्वंतः। हरी इति। दिव्यं। यथा। सदः। आ। यं। एणांति। ह
 रिः। भिः। न। धेनवः। इंद्राय। शूषं। हरिः। वंतं। अर्चत। सः। अस्य। वज्रः। हरितः।
 यः। आयसः। हरिः। निः। कामः। हरिः। आ। गभस्स्योः। द्युम्नी। सुः। शिप्रः। हरिः। म
 न्युः। सायकः। इंद्रे। नि। रूपा। हरिता। मिमिक्षिरे। दिवि। न। केतुः। अधि। धायि
 । हर्यतः। विव्यचत। वज्रः। हरितः। न। रंध्रा। तुदत। अदिं। हरिः। शिप्रः। यः। आ
 यसः। सहस्रः। शोकाः। असवत। हरिः। भूरः। त्वं। त्वं। अहर्यथाः। उपः। स्तुतः।
 पूर्वभिः। इंद्र। हरिः। केश। यज्वं। भिः। त्वं। हर्यसि। तव। विश्वं। उक्थ्यं। असामि। राधः।

राम
 ५१

हरिऽजात। हर्यतं ॥ ५ ॥ ॥ ता। वज्रिणौ। मुंदिनं। स्तोम्यं। मदे। इंद्रं। रथे। वहतः। ह
 र्यता। हरीइति। पुरुषि। अस्मै। सर्वनानि। हर्यते। इंद्राय। सोमाः। हरयः। दधन्वि
 रे। अरं। कामाय। हरयः। दधन्विरे। स्थिराय। हिन्वन। हरयः। हरीइति। तुरा। अवर्त
 भिः। यः। हरिऽभिः। जोषं। र्यते। सः। अस्य। कामं। हरिऽवंतं। आनेशे। हरिऽश्म
 शारुः। हरिऽकेशः। आयसः। तुरः। पेये। यः। हरिऽपाः। अवर्धत। वाजिनी। व
 सुः। अति। विश्वा। दुः। श्रुता। पारिषत्। हरीइति। स्रुवा। इव। यस्य। हरिणीइति
 विऽपेतुः। शिप्रेइति। वाजाय। हरिणीइति। दधन्ध्वतः। प्र। यत्। कृतै। चमसे।
 मर्मजत। हरीइति। पीत्वा। मदस्य। हर्यतस्य। अधसः। उत। स्म। सग्रा। हर्यतस्य। प
 स्योः। अत्यः। न। वाजं। हरिऽवान्। अविक्रदत्। मही। चित्र। हि। धिषणा। अहर्यत्
 ओजसा। बृहत्। वयः। दधिषे। हर्यतः। चित्र। आ॥ ६ ॥ ॥ आ। रोदसीइति। हर्य

१० अ० ५

॥५२॥

माणः। म॒हिः। त्वा। न॒व्यं। न॒व्यं। ह॒र्य॒सि। म॒न्म॒। नु। प्रि॒यं। प्र। प॒र्य्य॒। अ॒सुर॒। ह॒र्य॒तं। गोः।
आ॒विः। कृ॒धि। ह॒र्ये॒। सूर्या॒यि। आ। त्वा। ह॒र्य॒तं। प्र॒युजः॑। ज॒नानां॑। रथे॑। व॒हंतु॑। ह॒रिः। शि
प्रं। इं॒द्र। पि॒ब॒। यथा॑। प्र॒तिः। भृ॒तस्य॑। म॒ध्वः॑। ह॒र्य॒न्। य॒ज्ञं। स॒धः। मा॒दे॒। द॒शः। ओ॒षधिं॑। अ
पाः। पू॒र्वेषां॑। ह॒रिः। वः॑। सु॒तानां॑। अथो॒इति॑। इं॒द्रं। स॒र्व॒नं। के॒वलं॑। ते। म॒म॒हिः। सो॒मं। म
धुः। म॒तं। इं॒द्रं। स॒त्रा॒। वृ॒ष॒न्। ज॒ठरे॑। आ। वृ॒ष॒स्व॥ ७ ॥ ॥ याः। ओ॒ष॒धीः। पू॒र्वः। जा
ताः। दे॒वेभ्यः॑। त्रि॒युगां॑। पु॒रा। म॒ने॒। नु। व॒भ्रू॒णां। अ॒हं। श॒तं। धा॒मा॒नि। स॒प्त॒। व॒। श॒त
। वः। अ॒ंब॒। धा॒मा॒नि। स॒ह॒स्र॒। उ॒त॒। वः। रु॒हः। अ॒ध॒। श॒त॒। कृ॒त्वः॑। पू॒र्य्यं। इ॒मं॒। मे॒। अ॒ग॒दं
। कृ॒त॒। ओ॒ष॒धीः। प्र॒ति॒। मो॒द॒ध्वं॒। पु॒ष्प॒। व॒तीः॑। प्र॒। स॒ख॒रीः। अ॒श्वः॑। इ॒व॒। स॒। जि॒त्व॒रीः
। वी॒रु॒धः॑। पा॒र॒यि॒ष्णुः॑। ओ॒ष॒धीः। इ॒ति॒। मा॒तरः॑। त॒त्। वः। दे॒वीः॑। उ॒प॒। ब्रु॒वे॒। स॒ने॒य॒। अ॒श्वं॒। गां॒।
। वा॒सः॑। आ॒त्मा॒नं॒। त॒व॒। पु॒रु॒ष॒। अ॒श्व॒त्ये॒। वः॑। नि॒। स॒दनं॑। पु॒र्ण॒। वः॑। व॒स॒तिः॑। कृ॒ता॒। गोः॑। भ॒जः॑।

राम
॥५२॥

इत्। किल। असथ। यत्। सनवथ। पुरुषं॥ ८ ॥ ॥ यत्र। ओषधीः। सं। अगमत। राजा
 नः। समितोऽद्व। विप्रः। सः। उच्यते। निषक्। रक्षः। हा। अमीव। चातनः। अश्वऽव
 ती। सोमऽवती। ऊर्जयती। उतऽओजसं। आ। अवित्ति। सर्वाः। ओषधीः। अस्मे। अरि
 षऽतातये। उत। शुष्माः। ओषधीनां। गावः। गोऽस्मात्। इव। ईरते। धनं। सुनिष्यतीनां
 । आत्मानं। तव। पुरुष। इच्छतिः। नाम। वः। माता। अथोऽति। यूयं। स्त्र। निः। कृतीः।
 सीराः। पतत्रिणीः। स्त्रन। यत्। आमयति। निः। कथ। अति। विश्वाः। परिऽस्त्राः। स्तेनः।
 इव। व्रजं। अक्रमुः। ओषधीः। प्र। अनुच्यवुः। यत्। किं। च। तन्वः। रपः॥ ९ ॥ ॥ यत्।
 इमाः। वाजयन्। अहं। ओषधीः। हस्ते। आऽदधे। आत्मा। यस्मस्य। नश्यति। पुरा।
 जीवऽगृप्सः। यथा। यस्य। ओषधीः। प्रऽसर्पथ। अंगं। अंगं। परुः। परुः। ततः। यस्मं।
 वि। बाधध्वे। उग्रः। मध्यमशीः। इव। साकं। यस्म। प्र। पत। चाषिण। कि। किरी। विना।

प. अ. ५
॥ ५३ ॥

साकं। वातस्य। धाज्या। साकं। नश्य। निःहाकया। अन्या। वः। अन्या। अवतु। अन्या
। अन्यस्याः। उप। अवत। ताः। सर्वाः। संऽविद्यानाः। इदं। मे। प्र। अवत। वचः। याः। फलि
नीः। याः। अफलाः। अपुष्पाः। याः। च। पुष्पाणीः। बृहस्पतिऽप्रसूताः। ताः। नः।
मुंचंतु। अंहसः॥ १० ॥ ॥ मुंचंतु। मा। शपथ्यात्। अथोदति। वरुण्यात्। उत। अ
थोदति। यमस्य। पद्मीशात्। सर्वस्मात्। देवऽकिल्बिषात्। अवऽपतंतीः। अवदन्।
दिवः। ओषधयः। पारि। यं। जीविं। अभवामहे। न। सः। रिष्याति। पुरुषः। याः। ओष
धीः। सोमऽराज्ञीः। बद्धीः। शतऽविचक्षणाः। तासां। त्वं। असि। उत्तमा। अरं। का
माय। शं। हृदे। ०। विऽस्थिताः। पृथिवी। अनु। बृहस्पतिऽप्रसूताः। अस्ये। सं। दत्त। वी
र्यं। मा। वः। रिषत्। खनिता। यस्मै। व। अहं। खनामि। वः। द्विऽपत्। चतुऽपत्। अस्मा
कं। सर्वं। अस्तु। अनातुरं। याः। च। इदं। उपऽशृण्वन्ति। याः। च। दूरं। पराऽगताः। सर्वाः।

राम

॥ ५३ ॥

संसगत्य। वीरुधः। १०। जीवधयः। सं। वदंते। सोमेन। सह। राज्ञा। यस्मै। कृणोति। ब्रा
ह्मणः। तं। राजन्। पारयामसि। त्वं। उत्तमा। असि। ओषधे। तव। वृक्षाः। उपस्त
यः। उपास्तिः। अस्तु। सः। अस्माकं। यः। अस्मान्। अभिः दासति॥ ११॥ ॥ बृहस्पते
। प्रति। मे। देवतां। इहि। मित्रः। वा। यत्। वरुणः। वा। असि। पूषा। आदित्येः। वा। यत्।
वसुभिः। मरुत्वान्। सः। पर्जन्यः। शंसतनवे। वृषयः। आ। देवः। दूतः। अजिरः। चिकि
त्वान्। त्वत्। देवः। आपे। अभि। मां। अगच्छत्। प्रतीचीनः। प्रति। मां। आ। ववृत्स्व। द
धामि। ते। द्युः मती। वाचं। आसन्। अस्मेदति। धेहि। द्युः मती। वाचं। आसन्। बृह
स्पते। अनुमीवां। इषिरां। यया। वृष्टिं। शंसतनवे। वनावा। दिवः। द्रुपः। मधुः मान्।
आ। विवेश। आ। नः। द्रुक्षाः। मधुः मन्तः। विशन्तु। इंद्र। देहि। अधिः रथः। सहस्रं।
नि। सीद। होत्रं। ऋतुः था। यजस्व। देवान्। देवः। आपे। हविषा। सपर्य। आर्षिर्वेणः।

प-अ-५
॥ ५४ ॥

होत्रं। ऋषिः। निःसीदन्। देवः। आपिः। देवः। सुमतिं। चिकित्वा। सः। उत्तरस्मा
त्। अधरं। समुद्रं। अपः। दिव्याः। असृजत्। वर्षाः। अभि। अस्मिन्। समुद्रे। अधि
। उत्तरस्मिन्। आपः। देवेभिः। निःवृताः। अतिष्ठन्। ताः। अद्रवन्। आर्षिषेणेन।
सृष्टाः। देवः। आपिना। प्रः। शिषिताः। मृक्षिणीषु॥ १२॥ ॥ यत्। देवः। आपिः। शंसत
नवे। पुरः। हितः। होत्राय। वृतः। कृपयन्। अदीधेत। देवः। श्रुतं। वृष्टिः। वनिः। राणः।
बृहस्पतिः। वाचं। अस्मै। अयच्छत्। यं। त्वा। देवः। आपिः। शुशुचानः। अग्ने। आर्षिषे
णः। मनुष्यः। संः। ईधे। विश्वेभिः। देवैः। अनुः। मद्यमानः। प्र। पर्जन्यै। ईरय। वृष्टिः। मं
तं। त्वा। पूर्वे। ऋषयः। गीः। भिः। आयन्। त्वा। अध्वरेषु। पुरुः। हृत। विश्वे। सहस्रा
णि। अधिः। रथानि। अस्मै। इति। आ। नः। यज्ञं। रोहितः। अश्वः। उप। याहि। एतानि। अ
ग्ने। नवतिं। सहस्रा। सं। प्र। यच्छ। वृष्टे। इंद्राय। भागं। विद्वान्। पथः। ऋतुः। शः। दे
२ एतानि। अग्ने। नवतिः। नव। त्वे। इति। आ। दुतानि। अधिः। रथा। सहस्रा। तेभिः। वर्ध
स्व। तन्वः। शूरः। पूवः। दिवः। नः। वृष्टिं। इषितः। रीहि। *३

राम
॥ ५४ ॥

वऽयानान्। अपि। ओलानं। दिवि। देवेषु। धेहि। अग्ने। बाधस्व। वि। मृधः। वि। दुः।
 गद्वा। अप। अर्मावां। अप। रक्षांसि। सेध। अस्मात्। समुद्रात्। बृहतः। दिवः। नः। अपां
 । भूमानं। उप। नः। सृज। इह॥ १३॥ ॥ कं। नः। चित्रं। इष्यसि। चिकित्वात्। एथुऽग्मा
 नं। वाश्रं। वृधधे। कत्। तस्य। दातु। शवसः। विऽउष्टौ। तक्षत्। वज्रं। वज्रऽतुरं। अ
 विन्वत्। सः। हि। द्युता। विऽद्युता। वेति। साम। एथुं। योनिं। असुरऽत्वा। आ। ससद्।
 सः। सऽनीकेभिः। प्रऽसहानः। अस्य। भ्रातुः। न। क्रते। सप्तथस्य। मायाः। सः। वाजं।
 याता। अपदुः। पदा। यन्। स्वः। साता। परि। सदत्। सनिष्यत्। अनर्वा। यत्। शतऽ
 दुरस्य। वेदः। घ्नन्। शिश्नऽदेवान्। अभि। वर्षसा। भूत्। सः। यद्वा। अवनीः। गोषु।
 अर्वा। आ। जुहोति। प्रऽधन्यासु। सस्त्रिः। अपादः। यत्र। युज्या। सः। अरथाः। श्रेणिऽ
 अश्वासः। इरते। घृतं। वारित्तिवाः। सः। रुद्रेभिः। अशस्तऽवारः। ऋभ्वा। हित्वी।

प. अ. ५
॥ ५५ ॥

गर्यं। आरेऽअवद्यः। आ। अगात्र। वम्रस्य। मन्ये। मिथुना। विवव्रीइति विऽवव्री। अ
न्नं। अन्निऽइत्य। अरोदयत्। मुषायन्। सः। इत्। दासं। तुविऽरवं। पतिः। दन्। षट्
अक्षं। त्रिऽशीर्षाणि। दमन्यत्। अस्य। त्रितः। नु। ओजसा। वृधानः। विपा। वराह। अ
यः। अग्रया। हन्ति। तिहन्। ॥ १४ ॥ ॥ सः। द्रुक्कणो। मनुषे। ऊर्ध्वसानः। आ। साविषत्।
अर्शसानाय। शरुं। सः। नृऽतमः। नकुषे। अस्मत्। सुऽजातः। पुरः। अभिनेत्। अह
न्। दस्युऽहत्ये। सः। अभ्रियः। न। यवसे। उदन्यन्। क्षयाय। गातुं। विदत्। नः। अस्मे
इति। उप। यत्। सीदत्। दंडुं। शरीरैः। श्येनः। अयः। अपाहिः। हन्ति। दस्यून्। सः। ब्रा
धतः। शवसानेभिः। अस्य। कुत्साय। शुष्पं। रूपणे। परा। अदाते। अयं। कविं। अ
नयत्। शस्यमानं। अर्कं। यः। अस्य। सनिता। उत। नृणां। अयं। दशस्यन्। नर्येभिः। अ
स्य। दस्मः। देवेभिः। वरुणः। न। मायी। अयं। कनीनः। क्रतुऽपाः। अवेदि। अमिमीत्।

राम

॥ ५५ ॥

अरुं।यः।चतुः।पात्र।अस्य।स्तोमेभिः।ओशिजः।ऋजिश्वा।व्रजं।दरयत्।वृष
 भेषा।विप्रोः।सुत्वा।यत्।यजतः।दीदयत्।गीः।पुरः।इयानः।अभि।वर्षसा।भूत्।
 एव।महः।असुर।वक्षथाय।वम्रकः।पट्सभिः।उप।सर्पत्।इंद्र।सः।इयानः।कर
 ति।स्वस्ति।अस्मे।०॥१५॥ ॥इंद्र।दृष्ट्वा।मघः।वनः।त्वाः।वत्।इत्।भुजे।इह।स्तुतः
 ।सुतः।पाः।बोधि।नः।वृधे।देवेभिः।नः।सविता।प्र।अवत्।श्रुतं।आ।सर्वः।तातिं
 ।अदितिं।वृणीमहे।भराय।सु।भरत।भाग।ऋत्विर्य।प्र।वायवे।शुचिः।पे।क्रंद
 तः।दृष्टये।गौरस्य।यः।पयसः।पीतिं।आनशे।०।आ।नः।देवः।सविता।साविष
 त्।वयः।ऋजुः।यते।यजमानाय।सुन्वते।यथा।देवान्।प्रति।भूषेम।पाकः।वत्।
 ।०।इंद्रः।अस्मेदति।सुः।मनाः।अस्तु।विश्वह।राजा।सोमः।सुवितस्य।अधि।ए
 तु।नः।यथाः।यथा।मित्रः।धितान।सुः।दधुः।०।इंद्रः।उक्थेन।शवसा।परुः।द

प.अ.५
५६

धे। बृहस्पते। प्रऽतरीता। असि। आयुषः। यज्ञः। मनुः। प्रऽमतिः। नः। पिता। हि।
कं। ०। इंद्रस्य। नु। सुऽकृतं। दिव्यं। सहः। अग्निः। गृहे। जरिता। मेधिरः। कविः। ये
ज्ञः। व। भूत्। विदथे। चारुः। अंतमः। ०॥ १६॥ ॥ न। वः। गुहा। चकम। भूरि। दुः
कृतं। न। आविः। स्यं। वसवः। देवऽहेळनं। मार्किः। नः। देवाः। अनृतस्य। वर्षसः।
०। अप। अमीवां। सविता। साविषत्। न्यक्। वरीयः। इत्। अप। सेधंतु। अद्रयः।
०। ऊर्ध्वः। गावा। वसवः। अस्तु। सोतरि। विश्वा। द्वेषासि। सनुतः। युयोत। सः।
नः। देवः। सविता। पायुः। ईर्ज्यः। ०। ऊर्ज्य। गावः। यवसे। पीवः। अन्नन। क्रतस्य
। याः। सद्ने। कोशे। अर्जु। तनूः। एव। तन्वः। अस्तु। सेषजं। ०। क्रतुऽप्रावा।
जरिता। शन्वतां। अवः। इंद्रः। इत्। भद्रा। प्रऽमतिः। सुतऽवतां। पूर्ण। ऊर्ध्वः।
दिव्यं। यस्य। सिक्तये। ०। चित्रः। ते। भानुः। क्रतुऽप्राः। अभिष्टिः। संति। स्थधः। ज

राम
५६

रणिः प्राः । अधः । रजिष्ठया । रज्या । पृथ्वः । आ । गोः । तृत्तृषति । परि । अग्रं ।
 दुवस्युः ॥ १४ ॥ ॥ उत् । बुध्यध्वं । सः । मनसः । सरवायुः । सं । अग्निं । इंध्वं । वह
 वः । सः । नीकाः । १० । इन्द्रः । वतः । अवसे । नि । कृये । वः । मंड्रा । कृणुध्वं । धियः । आ ।
 तनुध्वं । नावं । अरित्रः । परंणी । कृणुध्वं । इष्टुणुध्वं । आयुधा । अरं । कृणुध्वं । प्रां
 च । यज्ञं । प्रा । नयत । सरवायुः । युनक्त । सीरा । वि । युगा । तनुध्वं । कृते । यो नौ । वप
 त । इह । बीजं । गिरा । च । श्रुष्टिः । सः । भराः । असत् । नः । नेदीयः । इत् । सृण्यः ।
 पक्कं । आ । इयात् । सीरा । पुंजंति । कवयः । युगा । वि । तन्वते । पथक् । धीराः । दे
 वेषु । सुम्नः । या । निः । आः । हावान् । कृणोतन । सं । वरत्राः । दधातन । सिंचाम
 हे । अवतं । उद्रिणं । वयं । सुः । सेकं । अनुपः । क्षितं । इष्टुतः । आहावं । अवतं । सुः
 वरत्रं । सुः । सेचनं । उद्रिणं । सिंचे । आक्षितं ॥ १८ ॥ ॥ प्रीणीति । अश्वान् । हि

प. अ. ५

॥५७॥

तं। जयाथ। स्वस्तिः। वाहं। रथं। इत्। कृणुध्वं। द्रोणः। आहावं। अवतं। अश्मः।
चक्रं। अंसत्रः। कोशं। सिंचत। नृः। पानं। वृजं। कृणुध्वं। सः। हि। वः। नृः। पानः। वमः।
सीव्यध्वं। वडुला। एथूनि। पुरः। कृणुध्वं। आयसीः। अधृष्टाः। मा। वः। सुस्रो
तः। वमसः। दृहत। तं। आ। वः। धिये। यज्ञियां। वर्ते। ऊतये। देवाः। देवी। यजतां।
यज्ञियां। इहा। आ। तु। सिंच। हरिं। ई। द्रोः। उपः। स्ते। वाशीभिः। तक्षत। अश्म
नृः। मयीभिः। परि। स्वजध्वं। दश। कक्ष्याभिः। उभेदति। धुरो। प्रति। वद्वि। युन
क्त। उभेदति। धुरो। वद्विः। आः। पिबमानः। अंतः। योनाः। इव। वरति। द्विः। जा
निः। वनस्पतिं। वने। आ। अस्थापयध्वं। नि। सु। दधिध्वं। अरवनंतः। उत्सं। क
ष्टं। नरः। कष्टं। उत्। दधातुन। बोदयत। खुदत। वाजः। सातये। निष्टिग्र्यः।
पुत्रं। आ। व्यवय। ऊतये। इंद्र। सः। बाधः। इहा। सोमः। पीतये॥१२॥ ॥ प्राते। र

राम

॥५७॥

थं। मिथुः कृतं। इंद्रः। अवतु। धृष्टुः या। आस्मिन्। आजौ। पुरुः कृत। श्रवाये। ध
 नः भक्षेबु। नः। अव। उत। स्म। वातः। वहति। वासः। अस्याः। अधिः स्थं। यत्। अज
 यत्। सहस्रं। रथीः। अश्वत्। मुद्गलानी। गोः इष्टो। भरे। कृतं। वि। अचेत्। इंद्रः से
 ना। अंतः। यच्छ। जिघांसतः। वज्रं। इंद्र। अभिः दासतः। दासस्य। वा। मघः वन। आ
 र्यस्य। वा। सनुतः। यवय। वधं। उद्रः। क्रुदं। अपिबत्। जहृषाणः। कूटं। स्म। तं हत्
 । अभिः मातिं। एति। प्र। मुष्कः नारः। श्रवः। इच्छमानः। अजिरं। बाहू इति। अ
 भरत्। सिसासन्। नि। अक्रंदयन्। उपः यंतः। एनं। अमेहयन्। वृषभं। मध्ये। आ
 जेः। तेन। स्रभर्व। शतः वत्। सहस्रं। गवां। मुद्गलः। प्रः धने। जिगाय। ककर्द्वि। वृ
 षभः। युक्तः। आसीत्। अवावचीत्। सारथिः। अस्या। केशी। दुधेः। युक्तस्य। द्रवतः
 । सह। अनसा। क्रुच्छति। स्म। निः पदेः। मुद्गलानी॥ २०॥ ॥ उत। प्रः धिं। उत। अहन्।

प-अ-५
॥५८॥

अस्य। विद्वान्। उप। अयुनक्। वंसगं। अत्र। शिक्षन्। इंद्रः। उत्र। आवत्। पतिं। अ
घ्यानि। अरंहत। पद्याभिः। ककुत्। मान्। शुनं। अष्टा। वी। अचरत्। कपर्श
वरत्रायं। दारु। आ। नद्यमानः। नृम्णानि। कृण्वन्। बहवे। जनाय। गाः। पस्पशा
नः। तविषीः। अधत्। इमं। तं। पश्य। वृषभस्य। युंजं। काष्ठायाः। मध्ये। दुःघ्नं।
शयानं। येन। जिगाय। शतः। वत्। सहस्रं। गवां। मुकुलः। एतनाज्येषु। आरे। अ
घा। कः। नु। इत्या। दृदर्श। यं। युंजंति। तं। ऊंइति। आ। स्थापयंति। न। अस्मै। तणं
। न। उदकं। आ। भरति। उत्तरः। धुरः। वहति। प्रदेदिशत्। परिवृक्ताः। इव। प
तिः। विद्यं। आनदं। पीप्यानि। कूचक्रेणः। इव। सिंचन्। एषः। एष्या। चित्। रथ्या।
जयेम। सुः। मंगलं। सिनः। वत्। अस्तु। सातं। त्वं। विश्वस्य। जगतः। चक्षुः। इंद्र।
असि। वक्षुषः। वृषा। यत्। आजि। वृषणा। सिसाससि। चोदयन्। वध्रिणा। युजा।

राम
॥५८॥

॥२१॥ ॥आशुः। शिशानः। वृषभः। न। भीमः। घनाघनः। क्षोभणः। चर्वणीनां
 । संऽक्रंदनः। अनिऽमिषः। एकऽवीरः। शतं। सेनाः। अजयत्। साकं। इंद्रः। संऽक्रं
 दनेन। अनिऽमिषेण। जिह्नुना। युत्। कारेण। दुः। चवनेन। धृष्टुना। तत्। इंद्रेण
 । जयत्। तत्। सहध्वं। युधः। नरः। इषुऽहस्तेन। वृष्णा। सः। इषुऽहस्तेः। सः। निषं
 जिऽभिः। वशी। संऽस्त्रया। सः। युधः। इंद्रः। गुणेन। संसृष्टऽजित्। सोमऽपाः। बाहुऽ
 शर्हू। उग्रऽधन्वा। प्रतिऽहितानिः। अस्ता। बृहस्पते। परि। दीय। रथेन। रक्षः। ह्य
 । अमित्रान्। अपऽबाधमानः। प्रऽभंजन्। सेनाः। प्रऽमृणः। युधा। जयन्। अस्मा
 कं। एधि। अविता। रथानां। बलऽविज्ञायः। स्थविरः। प्रऽवीरः। सहस्वान्। वाजी
 । सहमानः। उग्रः। अभिऽवीरः। अभिऽसत्वा। सहः। जाः। जित्। इंद्रः। रथं। आ। ति
 षु। गोऽवित्। गोत्रऽभिदं। गोऽविदं। वज्रऽबाहुः। जयंतं। अज्म। प्रऽमृणतं। ओज

प. अ. ५
॥ ५८ ॥

सा। इमं। सु। ज्ञाताः। अनु। वीर्यध्वं। इंद्र। सरनायः। अनु। सं। रसध्वं॥ २२॥
॥ ॥ अभि। गोत्राणि। सहसा। गाहमानः। अदयः। वीरः। शतमन्युः। इंद्रः। उः।
व्यवनः। एतनाषाट्। अयुध्यः। अस्माकं। सेनाः। अवतु। प्र। युतः। सु। इंद्रः। आसां
। नेता। बृहस्पतिः। दक्षिणा। यज्ञः। पुरः। एतु। सोमः। देवः। सेनानां। अभि। भंज
तीनां। जयतीनां। मरुतः। यंतु। अग्रं। इंद्रस्य। वृहः। वरुणस्य। राज्ञः। आदित्यानां
। मरुतां। शर्धः। उग्रं। महाः। मनसां। भुवनः। व्यावानां। घोषः। देवानां। जयतां। उ
त्। अस्मात्। उत्। हर्षय। मघः। वनः। आयुधानि। उत्। सत्त्वनां। मामकानां। मनां
सि। उत्। वृत्रः। हनः। वाजिनां। वाजिनानि। उत्। रथानां। जयतां। यंतु। घोषाः। अ
स्माकं। इंद्रः। सं। क्रतेषु। ध्वजेषु। अस्माकं। याः। दूषवः। ताः। जयंतु। अस्माकं। वी
राः। उत्। तरे। भवंतु। अस्मान्। ऊइति। देवाः। अवत। ह्वेषु। अमीषां। चित्तं। प्रति।

राम
॥ ५८ ॥

लोभयती। गृहाणा। अंगानि। अघे। परा। इहि। अभि। प्रा। इहि। निः। इह। हृत्। सु।
 शोकेः। ॥०॥ प्रा। इत। जयत। नरः। इंद्रः। वः। शर्मा। यत्तु। उग्राः। वः। संतु। बाहवः। अ
 नाधृष्टाः। यथा। असथा॥ २३॥ ॥ असावि। सोमः। पुरुः। हृत। तुभ्यं। हरिः। भ्यां
 । यज्ञं। उप। याहि। त्वयं। तुभ्यं। गिरः। विप्रः। वीराः। इयानाः। दधानिरे। इंद्र। पिब।
 सुतस्य। अपः। सु। धृतस्य। हरिः। वः। पिब। इह। नृभिः। सुतस्य। जठरं। एणस्व।
 मिमिक्षुः। यं। अद्रयः। इंद्र। तुभ्यं। तेभिः। वर्धस्व। मर्दं। उक्थः। वाहः। प्रा। उग्रा। पी
 तिं। वृक्षे। इयमि। सत्यां। प्रः। ये। सुतस्य। हरिः। अश्व। तुभ्यं। इंद्र। धेनाभिः। इ
 ह। मादयस्व। धीभिः। विश्वाभिः। शन्या। गृणानः। ऊती। शन्वीः। वः। तव। वीर्ये
 ण। वयः। दधानाः। उशिजः। क्रतुः। ज्ञाः। प्रजाः। वत्। इंद्र। मनुषः। दुरोणे। तस्युः।
 गृणंतः। सधः। माद्यासः। प्रनीतिः। भिः। ते। हरिः। अश्व। सुः। स्तोः। सुः। सुमनस्य। पु

प. अ. ५
॥ ६० ॥

रुऽरुचः। जनासः। मंहिषां। कृतिं। विऽतिरे। दधानाः। स्तोतारः। इंद्र। तव। सूरता
भिः॥ २४ ॥ ॥ उप। ब्रह्माणि। हरिऽवः। हरिऽभ्यां। सोमस्य। याहि। पीतये। सुतस्य।
इंद्र। त्वा। यज्ञः। क्षेममाणं। आनट। राश्वान्। असि। अध्वरस्य। प्रऽकेतः। सहस्रऽ
वाजं। अभिमातिऽसहं। सुतेऽर्यां। मघऽवानं। सुऽवृत्ति। उप। भूषति। गिरः।
अप्रतिऽइतं। इंद्र। नमस्याः। जारितुः। पनंत। सप्त। आपः। देवीः। सुऽरणाः। अमृक्ताः
। याभिः। सिंधुं। अतरः। इंद्र। पूऽभित। नवतिं। स्त्रोत्याः। नव। च। स्त्रवतीः। देवेभ्यः।
गातुं। मनुषे। च। विंदः। अपः। महीः। अभिऽशस्तेः। अमुं च। अजागः। आसु। अधि
। देवः। एकः। इंद्र। याः। त्वं। वृत्रऽतूर्ये। चकर्थ। ताभिः। विश्वऽआयुः। तन्व। पुषु
ष्याः। वीरेण्यः। क्रतुः। इंद्रः। सुऽशस्तिः। उत। अपि। धेना। पुरुऽहूतं। इंद्र। आर्द
यत्। वृत्रं। अकृणोत्। ऊर्इति। लोकं। ससहं। शक्रः। एतनाः। अभिष्टिः॥ १० ॥ २५ ॥

राम
॥ ६० ॥

कदा। वसोइति। स्तोत्रं। हर्यते। आ। अव। श्मश। रुधत्। वारितिवाः। दीर्घ। सुतं। वा
 ताप्याय। हरीइति। यस्य। सुऽयुजा। विऽव्रता। वेः। अर्वता। अनु। शेषा। उभा। र
 जीइति। न। केशिना। पतिः। दन्। अप। योः। इंद्रः। पापजे। आ। मर्त्तः। न। शश्रिमाणाः
 । विभीवान्। शुभे। यत्। युयुजे। तविषीऽवान्। सचा। आयोः। इंद्रः। चर्द्धषे। आ। उ
 पानसः। सपर्यन्। नद्योः। विऽव्रतयोः। शरः। इंद्रः। अधि। यः। तस्थे। केशऽवन्ता।
 व्यचस्वन्ता। न। पुष्ट्ये। वनोति। शिप्राभ्यां। शिपिणीऽवान्॥ २६ ॥ ॥ प्र। अस्तौत्। क्रु
 षऽओजाः। क्रुधेभिः। ततक्ष। शरः। शवसा। क्रुधुः। न। क्रतुऽभिः। मातरिश्वा। वज्रं।
 यः। चक्रे। सुऽहनाय। दस्यवे। हिरीमशः। हिरीमान्। अरुतऽहनुः। अद्रुतं। न। रजः।
 अव। नः। वृजिना। शिशिहि। क्रुचा। वनेम। अनृचः। न। अब्रह्मा। यज्ञः। क्रुधक्। जो
 षति। त्वेइति। ऊर्ध्वा। यत्। ते। त्रेतिनी। भूत्। यज्ञस्या। धूः। सु। समन्। सऽजः। नावं। स्वऽ

प. अ. ५
॥ ६९ ॥

यशसं। सचा। आयोः। श्रिये। ते। एश्रिः। उपऽसेवनी। भूत्। श्रिये। दर्विः। अरेपाः। य
या। स्वि। पात्रे। सिंवसे। उत्। शतं। वा। यत्। असुर्य। प्रति। त्वा। सुऽमित्रः। इत्था। अस्तो
त्। दुः। मित्रः। इत्था। अस्तोत्। आवः। यत्। दस्युऽहत्ये। कुत्सऽपुत्रं। प्र। ०। कुत्सऽवत्सं
॥ २७ ॥ ॥ इत्यष्टमाष्टके पंचमोऽध्यायः ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ उ

भो। ऊंइति। नूनं। तत्। इत्। अर्थयेथेइति। वि। तन्वाथेइति। धियः। वस्त्रा। अपसाऽइ
व। सध्रीचीना। यातवे। प्राई। अजीगरिति। मुदिनाऽइव। एक्षः। आ। तंसयेथेइति। उ
ष्टाराऽइव। कर्वरेषु। श्रयेथेइति। प्रायोगाऽइव। श्वात्र्या। शासुः। आ। इथः। हताऽइव।
हि। स्ठः। यशसा। जनेषु। मा। अप। स्थातं। महिषाऽइव। अवऽपानात्। साकं। युजा।
शकुनस्यऽइव। पक्षा। पश्वाऽइव। चित्रा। यजुः। आ। गमिष्ट। अग्निऽइव। देवऽयोः।
दीदिऽवांसा। पश्ज्मानाऽइव। यजथः। पुरुऽत्रा। आपीइति। वः। अस्मेइति। पितराऽ

राम
६९

इव। पुत्रा। उग्राऽइव। रुचा। नृपती इवेति नृपतीऽइव। तुर्ये। इर्याऽइव। पुष्ट्ये। किर
 णाऽइव। भुज्ये। श्रुष्टीवानाऽइव। हव। आ। गमिष्टं। वंसगाऽइव। पूष्या। शिंवाता।
 मित्राऽइव। क्रता। शतरा। शातपंतो। वाजाऽइव। उच्चा। वयसा। घर्म्येऽस्था। मेषाऽइ
 व। इषा। सपर्या। पुरीषा॥ १ ॥ ॥ सृण्याऽइव। जर्भरी इति। तुर्फरी इति। नेतोशाऽइ
 व। तुर्फरी इति। पर्फरीका। उदन्यजाऽइव। जेमना। मदेरु इति। ता। मे। जरायु। अज
 रं। मरायु। पुत्राऽइव। चर्वरं। जारं। मरायु। क्षयऽइव। अर्थेषु। तर्तरीथः। उग्रा। क्र
 भू इति। न। आपत्। खरमज्जा। खरऽज्जुः। वायुः। न। पर्फरत्। क्षयत्। रयीणां। घर्माऽ
 इव। मधु। जठरे। सनेरु इति। भगेऽअविता। तुर्फरी इति। फारिवा। अरं। पतराऽइव।
 चचरा। चंद्रऽनिर्निक्। मनःऽक्रं गा। मनन्या। न। जग्मी इति। बृहताऽइव। गंधरेषु।
 प्रतिऽस्था। पादाऽइव। गाधं। तरते। विदाथः। कर्णाऽइव। शासुः। अनु। हि। स्मरथः।

प.अ.६
॥६२॥

अंशाऽइव। नः। भजतं। चित्रं। अप्रः। आरंगराऽइव। मधु। आ। ईरयेथेइति। सार
घाऽइव। गवि। नीचीनऽबारे। कीनाराऽइव। स्वेदं। आऽसिस्विदाना। क्षामऽइव। ऊ
र्जा। सुयवसऽअत्र। सचेथेइति। क्रुध्याम। स्तोमं। सनुयाम। वाजं। आ। नः। मंत्रं। सु
रथा। इह। उप। यातं। यशः। न। पक्वं। मधु। गोषु। अंतः। आ। भूतऽअंशः। अश्विनोः।
कामं। अप्राः॥ २ ॥ ॥ आविः। अश्रुतं। महि। माघोनं। एषां। विश्वं। जीवं। तमसः। निः
। अमोचि। महि। ज्योतिः। पितृभिः। दत्तं। आ। अगात्। उरुः। पंथाः। दक्षिणायाः।
अदर्शि। उच्चा। दिवि। दक्षिणाऽवंतः। अस्तुः। ये। अश्वऽदाः। सहते। सूर्येण। हि
रण्याऽदाः। अमृतऽत्वं। भजंते। वासः। सोम। प्रातिरंते। आयुः। देवी। पूर्तिः। द
क्षिणा। देवऽयज्या। न। कवऽअरिश्यः। नहि। ते। एणांति। अथ। नरः। प्रयतऽदक्षि
णासः। अवद्यऽभिया। बहवः। एणांति। शतऽधारं। वायुं। अर्कं। स्वः। विदं। नृऽवक्ष

राम
॥६३॥

सः।ते।अभि।चक्षते।हविः।ये।एणंति।प्र।च।यर्षति।संऽगमे।ते।दक्षिणां।दुह
ते।सप्तऽमातरं।दक्षिणाऽवान्।प्रथमः।दूतः।एति।दक्षिणाऽवान्।ग्रामऽनीः।अ
ग्रे।एति।तं।एव।मन्ये।नृऽपतिं।जनानां।यः।प्रथमः।दक्षिणां।आऽविवाय॥ ३ ॥
॥ तं।एव।ऋषिं।तं।कुंइति।ब्रह्माणां।आहुः।यज्ञऽन्यं।सामऽगां।उक्थऽश
सं।सः।शुक्रस्य।तन्वः।वेद।तिस्रः।यः।प्रथमः।दक्षिणाया।स्राध।दक्षिणा।अ
श्वं।दक्षिणा।गां।ददाति।दक्षिणा।चंद्रं।उत।यत्।हिरण्यं।दक्षिणा।अन्नं।व
नुते।यः।नः।आत्मा।दक्षिणां।वर्म।कृणुते।विऽजानन्।न।भोजाः।मम्रुः।न।निऽ
अर्थं।ईयुः।न।रिष्यंति।न।व्यथंते।ह।भोजाः।इदं।यत्।विश्वं।भुवनं।स्व।रिति
स्वः।च।एतत्।सर्वं।दक्षिणा।एभ्यः।ददाति।भोजाः।जिग्युः।सुरभिं।योनिं।
अग्रे।भोजाः।जिग्युः।वध्वं।या।सुऽवासाः।भोजाः।जिग्युः।अंतः।पेयं।सुरायाः।

प. अ. ६

॥ ६३ ॥

भोजः। जिग्युः। ये। अद्भुताः। प्रऽयंति। भोजाय। अश्वं। सं। मृजंति। आशुं। भो
जाय। आस्तो। कन्या। शुभमाना। भोजस्य। इदं। पुष्करिणीऽइव। वेश्मं। परिऽकृ
तं। देवमानाऽइव। चित्रं। भोजं। अश्वः। सुष्ठुऽवाहः। वहंति। सुऽवतर। रथः। वर्त
ते। दक्षिणायाः। भोजं। देवासः। अवत। भरेषु। भोजः। शत्रून्। सं। अनीकेषु। जे
ता॥ ४ ॥ ॥ किं। इच्छंती। सरमा। प्रा। इदं। आनट्। दूरे। हि। अध्वा। जगुरिः। पुरा
का। चैः। का। अस्मेऽहितिः। परिऽतकम्या। आसीत्। कथं। रसायाः। अतरः। पयांसि
। इन्द्रस्य। दूतीः। इषिता। वरामि। महः। इच्छंती। पणायः। निऽधीन्। वः। अतिऽस्क
दः। भियसा। तत्। नः। आवत्। तथा। रसायाः। अतरं। पयांसि। कीदृङ्। इन्द्रः। स
रमे। का। दृशीका। यस्य। इदं। दूतीः। असरः। परकात्। आ। च। गच्छेत्। मित्रं।
एन। दधाम। अथ। गवां। गोऽपतिः। नः। भ्वाति। ०। दश्यं। दक्षत्। सः। ०। असर।

राम

॥ ६३ ॥

पराकात्। न। तं। गृह्णति। स्ववतः। गभीराः। दृताः। इंद्रेण। पणयः। शयध्वे। इमाः।
गावः। सरमे। याः। ऐच्छः। परि। दिवः। अंतान्। सुऽभगे। पतंती। कः। ते। एनाः। अव।
सृजात्। अयुध्वी। उत। अस्माकं। आयुधा। संति। तिग्मा॥ ५॥ ॥ असेन्या। वः। पण
यः। वचांसि। अनिषव्याः। तन्वः। संतु। पापीः। अधृष्टः। वः। एतवे। अस्तु। पंथाः। वृ
हस्पतिः। वः। उषया। न। मृकात्। अयं। निऽधिः। सरमे। अद्रिऽबुध्नः। गोभिः। अ
श्वेभिः। वसुऽभिः। निऽऋष्टः। रक्षंति। तं। पणयः। ये। सुऽगोपाः। रेकु। पदं। अलक।
अलकं। आ। जगंथ। आ। दृह। गमन्। ऋषयः। सोमऽशिताः। अयास्यः। अंगिरसः
। नवऽग्वाः। ते। एतं। ऊर्व। वि। भजंत। गोनां। अथ। एतत्। वचः। पणयः। वमन्। इ
त्। एव। वा। त्वं। सरमे। आऽजगंथ। प्रऽवाधिता। सहसा। देव्येन। स्वसारं। त्वा। वृ
षावे। मा। पुनः। गाः। अप। ते। गवां। सुऽभगे। भजाम। न। अहं। वेद। भ्रातुऽत्वं। नोइ

प. अ. ६
॥ ६४ ॥

ति। स्वसुः। इन्द्रः। विदुः। अंगिरसः। च। घोराः। गोः। कामाः। मे। अरुदयन्। यत्
। आयं। अप। अतः। इत। पणयः। वरीयः। दूरं। इत। पणयः। वरीयः। उत। गावः। यं
तु। मिनृतीः। कृतेन। बृहस्पतिः। याः। अविदेत। निः। गृह्णाः। सोमः। ग्रावाणः। ऋष
यः। च। विप्राः॥ ६॥ ॥ ते। अवदन्। प्रथमाः। ब्रह्मः। किल्बिषे। अकूपारः। सलिलः
। मातरिश्वा। वीकुः। हराः। तपः। उग्रः। मयः। भूः। आपः। देवीः। प्रथमः। जाः। कृतेन।
सोमः। राजा। प्रथमः। ब्रह्मः। जाया। पुनरिति। प्र। अयुक्त्व। अदृणीयमानः। अ
नुः। अर्चिता। वरुणाः। मित्रः। आसीत्। अग्निः। होता। हस्तः। गृह्य। आ। निनाय।
हस्तेन। एव। ग्रह्यः। आः। धिः। अस्याः। ब्रह्मः। जाया। इयं। इति। च। इत। अवोच
न्। न। दूताया। प्रः। ह्ये। तस्ये। एषा। तथा। राष्ट्र। गुपितं। क्षत्रियस्य। देवाः। एतस्या।
अवदन्त। पूर्वे। सप्तः। ऋषयः। तपसे। ये। निः। सेदुः। भीमा। जाया। ब्राह्मणस्य। उ

राम
॥ ६४ ॥

पऽनीता। दुऽधा। दधाति। पुरमे। विऽओमन्। ब्रह्मऽचारी। चरति। वेविषत्।
 विषः। सः। देवानां। भवति। एकं। अंगं। तेन। ज्ञायां। अनु। अविंदत्। बृहस्पतिः।
 सोमेन। नीता। जुक्। न। देवाः। पुनः। वै। देवाः। अद्दुः। पुनः। मनुष्याः। उत। राजा
 नः। सत्यं। कृण्वानः। ब्रह्मऽज्ञायां। पुनः। द्दुः। पुनः। दायं। ब्रह्मऽज्ञायां। कृत्वी
 देवैः। निऽकिल्बिषं। ऊर्जं। पृथिव्याः। भुक्ताय। उरुऽगायं। उप। आसते॥ ७॥
 ॥ संऽद्भुः। अद्या। मनुषः। दुरोणे। देवः। देवान्। यजसि। ज्ञातऽवेदः। आ।
 वा। वह्। मित्रऽमहः। चिकित्वान्। त्वं। दूतः। कविः। असि। प्रऽचेताः। तनूऽनपात्।
 पथः। ऋतस्य। यानान्। मध्वा। संऽअंजनं। स्वदया। सुऽजिह्व। मन्मानि। धीभिः। उ
 त। यज्ञं। रूधन्। देवऽत्रां। वा। कृणुहि। अध्वरान्। आऽजुक्कानः। र्द्व्यः। वंद्यः।
 वा। आ। याहि। अग्ने। वसुऽभिः। सऽजोषाः। त्वं। देवानां। असि। यक्क। होता। सः।

प. अ. ६
॥ ६५ ॥

एनान्। यक्षि। इषितः। यजीयान्। प्राचीनं। बर्हिः। प्रऽदिशा। एथिव्याः। वस्तोः।
अस्याः। वृज्यते। अग्रे। अङ्गा। ०। देवेश्यः। अदितये। स्योनं। व्यचस्वतीः। उर्विया।
वि। श्रयंतां। पतिऽभ्यः। न। जनयः। शुभमानाः। देवीः। द्वारः। बृहतीः। विश्वऽइन्वाः।
देवेभ्यः। भवत। सुप्रऽअयनाः॥ ८ ॥ ॥ आ। सुस्वयंतीइति। यजतेइति। उपा
केइति। ०। दिव्येइति। योषणेइति। बृहतीइति। सुरुक्मेइति। सुऽरुक्मे। अधि। श्रियं।
शुक्रऽपिर्शं। दधानेइति। ०। सुऽवाचा। मिमाना। यज्ञं। मनुषः। यजध्ये। प्रऽचोदय
ता। विदथेषु। कारुइति। प्राचीनं। ज्योतिः। प्रऽदिशा। दिशंता। आ। नः। यज्ञं। भार
ती। तूर्यं। एतु। इच्छा। मनुष्यतर। इह। चेतयंती। तिस्रः। देवीः। बर्हिः। आ। इदं। स्योनं
। सरस्वती। सुऽअपसः। सदंतु। यः। इमेइति। द्यावाएथिवीइति। जनित्रीइति। रु
पेः। अपिशात्र। भुवनानि। विश्वा। तं। अद्य। होतः। इषितः। यजीयान्। देवं। त्वष्टा

राम

॥ ६५ ॥

रं। इह। यक्षि। विद्वान्। उपऽअवसृज। मन्या॥ संऽअंजनं। देवानां। पार्थः। क्रतुऽ
था। हवींषि। वनस्पतिः। शमिता। देवः। अग्निः। स्वदंतु। हव्य। मधुना। घृतेन। सद्यः
। जातः। वि। अमिमीत। यज्ञं। अग्निः। देवानां। असवत। पुरः। गाः। अस्य। होतुः। प्रऽ
दिशि। क्रतस्य। वाचि। स्वाहाऽकृतं। हविः। अदंतु। देवाः॥ ८ ॥ ॥ मनीषिणः। प्र। भूर
ध्वं। मनीषां। यथाऽयथा। मतयः। संति। नृणां। इंद्र। सत्यैः। आ। ईरयाम। कृतेभिः।
सः। हि। वीरः। गिर्वणस्युः। विद्वानः। क्रतस्य। हि। सदसः। धीतिः। अद्योत। सं। गार्ष्ट
यः। वृषसः। गोभिः। आनद्र। उत्तर। अतिष्ठत। तविषेण। रवेण। महांति। चित्। सं। वि
व्याच। रजांसि। इंद्रः। किल। श्रुत्यै। अस्य। वेद। सः। हि। जिष्णुः। पथिऽकृत। सूर्या
या। आत। मेनो। कृण्वन्। अच्युतः। भुवत। गोः। पतिः। दिवः। सनऽजाः। अप्रतिऽइतः
। १०। व्रता। अमिनात्। अंगिरः। भिः। गृणानः। पुरुषि। चित्। नि। ततान। रजांसि। द्वा

प. अ. ६६ धार। यः। धरुणः। सत्यः तता। इंद्रः। दिवः। प्रतिमानं। एथिव्याः। विष्वा। वेद। सव
 ना। हंति। शुष्म। मही। चित्र। द्या। आ। अतनोत्। सूर्येण। चास्कंभ। चित्र। स्कंसनेन।
 ॥ ६६ ॥ स्कर्मयान् ॥ १० ॥ ॥ वज्रेण। हि। वृत्रः। हा। वृत्रं। अस्तः। अदेवस्य। शशुवानस्य।
 मायाः। वि। धृष्टो। इति। अत्र। धृषता। जघंथ। अथ। अश्ववेः। मघः। वृन्। बाहुः।
 ओजाः। सर्वता। यत्। उषसः। सूर्येण। चित्रां। अस्य। केतवः। रां। अविदन्। आ। य
 त्। नक्षत्रं। दृष्टो। दिवः। न। पुनः। यत्। नकिः। अद्वा। नु। वेद। दूर। किले। प्रथ
 माः। जग्मुः। आसां। इंद्रस्य। याः। प्रः। सवे। सस्रुः। आपः। क्व। खित। अग्ने। क्व। बु
 ध्ने। आसां। आपः। मध्यं। क्व। वः। नूने। अंतः। सृजः। सिंधून्। अहिना। जयसाना
 न्। आत्। इत्। एताः। प्र। विविज्जे। जवेन। मुमुक्षमाणाः। उत। याः। मुमुज्जे। अथ
 इत्। एताः। न। रमंते। निः। तिक्ताः। सध्रीचीः। सिंधुं। उशतीः। इव। आयन्। सनात्।

राम
 ॥ ६६ ॥

जारः। आरितः। पूः। भित्। आसां। अस्तं। आ। ते। पार्थिवा। वसूनि। अस्मेइति। ज
 मुः। सूनृताः। इंद्र। पूवीः॥ ११ ॥ ॥ इंद्र। पितृ। प्रतिः। कामं। सुतस्य। प्रातः। सावः। त
 व। हि। पूर्वः। पीतिः। हर्षस्व। हंतवे। शूर। शत्रून्। उक्थेभिः। ते। वीर्या। प्र। ब्रवाम्।
 यः। ते। रथः। मनसः। जवीयान्। आ। इंद्र। तेन। सोमः। पेयाय। याहि। तूर्यं। आ। ते। हर
 यः। प्र। द्रवतु। येभिः। यासि। वृषः। भिः। मदमानः। हरित्वता। वर्चसा। सूर्यस्य। श्रेष्ठैः।
 स्तुपैः। तन्वं। स्पर्शयस्व। अस्माभिः। इंद्र। सरिविः। भिः। द्रवानः। सध्रीवीनः। मादय
 स्वा। निः। सद्य। यस्य। त्यत्। ते। महिमानं। मदेषु। इमेइति। मुहीइति। रोदसीइति।
 न। अविविक्तां। तत्। ओकः। आ। हरिः। भिः। इंद्र। युक्तेः। प्रियेभिः। याहि। प्रियां। अ
 न्नं। अन्न। यस्य। शश्वत्। पपिः। वानं। इंद्र। शत्रून्। अननुः। कृत्या। रण्या। चकर्थ। सः।
 ते। पुरं। धिं। तविषी। इयर्भिः। सः। ते। मदाय। सुतः। इंद्र। सोमः॥ १२ ॥ ॥ इंद्र। ते। पात्रं।

प. अ. ६ सनऽवित्तं। इंद्र। पितृ। सोमं। एना। शतक्रतो इति शतऽक्रतो। पूर्णः। आऽहावः
 ॥ ६७ ॥ मरिऽरस्या। मध्वः। यं। विश्वे। इतर। अभिऽहंर्यति। देवाः। वि। हि। त्वां। इंद्र। पुरुधा
 । जनासः। हितऽप्रयसः। वृषभ। द्रुयते। अस्माकं। ते। मधुमतरऽतमानि। इमा।
 भुवन्। सवनो। तेषु। ह्यं। प्राते। इंद्र। पूर्याणि। प्रा। नूनं। वीर्यं। वोचं। प्रथमा। कृ
 तानि। सतीनऽमन्युः। अश्रथयः। अद्रि। सुऽवेदना। अकृणोः। ब्रह्मणे। गा।
 नि। सु। सीद। गुणऽपते। गणेषु। त्वां। आहुः। विप्रऽतमं। कवीनां। नो। क्रते। त्व
 त्। क्रियते। किं। वन। आरे। महं। अर्कं। मघऽवन्। चित्रं। अर्चं। अभिऽरव्या।
 नः। मघऽवन्। नाधमानान्। सरवे। बोधि। वसुऽपते। सरवीनां। रणो। कृधिर
 णऽकृतर। सत्यऽशुष्म। अभक्ते। चित्। आ। भज। राये। अस्मान् ॥ १३ ॥ ॥ तं। अ
 स्याद्यावापृथिवी इति। सऽचेतसा। विश्वेभिः। देवैः। अनु। शुभं। आवतां। यतर। ऐत

राम
 ॥ ६७ ॥

रूपवानः। महिमानं। इन्द्रियं। पीत्वी। सोमस्य। क्रतुः। मान्। अवर्धत। तं। अस्य।
विष्णुः। महिमानं। ओजसा। अंशुं। रधन्वान्। मधुनः। वि। रघ्नाते। देवेभिः। इन्द्रः
। मघः। वा। सयावः। भिः। वृत्रं। जघन्वान्। अभवत्। वरेण्यः। वृत्रेण। यत्। अ
हिना। विभ्रत। आयुधा। सं। अस्थिथाः। युधये। शंसं। आः। विदे। विश्वे। ते। अ
त्र। मरुतः। सह। त्मना। अवर्धन्। उग्र। महिमानं। इन्द्रियं। जज्ञानः। एव। वि।
अबाधत्। स्पृधः। प्र। अपश्यत्। वीरः। अभि। पौंस्य। रणे। अवश्चत्। अद्रिं। अ
व। सः। स्यदः। सृजत्। अस्तभ्रात्। नार्कं। सुः। अपस्यया। पृथुं। आत्। इन्द्रः। सुत्रा
। तविषीः। अपत्यत्। वरीयः। द्यावा। पृथिवीदिति। अबाधत्। अव। अभरत्। धृ
षितः। वज्रं। आयसं। शैवं। मित्राय। वरुणाय। दाशुषे॥ १४ ॥ ॥ इन्द्रस्य। अत्र
। तविषीभ्यः। विः। रुद्रिनः। क्रुधायतः। अरुह्यत्। मन्यवे। वृत्रं। यत्। उग्रः।

प.अ.६
॥६८॥

वि।अवृश्चत्।ओजसा।अपः।बिभ्रतं।तमसा।परिऽवृतं।या।वीर्याणि।प्रथ
मानि।कर्त्ता।महिऽत्वेभिः।यतमानो।संऽईयतुः।ध्वातं।तमः।अव।दध्वसे।ह
ते।इंद्रः।मद्गा।पूर्वऽदूतो।अपत्यत।विश्वे।देवासः।अध।वृष्ट्यानि।ते।अ
वर्धयन्।सोमऽवत्या।वचस्यया।सुद्वं।वृत्रं।अहिं।इंद्रस्य।हन्मना।अग्निः।
न।जंसेः।तृषु।अन्नं।आवयत्।भूरि।दक्षेभिः।वचनेभिः।ऋक्भिः।सख्ये
भिः।सख्यानि।प्र।वोचत्।इंद्रः।धुनिं।च।चुमुरिं।च।दंशयन्।श्रद्धाऽमन
स्या।शृणुते।दक्षीतये।त्वं।पुरुषि।आ।भर।सुऽअश्व्या।येभिः।मंसै।निऽव
चनानि।शंसन्।सुऽगेभिः।विश्वा।दुः।इता।तरेम।विदोइति।सु।नः।उर्विया।
गाधं।अद्य॥१५॥ ॥घर्मा।संऽअंता।त्रिऽवृतं।वि।आपतुः।तयोः।जुष्टिं।मात
रिश्वा।जगाम।दिवः।पयः।शिचिषाणाः।अवेषन्।विदुः।देवाः।सहऽसामानं।अ

राम
॥६८॥

कं।तिस्त्रः।देष्ट्राय।निःऽऋतीः।उप।आसते।दीर्घऽश्रुतः।वि।हि।जानंति।वङ्गयः
 ।तासां।नि।चिक्युः।कवयः।तिऽदानं।परेषु।याः।गुह्येषु।व्रतेषु।चतुःऽकपदी।यु
 वतिः।सुऽपेशाः।घृतऽप्रतीक।वयुनानि।वस्ते।तस्यां।सुऽपूर्ण।वृषणा।नि।
 सेदतुः।यत्र।देवाः।दधिरे।भागऽधेयं।एकः।सुऽपूर्णः।सः।समुद्रं।आ।विवेश।
 सः।इदं।विश्वं।भुवनं।वि।चष्टे।तं।पाकेन।मनसा।अपश्यं।अंतितः।तं।माता।
 रेकिं।सः।ऊंइति।रेकिं।मातरं।सुऽपूर्ण।विप्राः।कवयः।वचःऽभिः।एकं।संतं
 ।वर्द्धया।कल्पयंति।छंदसि।च।दधतः।अध्वरेषु।ग्रहान्।सोमस्य।मिमते।
 द्वादश॥१६॥॥षट्ऽत्रिंशान्।च।चतुरः।कल्पयंतः।छंदसि।च।दधतः।आऽ
 द्वादशं।यज्ञं।विऽमायं।कवयः।मनीषा।ऋक्ऽसामाभ्यां।प्र।रथं।वर्तयंति।च
 तुःऽदश।अन्ये।महिमानः।अस्यातं।धीराः।वाचा।प्र।नयंति।सप्त।आप्राणं।तीर्थं।

प. अ. ६

॥ ६८ ॥

कः। इह। प्र। वोचत्। येन। पथा। प्रऽपिर्वन्ते। सुतस्य। सहस्रधा। पंचऽदशानि। उ
क्था। यावत्। द्यावापृथिवी इति। तावत्। इत्। तत्। सहस्रधा। महिमानः। सहस्रं।
यावत्। ब्रह्म। विऽस्थितं। तावती। वाक्। कः। छंदसा। योगं। आ। वेद। धीरः। कः।
धिष्ण्या। प्रति। वार्चं। पपाद्। कं। ऋत्विजां। अष्टमं। शरं। आद्रुः। हरी इति। इंद्रस्य।
नि। चिकाया। कः। स्विर्। भूम्याः। अंतं। परि। एके। चरंति। रथस्य। धूः। सु। युक्तासः।
। अस्तुः। श्रमस्य। दायं। वि। भजंति। एष्यः। यदा। यमः। भवति। हर्षे। हितः॥ १७ ॥
॥ चित्रः। इत्। शिशोः। तरुणस्य। वृक्षथः। नायः। मातरो। अपिऽ एति। धातवे।
अनूधाः। यदि। जीजनत्। अध। च। नु। ववक्ष। सद्यः। महि। इत्ये। चरन्। अग्निः। ह।
नाम। धायि। दन्। अपः। तमः। सं। यः। वना। युवते। भस्मना। दत्ता। अभिऽ प्रमुरा। जु
क्ता। सुऽ अध्वरः। दूनः। न। प्रीथमानः। यवसे। वृषा। तं। वः। वि। न। द्रुऽ सदा। देवं। अं

राम

॥ ६८ ॥

धसः। इंदुः। प्रोथंतं। प्रऽवर्षंतं। अर्णवं। आसा। वङ्गि। न। शोचिषा। विऽरुपिर्न।
महिऽव्रतं। न। सरजंतं। अध्वनः। वि। यस्य। ते। ज्ञयसानस्य। अजर। धक्षोः। न।
वाताः। परि। संति। अच्युताः। आ। रणवासः। युयुधयः। न। सत्वनं। त्रितं। नशंतं।
प्र। शिषंतः। इष्टये। सः। इत्। अग्निः। कण्वऽतमः। कण्वऽसखा। ०। अग्निः। पा
तु। गृणातः। अग्निः। सूरीन्। अग्निः। ददातु। तेषां। अवः। नः॥ १८ ॥ वाजि
नऽतमाय। सखसे। सुऽपित्र्य। तृषु। च्यवनिः। अनु। ज्ञातऽवेदसे। अनुद्रे। चित्।
यः। धृषता। वरं। सते। महिन्ऽतमाय। धन्वना। इत्। अविष्यते। एव। अग्निः।
मत्तैः। सह। सूरिऽभिः। वसुः। सत्वे। सहसः। सूनरः। नृऽभिः। मित्रासः। न। ये। सुऽ
धिताः। क्रुतऽयवः। द्यावः। न। द्युम्नेः। अभि। संति। मानुषान्। ऊर्जः। नपात्।
सहसाऽवन्। इति। त्वा। उपऽस्तुतस्य। वंदते। वृषा। वाक्। ०। इति। त्वा। अग्ने। वृष्टिऽ

प.अ.६

॥७०॥

हव्यस्य। पुत्राः। उपसुतासः। ऋषयः। अवोचन्। तान्। च। पाहि। गृणातः। च।
सूरीन्। वषट्। वषट्। इति। ऊर्ध्वासः। अनक्षन्। नमः। नमः। ॥ १२ ॥ ॥ पिव।
सोमं। मुहते। इंद्रियाय। पिव। वृत्राय। हंतवे। शविष्ठ। पिव। राये। शवसे। हूय
मानः। पिव। मध्वः। तपत्र। इंद्र। आ। वृषस्व। अस्य। पिव। क्षुः मतः। प्रस्रित
स्य। इंद्र। सोमस्य। वरं। आ। सुतस्य। स्वस्तिः। दाः। मनसा। मादयस्व। अवचि
नः। रेवते। सो भगाय। ममत्तु। त्वा। दिव्यः। सोमः। इंद्र। ममत्तु। यः। सूर्यते। पार्थि
वेषु। ममत्तु। येन। वरिवः। चकथ। ममत्तु। येन। निः। रिणासि। शत्रून्। आ।
द्विः। बर्हीः। अमिनः। यातु। इंद्रः। वृषा। हरिः। भ्या। परिः। सिक्तं। अंधः। गवि। आ राम
। सुतस्य। प्रभृतस्य। मध्वः। सुत्रा। खेदां। अरुशः। दा। आ। वृषस्व। नि। तिग्मा ७०
नि। भ्राशयन्। भ्राश्यानि। ०। उग्रायते। सहः। बलं। ददामि। प्रतिः। इत्य। शत्रून्।

विऽगृदेषु। वृश्वा॥ २० ॥ ॥ वि। अर्यः। इंद्र। तनुहि। श्रवांसि। ओजः। स्थिराऽइ
 वा। धन्वने। अभिऽमातीः। अस्मद्भक्। वृधानः। सहऽभिः। अनिऽभृष्टः। तन्वं
 । वृधस्व। इदं। हविः। मघऽवन्। तुभ्यं। रातं। प्रति। संऽराट्। अहृणानः। गृभाय
 । तुभ्यं। सुतः। मघऽवन्। तुभ्यं। पक्वः। अद्भि। इंद्र। पिब। चो। प्रऽस्थितस्य। अद्भि
 । इत्। इंद्र। प्रऽस्थिता। इमा। हवीं। वि। चनः। दधिष्वा। पचता। उत। सोमं। प्रयस्वतः।
 प्रति। हयामि। सि। त्वा। सत्याः। संतु। यजमानस्य। कामाः। प्र। इंद्राग्निऽभ्यां। सुऽव
 चस्यां। इयमि। सिंधोऽइव। प्र। ईर्यं। नाव। अर्केः। अयाः। इव। परि। चरति। दे
 वाः। ये। अस्मभ्यं। धनऽदाः। उतऽभिदः। च॥ २१ ॥ ॥ नावे। ऊं इति। देवाः। शुधं।
 इत्। वधं। ददुः। उत। आशितं। उप। गच्छति। मृत्यवः। उतो इति। रयिः। एणतः। न।
 उप। दस्यति। उत। अएणन्। मर्दितारं। न। विदते। यः। आ। ध्राय। चकमानाय। पि

प. अ. ६
॥७१॥

त्वः। अन्नः। वान्। सन्। रफिताय। उपः। जग्मुषे। स्मिन्। मनः। कृणुते। सेवते। पु
रा। उतो। इति। चित्। सः। मर्दितारं। न। विंदते। सः। इत्। भोजः। यः। गृह्वे। ददा
ति। अन्नः। कामाय। चरते। कृशाय। अरं। अस्मै। भवति। यामः। हूतौ। उत। अप
रीषु। कृणुते। सरवाय। न। सः। सरवा। यः। न। ददाति। सरव्ये। सचाः। भुवे। सचमा
नाय। पितृः। अप। अस्मात्। प्र। द्यात्। न। तत्। ओक्। अस्ति। एणां। अन्य। अ
रणं। चित्। इच्छेत्। एणीयात्। इत्। नाधमानाय। तव्यान्। द्राघीयांसं। अनु। पश्ये
त्। पंथां। ओइति। हि। वर्तते। रथ्योः। इव। चक्रा। अन्यः। अन्य। उप। तिष्ठन्त। रायः॥
॥२२॥ ॥ मोघं। अन्नं। विंदते। अप्रः। चेताः। सत्यं। ब्रवीमि। वधः। इत्। सः। त
स्य। न। अर्यमणं। पुष्यति। नोइति। सरवायं। केवलः। अघः। भवति। केवलः।
आदी। कृषन्। इत्। फालः। आशितं। कृणोति। यन्। अध्वानं। अप। वृत्ते। चरि

राम

॥७१॥

त्रैः। वदन्। ब्रह्मा। अवदतः। वनीयान्। एणान्। आपिः। अएणंतं। अभि। स्यात्
 । एकः। पात्। भूयः। द्विः। पदः। वि। चक्रमे। द्विः। पात्। त्रिः। पादं। अभि। एति। पश्चा
 त्। चतुः। पात्। एति। द्विः। पदं। अभिः। स्वरे। सं। पश्यन्। पंक्तीः। उप। तिष्ठमानः।
 समो। चित्। हस्तो। न। समं। विविष्टः। सं। मातरा। चित्। न। समं। दुहातेइति। यम
 समा। योः। चित्। न। वीर्याणि। ज्ञातीइति। चित्। संतो। न। समं। एणीतः॥ २३ ॥ ॥ अग्ने
 । हंसि। नि। अत्रिणं। दीद्यत्। मर्त्येषु। आ। स्वे। क्षये। शुचिः। ब्रत। उत। तिष्ठसि।
 सुः। आः। द्रुतः। घृतनि। प्रति। मोदसे। यत्। त्वा। स्मृचः। सं। अस्मिरन्। सः। आः। ऊ
 तः। वि। रोचते। अग्निः। ईळेन्यः। गिरा। स्मृचा। प्रतीकं। अज्यते। घृतेन। अग्निः
 । सं। अज्यते। मधुः। प्रतीकः। आः। द्रुतः। रोचमानः। विभाः। वसुः। जरमाणः। सं। इ
 ध्यसे। देवेश्यः। हव्यः। वाहन। तं। त्वा। हवंत। मर्त्याः॥ २४ ॥ ॥ तं। मर्त्ताः। अमर्त्या। घृ

प. अ. ६
॥ ७२ ॥

तेन। अग्नि। सपर्यत। अदाभ्यं। गृहऽपतिं। अदाभ्येन। शोचिषा। अग्ने। रक्षः। त्वं।
इह। गोपाः। क्रतुस्य। दीदृदि। सः। त्वं। अग्ने। प्रतीकेन। प्रति। ओष। यातुऽधान्यः।
उरुऽक्षयेषु। दीद्यत्। तं। त्वा। गीः। भिः। उरुऽक्षयाः। हव्यऽवाहं। सं। र्द्धिरे। यज्ञि
षे। मानुषे। जने॥ २५ ॥ ॥ इति। वै। इति। मे। मनः। गां। अश्वे। सनुयां। इति। कु
वित्। सोमस्य। अपां। इति। प्र। वाताः। इव। दोधतः। उत्। मा। पीताः। अयंसत। ०।
स्थं। अम्भाः। इव। आशवः। ०। उप। मा। मतिः। अस्थित। वाश्रा। पुत्रं। इव। प्रियं।
०। अहं। तष्टा। इव। वंधुरं। परि। अन्वामि। हृदा। मतिं। ०। नहि। मे। अक्षिऽपत्।
वन। अन्तुः। पंच। कृष्टयः। ०। ॥ २६ ॥ नहि। मे। रोदसी। इति। उप्तेदति। अन्यं। राम
पक्षं। वन। प्रति। ०। अभि। द्या। मदिना। भुवं। अभि। इमां। पृथिवी। मही। ०। हंत। ॥ ७२ ॥
अहं। पृथिवी। इमां। नि। दधानि। इह। वा। इह। वा। ०। ओष। इत्। पृथिवी। अहं। जं

घनानि।०। दिवि। मे। अन्यः। पक्षः। अधः। अन्यं। अचीकृषं। अहं। अस्मि।
महाः। महः। अभिः। नभ्यं। उत्तरः। ईषितः।०। गृहः। यामि। अरं। कृतः। देवेभ्यः। ह
व्यः। वाहनः।०॥२७॥

॥ इत्यष्टमाष्टके षष्ठोऽध्यायः ॥

॥ अं ॥ ॥ तत्। इत्। आस। भुवनेषु। ज्येष्ठं। यतः। जज्ञे। उग्रः। त्वेषः। नृम्याः। स
द्यः। जज्ञानः। नि। रिणाति। शत्रून्। अनु। यं। विश्वे। मदंति। ऊमाः। ववृधानः।
शवसा। भरिः। ओजाः। शत्रुः। रोसाय। भियसं। दधाति। अविः। अनत्। च।
विः। अनत्। च। सस्मि। सं। ते। नवन्त। प्रः। भृता। मदेषु। त्वेदति। क्रतुं। अपि। वृ
जंति। विश्वे। द्विः। यत्। एते। त्रिः। भवंति। ऊमाः। स्वादोः। स्वादीयः। स्वादुना।
सृज। सं। अरः। सु। मधु। मधुना। अभि। योधीः। इति। चित्। द्वि। त्वा। धना। जयंतं
मदेः। मदे। अनुः। मदंति। विप्राः। ओजीयः। धृष्टो इति। स्थिरं। आ। तनुषु। मा। त्वा।

५० अ० ७
७३

दभन्। यातुः धानाः। दुः। एवाः। त्वया। वयं। शाश्वद्दे। रणे। षु। प्र। पश्यंतः। युधे
न्यानि। भूरि। वोदयामि। ते। आयुधा। वचः। मिः। सं। ते। शिशामि। ब्रह्मणा। व
यांसि॥ १॥ ॥ स्तुषेयं। पुरुः। वर्षसं। ऋभ्वं। इतः। तमं। आह्वं। आह्वानां। आ।
दर्वते। शवसा। सप्त। दानून्। प्र। साक्षते। प्रति। मानानि। भूरि। नि। तत्। दधिवे। अ
वरं। परं। च। यस्मिन्। अविथ। अवसा। दुरोणे। आ। मातरा। स्थापयसे। जिगत्स्
इति। अतः। इनीषि। कर्करा। पुरुणि। इमा। ब्रह्म। बृहत्। दिवः। विवक्ति। इंद्राय।
शुषं। अग्रेयः। स्वः। सः। महः। गोत्रस्य। क्षयति। स्वः। राजः। १०। एव। महान्। बृहत्
५ दिः। अथर्वा। अवोचत्। स्वां। तन्वं। इंद्रं। एव। स्वसारः। मातरि। श्वरीः। अरिप्राः। हि
न्वंति। च। शवसा। वर्धयति। च॥ २॥ ॥ हिरण्यः। गर्भः। सं। अवर्तत। अग्रे। भूत
स्य। जातः। पतिः। एकः। आसीत्। सः। दाधार। पृथिवी। द्यां। उत। इमा। कस्मै। देवा

राम
७३

इति

यः। हविषा। विधेम। यः। आत्मऽदाः। बलऽदाः। यस्य। विश्वे। उपऽआसते। प्रऽशि
षं। यस्य। देवाः। यस्य। कृप्या। अमृतं। यस्य। मृत्युः। ०। यः। प्राणतः। निऽमिषतः। म
हिऽत्वा। एकः। इत्। राजा। जगतः। बभूव। यः। ईशे। अस्य। द्विऽपदः। चतुऽपदः।
०। यस्य। इमे। हिमऽवतः। महिऽत्वा। यस्य। समुद्रः। रसया। सह। आहुः। यस्य।
इमाः। प्रऽदिशः। यस्य। बाहू इति। ०। येन। द्यौः। उग्रा। पृथिवी। च। दृक्। येन।
स्वऽरिति स्वः। स्तभितं। येन। नाकः। यः। अंतरिक्षे। रजसः। विऽमानः। ०॥ ३ ॥ ॥
यं। कंदसी इति। अवसा। तस्तमाने। अभि। ऐक्षेता। मनसा। रजमाने इति। यत्र।
अधि। सूरः। उत्ऽइतः। विऽभाति। ०। आपः। ह। यत्र। बृहतीः। विश्वं। आयन्। ग
र्भे। दधानाः। जनयंतीः। अग्निं। ततः। देवानां। सं। अवत्तत। असुः। एकः। ०। यः।
वित्। आपः। महिना। परिऽअपश्यत्। दक्षं। दधानाः। जनयंतीः। यज्ञं। यः। देवेषु।

१-अ. ७

७४

अधि। देवः। एकः। आसीत्। ०। मानः। हिंसीत्। जनिता। यः। पृथिव्याः। यः। वा।
दिवे। सत्यः। धर्मा। जजान। यः। वा। अपः। वेद्रः। बृहतीः। जजान। ०। प्रजापतेन
त्वेदेतान्यन्यो विश्वा ज्ञातानि परितो बभूव। यत्कामास्ते जुहुमस्तन्नोऽस्म
वयं स्याम। पतयोरयीणां॥ ४॥ ॥ वसुं। न। विश्वः। महसं। गृणीषे। वामं। शेवं। अ
तिथिं। अद्विवेपयं। सः। रासते। शुरुधः। विश्वः। धायसः। अग्निः। होता। गृहः।
पतिः। सुः। वीर्यं। जुषाणाः। अग्ने। प्रति। हर्षं। मे। वचः। विश्वानि। विद्वान्। वयुना
नि। मुक्रतो इति सुः। क्रतो। घृतः। निनिर्कृ। ब्रह्मणे। गातुं। आ। ईरय। तव। देवाः
। अजनयन्। अनु। व्रतं। सप्त। धामानि। परिः। येन। अमर्त्यः। दाशत्। दाशुषे। सुः।
कृते। ममहस्व। सुः। वीरेण। रयिणा। अग्ने। सुः। आशुवा। यः। ते। आनदः। संः। इ
धा। तं। जुषस्व। ०। हविष्मन्तः। ईळते। सप्त। वाजिनं। शृण्वन्तं। अग्निं। घृतः। पृष्ठं।

राम
७४

उक्ष्णं। एषांतं। देवं। एषाते। सुऽवीर्यं। त्वं। दूतः। प्रथमः। वरेण्यः। सः। ह्यमानः। अ
 मृताय। मत्स्व। त्वां। मर्जयन्। मरुतः। दाशुषः। गृहे। त्वां। स्तोमेभिः। भृगवः। वि। रुरु
 बुः॥ ५ ॥ ॥ इष। दुहन्। सुऽदुघां। विश्वऽधायसं। यज्ञऽप्रिये। यजमानाय। सुक्रतो
 इति सुऽक्रतो। अग्ने। घृतऽसुः। त्रिः। ऋतानि। दीद्यत्। वर्तिः। यज्ञं। परिऽयन्। सुक्र
 तुऽयसे। त्वां। इत्। अस्याः। उषसः। विऽउष्टिषु। दूतं। दूणवानाः। अयजंत। मानु
 षाः। त्वां। देवाः। महयाय्याय। ववधुः। आज्यं। अग्ने। निऽमृजंतः। अध्वरे। वि। त्वा
 । वसिष्ठाः। अहंत। वाजिनं। गृणांतः। अग्ने। विदथेषु। वेधसः। ०। धारया। ०। ॥ ६ ॥
 ॥ ॥ अयं। वेनः। चोदयत्। एभिः। गर्भाः। ज्योतिः। जरायुः। रजसः। विऽमाने। इमं।
 अपां। संऽगमे। सूर्यस्य। शिशुं। न। विप्राः। मतिऽभिः। रिहंति। समुद्रात्। ऊर्मि। उ
 त्। इयर्ति। वेनः। नमः। ज्ञाः। एषं। हृतस्य। दर्शि। ऋतस्य। सानो। अधि। विष्टपि।

प. अ. ७

७५

भ्राट्। समानं। योनिं। अभि। अनुषत। त्राः। समानं। पूर्वः। अभि। वावशानाः। ति
ष्ठन्। वत्सस्य। मातरः। सः। नीळाः। ०। चक्रमाणाः। स्थिति। मध्वः। अमृतस्य। वाणीः।
जानतः। रूपं। अरूपं। विप्रः। मृगस्य। घोषं। महिषस्य। हि। गमन्। कृतेन। यंतः। अ
धि। सिंधुं। अस्तुः। विदत्। गंधर्वः। अमृतानि। नाम। अप्सराः। जारं। उप। सिषिया
णा। योषा। विभर्त्ति। परमे। वि। ओमन्। चरत्। प्रियस्य। योनिषु। प्रियः। सन्। सी
दत्। पक्षे। हिरण्यये। सः। वेनः॥ ७ ॥ ॥ नकि। सु। पर्वं। उप। यत्। पतंतं। हृदा। वे
नंतः। अभि। अवक्षत। त्वा। हिरण्यः। पक्षं। वरुणस्य। दूतं। यमस्य। योनौ। शकुनं
। भुरण्युं। ०। प्रत्यङ्। चित्रा। विभ्रत्। अस्य। आयुधानि। ०। नाम। जनत। प्रियाणि
। द्रुमः। समुद्रं। अभि। यत्। जिगाति। पश्यन्। गृध्रस्य। वक्षसा। वि। धर्मन्। ०। च
कानः। तृतीयै। चक्रे। रजसि। प्रियाणि॥ ८ ॥ इमं। नः। अग्ने। उप। यज्ञं। आ। इहि।

राम

७५

पंचऽयामं । त्रिऽवृत्तं । सप्तऽतंतुं । असः । हव्यऽवाट् । उत्तानः । पुरऽगाः । ज्योक् । एव
 । दीर्घ । तमः । आ । अशयिष्ठाः । अदेवात् । देवः । प्रऽवता । गुह्य । यन् । प्रऽपश्यमानः ।
 अमृतऽत्वं । एमि । शिवं । यत् । संतं । अशिवः । जहामि । स्वात् । सरव्यात् । अरणी । ना
 भि । एमि । पश्यन् । अन्यस्याः । अतिथिं । व्यायाः । क्रतस्य । धाम । वि । मिमे । पु
 रूषि । शंसामि । पित्रे । असुराय । शेवं । अयज्ञियात् । यज्ञिर्य । भागं । एमि । बुद्धीः
 । समाः । अकुरं । अंतः । अस्मिन् । इंद्रं । वृणानः । पितरं । जहामि । अग्निः । सोमः ।
 वरुणाः । ते । च्युवंते । परिऽआवर्त्त । राष्ट्रं । तत् । अवामि । आऽयन् । तिऽमायाः
 । ऊं इति । त्ये । असुराः । अश्रुवन् । त्वं । च । मा । वरुणा । कामयासे । क्रतेन । राजन् ।
 अनृतं । विऽविंचन् । मम । राष्ट्रस्य । अधिऽपत्यं । आ । इहि ॥ २ ॥ ॥ इदं । स्वः । इ
 दं । इत् । आसु । वामं । अयं । प्रऽकाशः । उरु । अंतरिक्षं । हनाव । वृत्रं । निऽएहि ।

प. अ०

७६

सोम। हविः। त्वा। संतं। हविषा। यजाम। कविः। कविऽत्वा। दिवि। रूपं। आ। असज
त्। अप्रऽभूती। वरुणाः। निः। अपः। सृजत्। क्षेमं। कृण्वानाः। जनयः। न। सिंघ
वः। ताः। अस्या। वर्णा। शुचयः। शरिभ्राति। ताः। अस्या। ज्येष्ठं। इंद्रियं। सचन्ते। ताः।
ई। आ। क्षेति। स्वधया। मदन्तीः। ताः। ई। विशः। न। राजानं। वृणानाः। बीभत्सुवः
। अप। वृत्रात्। अतिष्ठत्। बीभत्सूनां। सऽयुजं। हंसं। आहुः। अपां। दिव्यानां
। सख्ये। वरन्ते। अनुऽस्तुभं। अनु। चर्चुर्यमाणां। इंद्रं। नि। चिक्युः। कवयः। म
नीषा॥ १०॥ ॥ अहं। रुद्रेभिः। वसुऽभिः। वरामि। अहं। आदित्यैः। उत। विश्वऽ
देवैः। अहं। मित्रावरुणा। उषा। विषमि। अहं। इंद्राग्नीदिति। अहं। अश्विना।
उषा। अहं। सोमं। आहनसं। विषमि। अहं। त्वष्टारं। उत। पूषणं। भगं। अहं। द
धामि। द्रविणं। हविष्मते। सुप्रऽअव्ये। यजमानाय। सुचते। अहं। राष्ट्री। संऽगम

राम
७६

नी। वसूनां। चिकितुषी। प्रथमा। यज्ञियानां। तां। मा। देवाः। वि। अदधुः। पुरुऽत्रा।
भूरिऽस्त्रात्रां। भूरि। आऽवेशयंती। मया। सः। अन्नं। अन्ति। यः। विऽपश्यति। यः।
प्राणिति। यः। ई। शृणोति। उक्तं। अमंतवः। मां। ते। उप। क्षियंति। श्रुधि। श्रुत। श्रद्धिऽ
वं। ते। वदामि। अहं। एव। स्वयं। इदं। वदामि। जुष्टं। देवेभिः। उत। मानुषेभिः। यं।
कामये। तंऽतं। उग्रं। कृणोमि। तं। ब्रह्माणां। तं। ऋषिं। तं। सुऽमेधां॥११॥ ॥ अहं।
रुद्राय। धनुः। आ। तनोमि। ब्रह्मऽद्विषे। शरवे। हंतवै। ऊं इति। अहं। जनाय। सुऽ
मदं। कृणोमि। अहं। द्यावा एधिबी इति। आ। विवेश। अहं। सुवे। पितरं। अस्या। मू
र्धन्। मम। योनिः। अपऽसु। अंतरिति। समुद्रे। ततः। वि। तिष्ठे। भुवना। अनु। विश्वा।
उत। अमूं। द्यां। ववृणो। उप। स्पृशामि। अहं। एव। वातः। इवे। प्र। वामि। आऽरक्ष
माणा। भुवनानि। विश्वा। ०। एतावती। महिना। सं। बभूव॥१२॥ ॥ न। तं। अं

प. अ. ७

७७

हः। न। दुः। इतं। देवासः। अष्ट। मर्त्य। सः। जोषसः। यं। अर्यमा। मित्रः। नर्यति। व
रुणाः। अति। द्विषः। तत्। हि। वयं। वृणीमहे। ०। येन। निः। अंहसः। यूयं। पाथ। ने
था। च। मर्त्य। अति। द्विषः। ते। नूनं। नः। अर्यं। ऊतये। ०। नयिष्ठाः। ऊंइति। नः।
नेषणि। पर्विष्ठाः। ऊंइति। नः। पर्वणि। अति। द्विषः। यूयं। विश्वं। परि। पाथ।
। ०। युष्माकं। शर्मणि। प्रिये। स्याम। सु। प्रनीतयः। अति। द्विषः। आदित्यासः।
अति। स्त्रिधः। ०। उग्रं। मरुत्। भिः। रुद्रं। कुवेम। इन्द्र। अग्निं। स्वस्तये। अति। द्वि
षः। नेतारः। ऊंइति। सु। नः। तिरः। ०। अति। विश्वाति। दुः। इता। राजानः। च
वृणीनां। अति। द्विषः। शुनं। अस्मभ्यं। ऊतये। ०। शर्म। यच्छतु। सः। प्रथः। आ
दित्यासः। यत्। ईमहे। अति। द्विषः। ॥ १३ ॥ ॥ रात्री॥ वि। अरव्यत्। आः। यती॥ पु
रुः। त्रा। देवी। अक्षः। भिः। विश्वाः। अधि। श्रियः। अधित। आ। उरु। अप्राः। अम

राम

७७

त्या॥ निःवतः॥ देवी॥ उत्सवतः॥ ज्योतिषा॥ बाधते॥ तमः॥ निः॥ ऊं इति॥ स्वसारं॥
 अकृत॥ उषसं॥ देवी॥ आऽयती॥ अप॥ इत्॥ ऊं इति॥ हासते॥ तमः॥ सा॥ नः॥ अद्य॥
 यस्याः॥ वयं॥ नि॥ ते॥ यामन्॥ अविष्महि॥ वृक्षे॥ ना॥ वसति॥ वयः॥ नि॥ ग्रामासः॥
 अविष्मत्॥ नि॥ पत्सवंतः॥ नि॥ पक्षिणः॥ नि॥ श्येनासः॥ चित्॥ अर्थिनिः॥ यवय॥
 वृक्षं॥ वृक्षं॥ यवय॥ स्तेनं॥ ऊर्म्ये॥ अथ॥ नः॥ सु॥ तरा॥ भव॥ उप॥ मा॥ पेविशत्॥ त
 मः॥ रु॥ लं॥ वि॥ अ॥ र्तं॥ अ॥ स्थित॥ उषः॥ रु॥ णा॥ इ॥ व॥ या॥ तय॥ उ॥ पा॥ ते॥ गाः॥ इ॥ व॥ आ
 अ॥ कर॥ वृ॥ णी॥ ष॥ दु॥ हितः॥ दि॥ वः॥ रा॥ त्रि॥ स्तो॥ मं॥ न॥ जि॥ ग्यु॥ षे॥ ॥ १४ ॥ ॥ म॥ म॥ अ॥ ग्ने
 व॥ र्चः॥ वि॥ ह॥ वे॥ षु॥ अ॥ स्तु॥ व॥ यं॥ त्वा॥ इ॥ धा॥ नाः॥ त॥ न्वा॥ पु॥ षे॥ म॥ म॥ ह्यं॥ न॥ मं॥ तां॥ प्र॥ दि
 शः॥ च॥ त॥ स्रः॥ त्व॥ या॥ अ॥ धि॥ अ॥ क्षे॥ णा॥ ए॥ त॥ नाः॥ ज॥ ये॥ म॥ म॥ म॥ दे॥ वाः॥ वि॥ ह॥ वे॥ सं॥ तु॥ स
 र्वे॥ इ॥ द्र॥ व॥ तः॥ म॥ रु॥ तः॥ वि॥ ष्णुः॥ अ॥ ग्निः॥ म॥ म॥ अ॥ त॥ रि॥ षं॥ उ॥ रु॥ लो॥ कं॥ अ॥ स्तु॥ म॥ ह्यं॥ वा

प.अ.७

७८

तः। पवतां। कामे। अस्मिन्। मयि। देवाः। इविणं। आ। यजंतं। मयि। आ। शीः। अ
स्तु। मयि। देवः। दूतिः। देव्याः। होतारः। वनुषंत। पूर्वे। अरिषाः। स्याम। तन्वा। सु। वी
रः। मह्यं। यजंतु। मम। यानि। हव्या। आ। कूतिः। सत्या। मनसः। मे। अस्तु। एनः। मा।
नि। गां। कृतमत्। चन। अहं। विश्वे। देवासः। अधि। वोचत। नः। देवीः। षट्। उक्तेः।
उरु। नः। कृणोत। विश्वे। देवासः। इह। वीर्यध्वं। मा। हास्महि। प्र। जया। मा। तनूभिः
। मा। रधाम। द्विषते। सोम। राजन्॥१५॥ ॥ अग्ने। मन्युं। प्रति। नुदन्। परेषां। अद
ब्धः। गोपाः। परि। पाहि। नः। त्वं। प्रत्येवं। यंतु। नि। गुतः। पुनरिति। ते। अमा। एषां
। चित्तं। प्र। बुधां। वि। नेशत्। धाता। धातृणां। भुवनस्य। यः। पतिः। देवं। त्रातारं। अ
भिमाति। सहं। दमं। यज्ञं। अश्विना। उष्मा। बृहस्पतिः। देवाः। पांतु। यजमानं। नि। अ
र्थात्। उरु। व्यचं। नः। महिषः। शर्म। यंसत्। अस्मिन्। हवे। पुरु। दूतः। पुरु। क्षुः।

राम

७८

सः। नः। प्रऽजायै। हरिऽअश्व। मृळय। इंद्र। मा। नः। रिरिषः। मा। परा। राः। ये। नः।
सऽपलाः। अय। ते। भवतु। इंद्राग्निऽभ्या। अवा। बाधामहे। तान्। वसवः। रुद्राः। आदि
त्याः। उपरिऽसृशं। मा। उग्र। चेतारं। अधिऽराजं। अक्रुन्॥ १६॥ ॥ न। असत्। आ
सीत्। नोदति। सत्। आसीत्। तदानं। न। आसीत्। रजः। नोदति। विऽओम। परः। य
त। किं। आ। अवीवरिति। कुहं। कस्य। शर्मन्। अंसः। किं। आसीत्। गहनं। गभीरं।
न। मृत्युः। आसीत्। अमृतं। न। तर्हि। न। रात्र्योः। अद्भः। आसीत्। प्रऽकेतः। आनीत्
। अवातं। स्वधया। तत्। एकं। तस्मात्। ह। अन्यत्। न। परः। किं। चन। आस। तमः
। आसीत्। तमसा। गूष्मं। अग्रे। अप्रऽकेतं। सलिलं। सर्वं। आः। इदं। तुच्छेन। आ
भु। अपिऽहितं। यत्। आसीत्। तपसः। तत्। महिना। अजायत। एकं। कामः। तत्।
अग्रे। सं। अवर्त्तत। अधि। मनसः। रेतः। प्रथमं। यत्। आसीत्। सतः। बंधुं। असति।

प-अ०

७८

निः। अविन्दन्। हृदि। प्रतिऽदृष्ट्य। कवयः। मनीषा। तिरश्चीनः। विऽततः। रश्मिः। ए
षा। अधः। स्वित्र। आसीत्। उपरि। स्वित्र। आसीत्। रितः। धाः। आसन्। महिमा
नः। आसन्। स्वधा। अवस्तात्। प्रऽयतिः। परस्तात्। कुतः। आऽजाता। कुतः। इयं
। विऽसृष्टिः। अर्वाक्। देवाः। अस्य। विऽसर्जनेन। अथ। कः। वेद। यतः। आऽबभूव।
इयं। विऽसृष्टिः। यतः। आऽबभूव। यदि। वा। दधे। यदि। वा। न। यः। अस्य। अधिऽअ
क्षः। परमे। विऽओमन्। सः। अंग। वेद। वेद॥ १७ ॥ ॥ यः। यज्ञः। विश्वतः। तंतुऽ
भिः। ततः। एकऽशतं। देवऽकर्मेभिः। आऽयतः। इमे। वयंति। पितरः। ये। आऽय
युः। प्रा। वय। अप। वय। इति। आसते। तते। पुमान्। एनं। तनुते। उत्। कृणान्ति। पुमा
न्। वि। तले। अधि। नक्ते। अस्मिन्। इमे। मयूरवाः। उप। सेडुः। ऊंइति। सदः। सामा
नि। चक्रुः। तसराणि। ओतवे। का। आसीत्। प्रऽमा। प्रतिऽमा। किं। निऽशनं। आज्यं।

राम

७८

किं। आसीत्। परिऽधिः। कः। आसीत्। छंदः। किं। आसीत्। प्रउगं। किं। उक्थं। यत्।
 देवाः। देव। अयजंत। विश्वे। अग्नेः। गायत्री। अभवत्। सऽयुग्वा। उल्लिहया। सुवि
 ता। सं। बभूव। अनुऽस्तुभा। सोमः। उक्थेः। महस्वान्। बृहस्पतेः। बृहती। वाचं। आ
 वत्। विऽराट्। मित्रावरुणयोः। अभिऽश्रीः। इंद्रस्य। त्रिऽस्तुप्। इह। भागः। अद्रः। वि
 श्वान्। देवान्। जगती। आ। विवेश। तेन। वाक्कृपे। ऋषयः। मनुष्याः। वाक्कृपे। तेन।
 ऋषयः। मनुष्याः। यज्ञे। जाते। पितरः। नः। पुरापो। पश्यन्। मन्ये। मनसा। चक्षसा।
 तान्। ये। इमं। यज्ञं। अयजंत। पूर्वे। सहऽस्तोमाः। सहऽछंदसः। आऽवृतः। सहऽप्रमाः
 । ऋषयः। सप्त। देव्याः। पूर्वेषां। पंथाः। अनुऽदृश्य। धीराः। अनुऽआलिभिरे। रथ्यः। न।
 रश्मीन्॥ १८ ॥ ॥ अप। प्राचः। इंद्र। विश्वान्। अमित्रान्। अप। अपाचः। अभिऽभू
 ते। नुदस्व। अप। उदीचः। अप। शूर। अधराचः। उरो। यथा। तव। शर्मन्। मदेम। कुवित्।

प. अ.
८०

अंग। यवः मंतः। यवः। चित्। यथा। दंति। अनुः पूर्व। विः यूय। इहः इह। एषां। कृणु
हि। भोजनानि। ये। बार्हिषः। नमः। वृत्तिं। न। जग्मुः। नहि। स्थूरी। ऋतुः। था। यात।
अस्ति। न। उत। श्रवः। विविदे। संः गमेषु। ०। युवः। सुरामं। अश्विना। नमुचौ। आसु
रे। सचा। विः पिपाना। शुभः। पतीति। इन्द्रं। कर्मः सु। आवतं। पुत्रः इव। पितरौ। अ
श्विना। उषा। इन्द्र। आवथुः। कव्येः। हंसनाभिः। यत्। सुरामं। वि। अपिबः। शन्वी
भिः। सरस्वती। त्वा। मघः वन। अभिस्तुक्र। ०॥ १२॥ ॥ इजानं। इत्। द्यौः। गूर्तः व
सुः। इजानं। भूमिः। अभि। प्रः भूषणि। इजानं। देवो। अश्विनो। अभि। सुभेः। अव
र्धता। ता। वां। मित्रावरुणा। धारयत्क्षितीति धारयत्क्षिती। सुः सुम्ना। इषि
तत्वता। यजामसि। युवोः। क्राणाय। सख्येः। अभि। स्याम। रक्षसः। अधः। चित्। नु।
यत्। शिधिषामहे। वा। अभि। प्रियं। रेवणाः। पत्यमानाः। दद्वान्। वा। यत्। पुष्यति।

राम
८०

रेवणाः। सं। ऊंइति। आरु। नकिः। अस्या। मघानि। असौ। अन्यः। असुर। सूर्यत। द्यौः।
 १०। मूर्धा। रथस्या। वाकन। न। एतावता। एनसा। अंतकः। ध्रुक्। अस्मिन्। सु। एतत्। शकः।
 पूते। एनः। हृते। मित्रे। निः। गतान्। हंति। वीरान्। अवोः। वा। यत्। धात्। तन्नुषु। अवः।
 प्रियासु। यज्ञियासु। अर्वा। युवोः। हि। माता। अशितिः। विः। चेतसा। द्यौः। न। भूमिः। प
 यसा। पुपूतनि। अव। प्रिया। दिदिष्टन। स्त्रः। निनिक्त। रश्मिः। भिः। युव। हि। अत्तः।
 राज्ञो। असीदितं। तिष्ठत्। रथं। न। धूः। सद्। वनः। सद्। ताः। नः। कणूकः। यंतीः। नृः।
 मेधः। तत्रे। अंहसः। सुः। मेधः। तत्रे। अंहसः॥ २०॥ ॥ प्रोइति। सु। अस्मै। परः। रथं। इं
 द्राय। शूषं। अर्चत। अशीके। वित्। ऊंइति। लोकः। कृत्। सं। गे। समत्। सु। वृत्रः। हा।
 अस्माकं। बोधि। बोदिता। नसंतां। अन्यकेषां। ज्याकाः। अधि। धन्वः। सु। त्वं। सिंधून्।
 अव। असृजः। अधरावः। अहन्। अहि। अशत्रुः। इंद्र। जशिषे। विश्वं। पुष्यसि। वार्यं।

प.अ.
८१

तं। त्वा। पश्। स्वजामहे। ०। वि। सु। विश्वाः। अरातयः। अर्यः। नशंत। नः। धियः। अ
स्ता। असि। शत्रवे। वधे। यः। नः। इंद्र। जिघांसति। याति। रातिः। दृदिः। वसु। ०। यः। नः।
इंद्र। अभितः। जनः। वृकः। युः। आः। दिदेशति। अधः। पदं। तं। ई। कृधि। विः। बाधः।
असि। मसहिः। ०। अक्षिः। दासति। सः। नाभिः। यः। च। निष्टुः। अव। तस्य। बलं। ति
र। महीः। इव। द्यौः। अधा। त्मना। ०। सुखिः। त्वं। आ। रभामहे। क्रतस्य। नः। पथा। नय।
अति। विश्वानि। दुः। दुता। ०। अस्मभ्यं। सु। त्वं। इंद्र। तां। शिष्टं। या। दोहते। प्रति। व
रं। जरित्रे। अछिद्रः। ऊर्ध्वी। पीपयत्। यथा। नः। ०॥ २१ ॥ ॥ उमेइति। यत्। इंद्र। रो
दसीइति। आः। पृथाय। उषाः। इव। महान्तं। त्वा। महीनां। सं। राजं। वर्षणीनां। देवी। ज
नित्री। अजीजनत्। भद्रा। जनित्री। अजीजनत्। अव। स्म। दुः। हनायतः। मर्त्तस्य। तु
नुहि। स्थिरं। ०। अव। त्याः। बृहतीः। इषः। विश्वः। चंद्राः। अमित्रः। हन्। शस्त्रीभिः। श

राम
८१

क्र। धूनुहि। इंद्र। विश्वाभिः। ऊतिऽभिः। १०। अव। यत्। त्वं। शतक्रतो इति शतऽक्र
 तो। इंद्र। विश्वानि। धूनुषे। रयि। न। सुन्वते। सत्वा। सहस्रिणीभिः। ऊतिऽभिः। १०। अ
 व। स्विदाः। इव। अभितः। विष्वक्। पतंतु। दिद्यवः। दूर्वायाः। इव। तंतवः। वि। अस्मत्।
 एतु। दुः। मतिः। १०। दीर्घ। हि। अकुशं। यथा। शक्तिं। विष्मर्षि। मंतुऽमः। पूर्वेषा। म
 घऽवन्। पदा। अजः। वयां। यथा। यमः। १०। नकिः। देवाः। मिनीमसि। नकिः। आ। यो
 पयामसि। मंत्रऽश्रुत्यं। वरामसि। पक्षेभिः। अपिऽकुक्षेभिः। अत्र। अभि। सं। र
 भामहे॥ २२॥ ॥ यस्मिन्। वृक्षे। सुऽपलाशे। देवैः। संऽपिबते। यमः। अत्र। नः।
 विशपतिः। पिता। पुराणान्। अनु। वेनति। पुराणान्। अनुऽवेनंतं। चरंतं। पापया
 । अमुया। असूयन्। अभि। अचाकशं। तस्मै। अस्पृह्यं। पुनरिति। यं। कुमार। न
 वं। रथं। अवक्रं। मनसा। अरुणोः। एकऽर्द्धं। विश्वतः। प्रांचं। अपश्यन्। अधि। ति

प.अ.७

८२

सुसि।यं।कुमार।प्र।अवर्त्तयः।रथं।विप्रेभ्यः।परि।तं।साम।अनु।प्र।अवर्त्तत।
सं।इतः।नावि।आऽहितं।कः।कुमारं।अजनयत्।रथं।कः।निः।अवर्त्तयत्।कः
।स्वित्।तत्।अद्य।नः।ब्रूयात्।अनुऽदेयी।यथा।अभवत्।यथा।अभवत्।अ
नुऽदेयी।तत्।अग्रं।अजायत्।पुरस्तात्।बुध्नः।आऽततः।पश्चात्।निः।अयनं
।कृतं।इदं।युमस्य।सदनं।देवऽमानं।यत्।उच्यते।इयं।अस्य।धम्यते।नाळीः।अ
यं।गीः।भिः।परिऽकृतः॥२३॥ ॥केशी।अग्निं।केशी।विषं।केशी।विभर्त्ति।रोद
सीदति।केशी।विश्वं।स्वः।दृशे।केशी।इदं।ज्योतिः।उच्यते।मुनयः।वातऽरश
नाः।पिशंगा।वसते।मला।वातस्य।अनु।ध्राजिं।यंति।यत्।देवासः।अविस्तत
।उत्।मदिताः।मौनेयेन।वातान्।आ।तस्मिन्।वयं।शरीरा।इत्।अस्माकं।यूयं
।मत्तसिः।अभि।पश्यथ।अंतरिक्षेण।पतति।विश्वा।रूपा।अवऽवाकशत्।मु

राम

८२

निः। देवस्यः देवस्य। सोऽकृत्याय। सरवा। हितः। वातस्य। अश्वः। वायोः। सरवा।
 अथोदति। देवः इषितः। मुनिः। उषो। समुद्रौ। आ। धेतु। यः। च। पूर्वः। उत। अप
 रः। अश्वरसा। गंधर्वाणां। मृगाणां। चरणौ। चरन्। केशी। केतस्य। विद्वान्। सरवा।
 स्वादुः। मरिचः। तेमः। वायुः। अस्मे। उप। अमंथत्। पिनष्टि। स्म। कुनन्तमा। केशी।
 विषस्य। पात्रेण। यत्। रुद्रेणा। अपिबत्। सह॥ २४॥ ॥ उत। देवाः। अवः। हितं। दे
 वाः। उत। नयथ। पुनरिति। उत। आगः। चक्रुर्वा। देवाः। देवाः। जीवयथ। पुनरिति।
 द्वौ। इमौ। वातौ। वातः। आ। सिंधोः। आ। पराः। वतः। दक्षं। ते। अन्यः। आ। वातु। परा।
 अन्यः। वातु। यत्। रपः। आ। वात। वाहि। भेषजं। वि। वात। वाहि। यत्। रपः। त्वं। हि। वि
 श्वः। भेषजः। देवानां। दूतः। ईर्यसे। आ। त्वा। अगमं। शतातिः। भिः। अथोदति। अरि
 ष्टतातिः। भिः। दक्षं। ते। भद्रं। आ। अश्वार्थं। परा। यक्ष्मं। सुवामि। ते। त्रायंतां। इह। दे

प-अ-
८३

वाः। त्रायतां। मरुतां। गुणः। त्रायतां। विश्वा। भूतानि। यथा। अयं। अरुपाः। अस-
त्। आपः। इत्। वै। ऊं इति। भेषजीः। आपः। अमीवऽचातनीः। आपः। सर्वस्य। भे-
षजीः। ताः। ते। कृण्वंतु। भेषजं। हस्ताभ्यां। दशऽशारवाभ्यां। जिह्वा। वाचः। पुरः।
गवी। अनामयितुऽभ्यां। त्वा। ताभ्यां। त्वा। उप। स्पृशामसि॥ २५॥ ॥ तव। त्वे। इं-
द्र। सुरव्येषु। वद्वेयः। कृतं। मन्वानाः। वि। अदर्शिरुः। वलं। यत्र। दशस्यन्। उषसः।
। रिणन्। अपः। कुत्साया। मन्मन्। अह्यः। च। दस्यः। अव। असृजः। प्रऽस्वः। श्वं-
चयः। गिरीन्। उत्। आजः। उस्त्राः। अपिबः। मधु। प्रियं। अवर्धयः। वनिनः। अ-
स्य। दंससा। शुशोच। सूर्यः। कृतऽजातया। गिरा। वि। सूर्यः। मध्ये। अमुचत्। र-
थं। दिवः। विदत्। दासाय। प्रतिऽमानं। आर्यः। दृक्कृ। नि। पिप्रोः। असुरस्य। मायि-
नः। इंद्रः। वि। आस्यत्। चक्रुऽवान्। कृजिष्वना। अनाधृष्टानि। धृषितः। वि।

राम
८३

आस्यत् । निःधीन् । अदेवान् । अमृणात् । अयास्यः । मासाऽद्वौ । सूर्यः । वसु । पुर्य
 । आ । दृदे । गृणानः । शत्रून् । अष्टणात् । विरुक्मता । अयुद्धऽसेनः । विऽभ्वा । विऽ
 भिन्दता । दाशत् । वृत्रऽहा । तुज्यानि । तेजुते । इंद्रस्य । वज्रात् । अविभेत् । अभिऽभ
 थः । प्र । अक्रामत् । शुंध्यूः । अजहात् । उषाः । अनेः । एता । त्या । ते । श्रुत्यानि । केवला
 । यत् । एकः । एकं । अकृणोः । अयज्ञं । मासां । विऽधानं । अदधाः । अधि । द्यवि । त्वया
 । विऽभिन्नं । भरति । प्रऽधिं । पिता ॥ २६ ॥ ॥ सूर्यऽरश्मिः । हरिऽकेशः । पुरस्ता
 त् । सविता । ज्योतिः । उत् । अयान् । अजस्व । तस्य । पूषा । प्रऽसवे । याति । विद्वान् ।
 संऽपश्यन् । विश्वा । भुवनानि । गोपाः । नृऽचक्षाः । एषः । दिवः । मध्ये । आस्ति । आ
 पप्रिऽवान् । रोदसी इति । अंतरिक्षं । सः । विश्वाचीः । अभि । चष्टे । घृताचीः । अंतरा ।
 पूर्व । अपरं । च । केतुं । ० । विश्वा । रूपा । अभि । चष्टे । शचीभिः । ० । इंद्रः । ना । तस्थौ । संऽ

प. अ. ७

८४

अ॒रे। ध॒ना॒नां। वि॒श्वऽव॑सुं। सो॒म। गं॒ध॒र्व। आ॒पः। द॒दृशु॑षीः। त॒त्। ऋ॒ते॒न। वि। आ॒य॒न्
। त॒त्। अ॒नु॒अ॒र्वे॒त्। इं॒द्रः। र॒र॒हा॒णः। आ॒सां। प॒रि। सूर्य॑स्य। प॒रि॒ध॒ीन्। अ॒प॒श्य॒त्। वि॒
श्वऽव॑सुः। अ॒भि। त॒त्। नः। गृ॒णा॒तु। दि॒व्यः। गं॒ध॒र्वः। र॒ज॒सः। वि॒ऽमा॒नः। ७॥ धि॒यः।
हि॒न्वा॒नः। धि॒यः। इ॒त्। नः। अ॒व्याः। स॒स्ति॒। अ॒वि॒ंद॒त्। च॒रणे॑। न॒दी॒नां। अ॒प॒। अ॒वृ॒
णो॒त्। दु॒रः। अ॒श्म॑ऽब्र॒जा॒नां। प्र। आ॒सां। गं॒ध॒र्वः। अ॒मृ॒ता॒नि। वो॒च॒त्। इं॒द्रः। द॒क्षः। प॒
रि। जा॒ना॒त्। अ॒ही॒नां॥ २७ ॥ ॥ अ॒ग्ने॑। त॒व॑। श्र॒वः। व॒यः। म॒हि॑। भ्रा॒ज॒न्ते॑। अ॒र्च॒यः।
वि॒ष्वा॒व॒सो॒इति॑ वि॒ष्वा॒व॒सो॑। बृ॒ह॒द्र॒ानो॒इति॑ बृ॒ह॒त॒भानो॑। श॒र्व॒सा॑। वा॒ज॒न्ते॑। उ॒क्थ्ये॑।
द॒धा॒सि॑। द॒शु॒षे॑। क॒वे॑। पा॒व॒क॑ऽव॒र्चाः। शु॒क्र॑ऽव॒र्चाः। अ॒नू॒न॑ऽव॒र्चाः। उ॒त्। इ॒य॒र्वि॑
। भा॒नु॒ना॑। पु॒त्रः। मा॒त॒रा॑। वि॒ऽच॒र॒न्। उ॒प॒। अ॒व॒सि॑। पृ॒ण॒क्षि॑। रो॒द॒सी॒इति॑। उ॒प्से॒इति॑।
ऊ॒र्ज॑ः। न॒पा॒त्। जा॒त॑ऽवे॒दः। सु॒श॒स्ति॑ऽभिः। म॒द॒स्व॑। धी॒ति॑ऽभिः। हि॒तः। त्वे॒इति॑।

राम

८४

इषः। सं। दुधुः। भूरिः। वर्षसः। चित्रः। ऊतयः। वामः। ज्ञाताः। इरुज्यन्। अग्ने।
 प्रथयस्व। जंतुः। निः। अस्मेदुति। रायः। अमर्त्यः। सः। दर्शितस्य। वपुषः। वि। रा
 जसि। एणाक्षि। सानसिं। क्रतुं। इष्कृत्तरिं। अध्वरस्य। प्रः। चेतसं। क्षयंतं। राधसः
 । मुहः। रातिं। वामस्य। सुः। भगां। मही। इषः। दधासि। सानसिं। रयिं। क्रतुः। वा
 नं। महिषः। विश्वः। दर्शितं। ०। श्रुत्। कर्णः। सप्रथः। तमं। त्वा। गिरा। दैव्यं। मानुषा।
 युगा॥ २८ ॥ ॥ अग्ने। अद्य। वद। इह। नः। प्रत्यङ्। नः। सुः। मनाः। भव। प्र। नः।
 यत्तु। विशः। पते। धनुः। दाः। असि। नः। त्वं। प्र। नः। यत्तु। अर्यमा। प्र। भगाः।
 प्र। बृहस्पतिः। प्र। देवाः। प्र। उत। सूनृता। रायः। देवी। ददातु। नः। सोमः। राजानं
 । अवसे। अग्निं। गीः। भिः। हवामहे। आदित्यान्। विष्णुं। सूर्यं। ब्रह्माणं। च
 । बृहस्पतिं। इंद्रवायूदिति। बृहस्पतिं। सुः। हवा। इह। हवामहे। यथा। नः। स

प.अ. ७

८५

र्वः। इतर। जनः। संऽ गत्यां। सुऽ मनाः। असतर। अर्यमणं। बृहस्पतिं। इंद्रं। रा
नाय। चोदय। वातं। विष्णुं। सरस्वतीं। सवितारं। च। वाजिनं। ०। अग्निऽभिः। ब्र
ह्म। युज्ञं। च। वर्धय। त्वं। नः। देवऽ तातये। रायः। दानाय। चोदय॥ २२॥ ॥ अयं
। अग्ने। जरिता। त्वेदति। अभूत्। अपि। सहसः। सूनो इति। नहि। अन्यत्। अ
स्ति। आप्यं। भद्रं। हि। शर्म। त्रिऽ वरूथं। अस्ति। ते। आरे। हिंसा नां। अप। हिंयुं।
आ। कृधि। प्रऽ वत्। ते। अग्ने। जनिमा। पितुऽ यतः। सा चोऽ इवे। विश्वा। भुवनो। नि
। क्रंजसे। प्र। सप्तयः। प्र। सनिषंतानः। धियः। पुरः। चरंति। पशुपाः। इवे। त्मना।
उत। वै। ऊं इति। परि। वृणाक्षि। बभूवत्। बहोः। अग्ने। उलपस्य। स्वधाऽ वः। उ
त। खिल्याः। उर्वराणां। भवन्ति। मा। ते। हेति। तविषी। चुक्रुधाम्। यत्। उतऽ वतः
। निऽ वतः। यासि। बभूवत्। पृथक्। एषि। प्रगर्धिनीऽ इवे। सेना। यदा। ते। ०। व

राम

८५

ते।

साऽइव। शमश्रु। वपसि। प्र। भूम। प्रति। अस्य। श्रेणयः। दृष्टश्रे। एकं। निऽयानं। व
हवः। रथासः। बाहूइति। यत्। अग्ने। अनुऽमर्मजानः। न्यङ्। उत्तानां। अनुऽएषि
। भूमिं। उत्। शुष्माः। जिहतां। उत्। ते। अर्चिः। उत्। ते। अग्ने। शशमानस्य। वाजाः।
उत्। श्वं वस्व। नि। नम। वर्धमानः। आ। त्वा। अद्या। विश्वे। वसवः। सदंतु। अपां। इ
दं। निऽअयने। समुद्रस्य। निऽवेशनं। अन्यं। कृणुष्व। इतः। पंथां। तेन। याहि। व
शान्। अनु। आऽअयने। ते। पराऽअयने। दूर्वाः। रोहंतु। पुष्पिणीः। क्रुदाः। च। पुंड
रीकाणि। समुद्रस्य। गृहाः। इमे॥ ३० ॥

॥ अ० ॥ ॥ त्यं। चित्। अर्चिः। क्रतुऽजुरं। अर्थं। अश्वं। न। यातुव
। कक्षीवंतं। यदि। पुनरिति। रथं। न। कृणुथः। नव। त्यं। चित्। अश्वं। न। वाजिनं।
अरेणवः। यं। अलत। दृक्। ग्रंथिं। न। वि। स्यतं। अर्चिः। याविष्ठ। आ। रजः। न

प.अ.८

८६

रा। दंसिष्ठौ। अत्रये। शुभ्रा। सिसासतं। धियः। अथे। हि। वां। दिवः। नरा। पुनरि
ति। स्तोमः। न। विऽशसे। विते। तत्। वां। सुऽराधसा। रातिः। सुऽमतिः। अश्विना।
आ। यत्। नः। सदेने। पृथो। समने। पर्वथः। नरा। युवं। भुज्यु। समुद्रे। आ। रजसः।
पारे। ईस्वितं। यातं। अर्धे। पतत्रिऽभिः। नासत्या। सातये। कृतं। आ। वां। सुम्नेः।
शंयूइवेतिशंयूऽइव। मंहिष्ठा। विश्वऽवेदसा। सं। अस्मेदति। भूषतं। नरा। उ
त्स। न। पिप्युषीः। इषः॥१॥ ॥ अयं। हि। ते। अमर्त्यः। इंदुः। अत्यः। न। पत्यते
। दक्षः। विश्वऽआयुः। वेधसे। अयं। अस्मासु। काव्यः। क्रभुः। वज्रः। दास्वते। अ
यं। विभर्ति। ऊर्ध्वऽकृशनं। मर्दं। क्रभुः। न। कृत्यं। मर्दं। घृषुः। श्येनाय। कृत्व
ने। आसु। स्वासु। वंसगः। अव। दीर्घेत्। अदीशुवः। यं। सुऽपर्णः। पराऽवतः। श्ये
नस्य। पुत्रः। आ। अभरत्। शतऽवक्रं। यः। अह्यः। वर्त्तनिः। यं। ते। श्येनः। चारुं।

राम

८६

अवृकं। पदा। आ। अभरत्। अरुणं। मानं। अंधसः। एना। वयः। वि। तारि। आयुः।
जीवसे। एना। जागार। बंधुता। एवा। तत्। इंद्रः। इंद्रुना। देवेषु। चित्। धारयाते। महि
। त्यजः। क्रत्वा। ॥ सुक्रतो इति सुऽक्रतो। क्रत्वा। अयं। अस्मत्। आ। सुतः॥ २॥ ॥ इ
मां। खनामि। ओषधिं। वीरुधं। बलवत्। तमां। यया। सऽपत्नी। बाधते। यया। संऽविं
दते। पति। उत्तानऽपर्णे। सुऽभगे। देवऽजूते। सहस्वति। सऽपत्नी। मे। परा। धूम। पति
मे। केवलं। कुरु। बत्। तरा। अहं। उत्तर। उत्तर। इत्। उत्तराभ्यः। अथ। सऽ
पत्नी। या। मम। अधरा। सा। अधराभ्यः। नहि। अस्याः। नाम। गृह्णामि। नो इति।
अस्मिन्। रमते। जने। परा। एव। पराऽवर्त। सऽपत्नी। गमयामसि। अहं। अस्मि।
सहमाना। अथ। त्वं। असि। ससहिः। उभे इति। सहस्वती इति। भूत्वी। सऽपत्नी। मे
। सहावहे। उपाते। अधा। सहमानां। अभि। त्वा। अधां। सदीयसा। मां। अनु। प्राते।

प.अ.८
८७

मनः। वत्सं। गौः। इव। धावतु। पथा। वाः। इव। धावतु॥ ३॥ ॥ अरण्यानि। अ
रण्यानि। असो। या। प्र। इव। नश्यसि। कथा। ग्रामं। न। पृच्छसि। न। त्वा। सीः। इव।
विंदती३। वृष। रवाय। वदते। यत्। उप। अवति। चित्रिकः। आघाटिभिः। इव। धा
वयन्। अरण्यानिः। महीयते। उत्। गावः। इव। अदति। उत्। वेश्म। इव। दृश्यते। उ
तोदति। अरण्यानिः। सायं। शकटीः। इव। सर्जति। गां। अंग। एषः। आ। ह्वयति।
दारु। अंग। एषः। अप। अवधीत्। वसन्। अरण्यान्यां। सायं। अक्रुक्षत्। इति।
मन्यते। न। वै। अरण्यानिः। हति। अन्यः। च। इत्। न। अभि। गच्छति। स्वादोः।
फलस्य। जग्ध्वाय। यथा। कामं। नि। पद्यते। ओं। ज्ञेन। गंधिं। सुरभिं। बद्धुः।
अन्तां। अवृषि। वलां। प्र। अहं। मृगाणां। मातरं। अरण्यानि। अशंसिषु॥ ४॥
॥ ॥ श्रुते। दधामि। प्रथमाय। मन्यवे। अहन्। यत्। वृत्रं। नर्यं। विवेः। अपः। उ

राम
८७

सेदति। यत्। त्वा। भवतः। रोदसी इति। अनु। रिजते। शुष्मात्। पृथिवी। चित्। अ
 द्विः। वः। त्वं। मायाभिः। अनवद्य। मायिनं। श्रवस्यता। मनसा। वृत्रं। अर्दयः। त्वां।
 इत्। नरः। वृणते। गोः। इष्टिषु। त्वा। विश्वासु। हव्यासु। इष्टिषु। आ। एषु। चाकंधि
 । पुरुः। द्रुत। स्त्रिषु। वृधासः। ये। मघः। वन्। आनशुः। मघं। अर्चति। तोके। तनये।
 परिष्टिषु। मेधः। साता। वाजिनं। अद्रये। धने। सः। इत्। नु। रायः। सुः। स्रतस्या। चा
 कनत्। मद। यः। अस्य। र्ह्यं। चिकेतति। त्वाः। वृधः। मघः। वन्। दाशुः। अध्वरः। म
 क्षः। सः। वाजं। भरते। धना। नृः। भिः। त्वं। शर्धीय। महिना। गृणानः। उरु। कृधि।
 मघः। वन्। शग्धि। रायः। त्वं। नः। मित्रः। वरुणः। न। मायी। पित्वः। न। दस्म। द
 यसे। विः। भक्ता॥ ५ ॥ ॥ सुस्वानासः। इंद्र। स्तुमसि। त्वा। ससः। वांसः। च। वृविः
 नृम्णा। वाजं। आ। नः। भर। सुवितं। यस्य। चाकनृ। त्मना। तना। सनुयाम। त्वाः

प. अ. ८
८८

ऊताः। ऋषः। त्वं। इंद्र। शूर। जातः। १०। विभ्रमसि। प्रऽस्त्रवणे। न। सोम। अर्यः।
वा। गिरः। अभि। अर्च। विद्वान्। ऋषीणां। विप्रः। सुऽमर्ति। चकानः। ते। स्याम
ये। रणायंत। सोमैः। एता। उत। तुष्य। रथऽओक्। भक्षैः। इमा। ब्रह्म। इंद्र। तु
भ्यं। शंसि। दाः। नृऽभ्यः। नृणां। शूर। शवः। तेभिः। भव। सऽक्रतुः। येषु। वाकन्।
उत। त्रायस्व। गृणातः। उत। स्तीन्। श्रुधि। हव। इंद्र। शूर। पृथ्याः। उत। स्तवसे। वे
न्यस्या। अर्केः। आ। यः। ते। योनिं। घृतऽवतं। अस्वाः। ऊर्मिः। न। निम्नेः। द्रवयंत
वक्त्राः॥ ६॥ ॥ सविता। यंत्रैः। पृथिवी। अरम्यात्। अस्कं मनै। सविता। द्या
। अदृंहत्। अश्वंऽद्वे। अधुक्षत्। धुनिं। अंतरिक्षं। अतूर्ते। बह्वे। सविता। स
मुद्रे। यत्र। समुद्रः। स्कसितः। वि। ओनत्। अपां। नपात्। सविता। तस्य। वेद।
अतः। भूः। अतः। आः। उत्थितं। रजः। अतः। द्यावापृथिवी इति। अप्रथेतां। प

राम
८८

श्वा । इदं । अन्यत् । अभवत् । यजत्रं । अमर्त्यस्य । भुवनस्य । भूना । सुऽपूर्णः । अं
 गा । सवितुः । गरुत्मान् । पूर्वः । जातः । सः । ऊं इति । अस्या । अनु । धर्म । गावः । इव । ग्रा
 मं । युयुधिः । इव । अश्वान् । वाश्वाः । इव । वत्सं । सुऽमनाः । दुहाना । पतिः । इव ।
 जायां । अभि । नः । नि । एतु । धर्त्ता । दिवः । सविता । विश्वऽवारः । हिरण्यऽस्तूपः
 । सवितः । यथा । त्वा । आगिरसः । जुह्वे । वाजे । अस्मिन् । एव । त्वा । अर्वन् । अव
 से । वंदमानः । सोमस्य । इव । अंशु । प्रति । जागर । अहं ॥ ७ ॥ ॥ सं । इहः ।
 चित् । सं । इध्यसे । देवेभ्यः । हव्यऽवाहन । आदित्येः । रुद्रैः । वसुऽभिः । नः ।
 आ । गहि । मृळीकाय । नः । आ । गहि । न । मृत्तसिः । त्वा । सं । इधान । हवामहे । मृ
 ळीकाय । हवामहे । त्वां । ऊं इति । जातऽवेदसं । विश्वऽवारः । गृणे । धिया । अ
 ज्ञे । देवान् । आ । वह । नः । प्रियऽव्रतान् । मृळीकाय । प्रियऽव्रतान् । अग्निः । दे

प. अ. ८
८८

वः। देवानां। अभवत्। पुरः। हितः। अग्निः। मनुष्याः। ऋषयः। सं। ईधिरं। अग्निं
। महः। धनं। सातो। अहं। दुवे। मृळीकं। धनं। सातये। अग्निः। अत्रि। भरतः।
वाजं। गविष्ठिरं। प्र। आवत्। नः। कर्षवं। त्रसदस्यु। आ। हवे। अग्निं। वसिष्ठः।
हवते। पुरः। हितः। मृळीकाय। पुरः। हितः॥ ८ ॥ ॥ श्रद्धया। अग्निः। सं। ईध
ते। श्रद्धया। हूयते। हविः। श्रद्धां। भगस्य। मूर्धनि। वचसा। आ। वेदयामसि। प्रि
यं। श्रद्धे। ददतः। प्रियं। श्रद्धे। दिदासतः। प्रियं। भोजेषु। यज्वसु। इदं। मे। उदि
तं। कृधि। यथा। देवाः। असुरेषु। श्रद्धां। उग्रेषु। चक्रिरे। एवं। भोजेषु। यज्वः।
सु। अस्माकं। उदितं। कृधि। श्रद्धां। देवाः। यजमानाः। वायुः। गोपाः। उप। आ
सते। श्रद्धां। हृदयया। आ। कृत्या। श्रद्धया। विंदते। वसु। श्रद्धां। प्रातः। हवा
महे। श्रद्धां। मध्यंदिनं। परि। श्रद्धां। सूर्यस्य। निःसृवि। श्रद्धे। शत्रु। धापय।

राम
८८

इह। नः॥ २॥ ॥ शासः। इत्या। महान्। असि। अमित्रः। स्वादः। अद्रुतः। न। यस्य।
 हन्यते। सरवा। न। जीयते। कदा। चन। स्वस्तिः। दाः। विशः। पतिः। वृत्रः। हा। विः।
 मृधः। वशी। वृषा। इंद्रः। पुरः। एतु। नः। सोमः। पाः। अभयः। करः। वि। रक्षः। वि। मृ
 धः। जहि। वि। वृत्रस्य। हनू। इति। रुज। वि। मन्यु। इंद्र। वृत्रः। हनू। अमित्रस्य। अभिः।
 दासतः। वि। नः। इंद्र। मृधः। जहि। नीचा। यच्छ। एतन्यतः। यः। अस्मान्। अभिः। दा
 सति। अधरं। गमय। तमः। अप। इंद्र। द्विषतः। मनः। अप। जिज्यासतः। वधं। वि। म
 न्योः। शर्म। युच्छ। वरीयः। यवया। वधं॥ १०॥ ॥ ईरवयेतीः। अपस्युवः। इंद्र। जा
 तं। उप। आसते। भेजानासः। सुः। वीर्यं। त्वं। इंद्र। बलात्। अधि। सहसः। जातः। ओ
 जसः। त्वं। वृषन्। वृषा। इत्। असि। त्वं। इंद्र। असि। वृत्रः। हा। वि। अंतरिक्षं। अति
 रः। उत्। द्या। अस्तभ्राः। ओजसा। त्वं। इंद्र। सः। जोषमं। अंकी। विशर्षि। बाहोः। व

प. अ. ८ ॥ शिशानः । ओजसा । त्वं । इंद्र । अभिः भूः । असि । विश्वा । ज्ञातानि । ओजसा ।
 २० सः । विश्वाः । भुवः । आ । अश्ववः ॥ ११ ॥ ॥ सोमः । एकेभ्यः । पवते । घृतं । एके । उप ।
 आसते । येश्वः । मधु । प्रधावति । तान् । वित् । एव । अपि । गच्छतात् । तपसा । ये । अ
 नाधृष्याः । तपसा । ये । स्वः । ययुः । तपः । ये । चक्रिरे । महः । ० ये । मुध्यन्ते । प्रधनेषु ।
 शूरासः । ये । तनूः । त्यजः । ये । वा । सहस्रः । दक्षिणाः । ० ये । वित् । पूर्वे । क्रतुः । सापः ।
 क्रतुः । वानः । क्रतुः । वृधः । पितृन् । तपस्वतः । यम । ० सहस्रः । नीथाः । कवयः । ये ।
 गोपायन्ति । सूर्यः । ऋषीन् । तपस्वतः । यम । तपः । ज्ञान् । अपि । गच्छतात् ॥ १२ ॥ ॥
 अरायि । काणे । विः कटे । गिरि । गच्छ । सदान्वे । शिरि । बिठस्य । सत्वः । भिः । तेभिः । राम
 । त्वा । चातया मसि । चत्तो इति । इतः । चत्ता । अमुतः । सर्वा । भूणानि । आरुषी । अ
 राय्यं । ब्रह्मणः । पते । तीक्ष्णः । शृंग । उत्तः । ऋषन् । इति । अदः । यत् । दारु । पवते । सि

राम
 २०

धोः। पारे। अपुरुषं। तत्। आ। रसस्व। दुर्हो इति दुः। हने। तेन। गच्छ। परः। तु
 रं। यत्। ह। प्राचीः। अजगत्। उरः। मंडरः। घाणिकीः। हताः। इंद्रस्य। शत्रवः। सर्वे
 । बुद्धेः। याशवः। परि। इमे। गां। अनेषेत्। परि। अग्निं। अदृषत्। देवेषु। अकृत। श्र
 वः। कः। इमान्। आ। दधर्षति॥ १३॥ ॥ अग्निं। हिन्वंतु। नः। धियः। सप्तिं। आशुं। इ
 व। आजिषु। तेन। जेष्म। धनं। धनं। यया। गाः। आ। करामहे। सेनया। अग्ने। तव। ऊ
 त्या। तां। नः। हिन्व। मघत्तये। आ। अग्ने। स्वरं। रयिं। भर। एषुं। गोः। मंतं। अश्विनं।
 अङ्गि। रवं। वर्त्तय। पणिं। अग्ने। नक्षत्रं। अजरं। आ। सूर्यं। रोहयः। दिवि। दधत्। ज्यो
 तिः। जनेभ्यः। अग्ने। केतुः। विशां। असि। प्रेषः। श्रेष्ठः। उपस्थः। सत्। बोध। स्तोत्रे। व
 यः। दधत्॥ १४॥ ॥ इमा। नु। कं। भुवना। सीसधाम। इंद्रः। च। विश्वे। च। देवाः। यज्ञं।
 च। नः। तन्वा। च। प्रजा। च। आदित्येः। इंद्रः। सह। चीकृपाति। आदित्येः। इंद्रः। सः

प. अ. ८
२९

गणाः। मरुतः। भिः। अस्माकं। भूतु। अविता। तनूना। हत्वाय। देवाः। असुरान्। य
त्र। आयन्। देवाः। देवः। त्वं। अभिः। रक्षमाणाः। प्रत्येवं। अर्कं। अनयन्। शचीभिः
॥ १५ ॥ ॥ सूर्यः। नः। दिवः। पातु। वातः। अंतरिक्षात्। अग्निः। नः। पार्थिवेभ्यः
। जोष। सवितः। यस्य। ते। हरः। शतं। सर्वान्। अर्हति। पाहि। नः। दिद्युतः। पतंत्याः
। चक्षुः। नः। देवः। सविता। चक्षुः। नः। उत। पर्वतः। चक्षुः। धाता। दधातु। नः। चक्षुः।
नः। धौहि। चक्षुषे। चक्षुः। विः। रथ्ये। तनूभ्यः। सं। च। इदं। वि। च। पश्येम। ॥ वि। प
श्येम। नः। चक्षसः॥ १६ ॥ ॥ उत्। असौ। सूर्यः। अगात्। उत्। अयं। मामकः। भ
गः। अहं। तत्। विद्वला। पतिं। अभि। असाक्षि। विः। ससहिः। अहं। केतुः। अहं। मू
र्धा। अहं। उग्रा। विः। वाचनी। मम। इत्। अनु। क्रतुं। पतिः। सेहानायाः। उपः। आ
चरेत्। मम। पुत्राः। शत्रुः। हनः। अथोइति। मे। दुहिता। विः। राट्। उत्। अहं। अस्मि।

राम
२९

संऽजया। पत्यौ। मे। श्लोकः। उत्तमः। येन। इंद्रः। हविषा। कृत्वी। अभवत्। द्यु
म्री। उत्तमः। इंद्रं। तत्। अग्निः। देवाः। असपत्ना। किल। अभुवं। असपत्ना।
सपत्नः। घ्नी। जयती। अभिऽभूवरी। आ। अवृक्ष। अन्यासां। वचः। वृधः। अस्ते
यसां। इव। सं। अजेषां। इमाः। अहं। सऽपत्नीः। अभिऽभूवरी। यथा। अहं। अस्य।
वीरस्य। विऽराजानि। जनस्य। च॥ १७ ॥ ॥ तीव्रस्य। अभिऽवयसः। अस्य। पाहि।
सर्वऽरथा। वि। हरीदति। इह। मुंच। इंद्र। मा। त्वा। यजमानासः। अन्ये। नि। रीरम
न्। तुभ्यं। इमे। सुतासः। तुभ्यं। सुताः। तुभ्यं। ऊदति। सेत्वासि। त्वां। गिरः। श्वात्र्याः
। आ। द्रुयंति। इंद्र। इंद्रं। अद्य। सवनं। जुषाणाः। विश्वस्य। विद्वान्। इह। पाहि। सो
मं। यः। उशता। मनसा। सोमं। अस्मे। सर्वऽहृदा। देवऽकामः। सुनोति। न। गाः। इं
द्रः। तस्य। परा। ददाति। प्रऽशस्तं। इत्। वारुं। अस्मे। कृणोति। अनुऽस्पष्टः। भवति।

प. अ. ८

२२

२१

एषः। अस्य। यः। अस्मै। रेवान्। न। सुनोति। सोमं। निः। अरलो। मघऽवा। तं। दधाति
। ब्रह्मऽद्विषः। हंति। अननुऽदिष्टः। अश्वऽयंतः। गव्यंतः। वाजयंतः। हवामहे। त्वा।
उपऽगंतवै। ऊंइति। आऽभूषंतः। ते। सुऽमतौ। नवायां। वयं। इंद्र। त्वा। शुनं। ऊवे
म॥ १८ ॥ ॥ मुंचामि। त्वा। हविषा। जीवनाय। कं। अज्ञातऽयस्मात्। उत। राजऽ
यस्मा। ग्राहिः। जग्राह। यदि। वा। एतत्। एनं। तस्याः। इंद्राग्नीइति। प्र। मुमुक्तं।
एनं। यदि। क्षितऽआयुः। यदि। वा। पराऽइतः। यदि। मृत्योः। अंतिकं। निऽइतः।
एव। तं। आ। हरामि। निः। ऋतेः। उपऽस्थात्। अस्पार्धं। एनं। शतऽशारदाय। सह
स्रऽअक्षेण। शतऽशारदेन। शतऽआयुषा। हविषा। आ। अहार्धं। एनं। शतं। य
था। इमं। शरदः। नयाति। इंद्रः। विश्वस्य। दुः। इतस्य। पारं। शतं। जीव। शरदः।
वर्धमानः। शतं। हेमंतान्। शतं। ऊंइति। वसंतान्। शतं। इंद्राग्नीइति। सविता। वृ

राम

२२

हृस्पतिः। शतऽआयुषा। हविषा। इमं। पुनः। दुः। आ। अहर्ष। त्वा। अविदं। त्वा। पु
 नः। आ। अगाः। पुनः। नव। सर्वऽअंग। सर्व। ते। चक्षुः। सर्व। आयुः। च। ते। अविदं॥
 ॥१२॥ ॥ ब्रह्मणा। अग्निः। संऽविदानः। रक्षः। ह। बाधतां। इतः। अमीवा। यः। ते
 । गर्भं। दुः। नामा। योनिं। आऽशये। ०। अमीवा। ०। अग्निः। तं। ब्रह्मणा। सह। निः
 । क्रव्यऽअदं। अनीनशत्रु। यः। ते। हंति। पतयंतं। निऽसत्तनु। यः। सरीसृप। जातं।
 यः। ते। जिघांसति। तं। इतः। नाशयामसि। यः। ते। ऊरू। हति। विऽहरति। अंत
 रा। दंपतीइतिदं। पत्नी। शये। योनि। यः। अंतः। आऽरेकिं। ०। यः। त्वा। भ्राता। पतिः
 । भूत्वा। जारः। भूत्वा। निऽपद्यते। प्रऽजां। ०। यः। त्वा। स्वप्नेन। तमसा। मोहयित्वा।
 निऽपद्यते। ०॥३०॥ ॥ अक्षीभ्यां। ते। नासिकाभ्यां। कर्णाभ्यां। कुबुकात्। अधि
 । यक्ष्मं। शीर्षण्यं। मस्तिष्कात्। जिह्वायाः। वि। वृहामि। ते। ग्रीवाभ्यः। ते। उल्लि

प.अ.८

२३

होभ्यः। कीकसाभ्यः। अनुक्यात्। यक्ष्मं। दोषपयं। अंसाभ्यां। बाहुःभ्यां। ०। आं
त्रेश्यः। ते। गुदाभ्यः। कनिष्ठोः। हृदयात्। अधि। यक्ष्मं। मतस्नाभ्यां। यक्नः। फू
शिःभ्यः। ०। ऊरुःभ्यां। ते। अष्ठीवत्भ्यां। पार्श्विःभ्यां। प्रःपदाभ्यां। यक्ष्मं। श्रो
णिःभ्यां। भासदात्। भंससः। ०। मेहनात्। वनंःकरणात्। लोमःभ्यः। ते। नखे
भ्यः। यक्ष्मं। सर्वस्मात्। आत्मनः। ते। इदं। ०। अंगात्। अंगात्। लोमः। लोमः।
जातं। पर्वणिः। पर्वणिः। ०। २१ ॥ ॥ अप। इहि। मनसः। पते। अप। काम। परः। च
र। परः। निः। ऋत्ये। आ। वध्व। बहुधा। जीवतः। मनः। भद्र। वै। वर। वृणते। भ
द्र। युंजंति। दक्षिणं। भद्र। वैवस्वते। चक्षुः। बहुःत्रा। जीवतः। मनः। यत्र। आः।
शसा। निः। शसा। अभिःशसा। उपः। आरिम। जाग्रतः। यत्र। स्वपंतः। अग्निः।
विश्वानि। अप। दुः। वृतानि। अनुष्टानि। आरे। अस्मत्। दधातु। यत्र। इंद्र। ब्रह्म

राम
॥२३॥

णः। पते। अभिऽद्रोहं। चरामसि। प्रऽचेताः। नः। अंगिरसः। द्विषतां। पातु। अंह
 सः। ॥ जाग्रत्स्वप्नः। संऽकल्पः। पापः। यं। द्विष्मः। तं। सः। ऋष्यतु। यः। नः। दे
 शितं। ऋष्यतु॥ २२॥ ॥ देवाः। कपोतः। इषितः। यत्। इष्यन्। दूतः। निःऽकृत्याः।
 इदं। आऽजगाम। तस्मै। अर्चामि। कृणवाम। निःऽकृति। शं। नः। अस्तु। द्विऽपदे।
 शं। चतुःऽपदे। शिवः। कपोतः। इषितः। नः। अस्तु। अनागाः। देवाः। शकुनः।
 गृहेषु। अग्निः। हि। विप्रः। जुषतां। हविः। नः। परि। हेतिः। पक्षिणी। नः। वृणक्तु।
 हेतिः। पक्षिणी। नः। दृष्टाति। अस्मान्। आष्ट्यं। पदं। कृणुते। अग्निऽधाने।
 शं। नः। गोभ्यः। च। पुरुषेभ्यः। च। अस्तु। मा। नः। हंसीत्। इह। देवाः। कपोतः।
 यत्। उत्कः। वेदाति। मोघं। एतत्। यत्। कपोतः। पदं। अग्नौ। कृणाति। यस्य।
 दूतः। प्रऽहितः। एषः। एतत्। तस्मै। यमाय। नमः। अस्तु। मृत्यवे। ऋचा। कपो

प. अ. ८
२४

तं। नुदत। प्रऽनोदं। इषं। मदंतः। परि। गां। नयध्वं। संऽयोपयंतः। दुऽइतानि। वि
श्वा। हित्वा। नः। ऊर्जं। प्र। पतात्। पतिष्ठः॥ २३ ॥ ॥ ऋषभं। मा। समानानां।
सऽपलानां। विऽससहिं। हंतारं। शत्रूणां। कृधि। विऽराजं। गोऽपतिं। गवां। अ
हं। अस्मि। सपलऽहा। इंद्रऽइव। अरिष्टः। अक्षतः। अधः। सऽपलाः। मे। पदोः।
दमे। सर्वे। अभिऽस्थिताः। अत्र। एव। वः। अपि। नद्यामि। उभेदति। आली। इ
वेत्यालऽइव। ज्यया। वाचः। पते। नि। सेध। इमान्। यथा। मत्। अधरं। वदान्
। अभिऽभूः। अहं। आ। अगमं। विश्वऽकर्मेण। धाम्ना। आ। वः। विज्ञं। आ। वः।
व्रतं। आ। वः। अहं। संऽइति। ददे। योगऽक्षेमं। वः। आऽदाय। अहं। भूयासं। उ
त्तमः। आ। वः। मूर्धनि। अक्रमी। अधऽपदात्। मे। उत्त। वदत। मंडकाः। इ
व। उदकात्। मंडकाः। उदकात्ऽइव॥ २४ ॥ ॥ तुभ्य। इदं। इंद्र। परि। सिच्यते।

राम
२४

मधु। त्वं। सुतस्य। कलशस्य। राजसि। त्वं। रयि। पुरुऽवीर। ऊंइति। नः। रुधि
। त्वं। तपः। परिऽतप्य। अजयः। स्व। रितिस्वः। स्वः। जितं। महि। मंदानं। अधसः
। हवामहे। परि। शक्रं। सुतान्। उप। इमं। नः। यज्ञं। इह। बोधि। आ। गहि। स्पधः।
जयंतं। मघऽवानं। ईमहे। सोमस्य। राजः। वरुणस्य। धर्मणि। बृहस्पतेः। अनुऽ
मत्याः। ऊंइति। शर्मणि। तव। अहं। अद्य। मघऽवन्। उपऽस्तुते। धातः। विधात
रिति विऽधातः। कलशान्। अभक्षय। प्रऽसूतः। मघं। अकरं। चरो। अपि। स्तो
मं। च। इमं। प्रथमः। सूरिः। उत्। मृजे। सुते। सातेन। यदि। आ। अगमं। वां। प्रति
। विश्वामित्रजमदग्नी इति। हमे॥ २५ ॥ ॥ वातस्य। नु। महिमानं। रथस्य। रुज
न्। एति। स्तनयन्। अस्य। घोषः। दिविऽस्पृक्। याति। अरुणानि। वृण्वन्। उ
त्तोइति। एति। पृथिव्या। रेणुं। अस्यन्। संप्र। ईरते। अनु। वातस्य। विऽस्थाः। आ।

प.अ.८

२५

एनं। गच्छति। समनं। न। योषाः। ताभिः। सऽयुक्। सऽरथं। देवः। इयते। अस्य। वि
श्वस्य। भुवनस्य। राजा। अंतरिक्षे। पथिऽभिः। इयमानः। न। नि। विशते। कतम
त। वन। अहरिति। अपा। सर्वा। प्रथमऽजाः। क्रतुऽवा। क्र। स्विता। जातः। कुतः
। आ। वभूव। आत्मा। देवानां। भुवनस्य। गर्भः। यथाऽवशं। चरति। देवः। एषः।
घोषाः। इत्। अस्य। शृण्विरे। न। रूपं। तस्मै। वाताय। हविषा। विधेम॥ २६॥
॥ ॥ मयःऽभूः। वातः। अभि। वातु। उस्त्राः। ऊर्जस्वतीः। ओषधीः। आ। रिशंतां
। पीवस्वतीः। जीवऽधन्याः। पिबंतु। अवसाय। पतऽपते। मुष्टु। मृळ। याः। सऽरू
पाः। विऽरूपाः। एकऽरूपाः। यासां। अग्निः। इष्ट्या। नामानि। वेद। याः। अं
गिरसः। तपसा। इह। चक्रुः। ताभ्यः। पर्जन्या। महि। शर्मा। यच्छ। याः। देवेषु। त
न्व। ऐरयंत। यासां। सोमः। विश्वा। रूपाणि। वेद। ॥ प्रजाऽवतीः। इंद्र। गोऽस्ते।

राम

२५

रिरीहि। प्रजाऽपतिः। मह्यं। एताः। रराणाः। विश्वैः। देवैः। पितॄभिः। संऽविद्वानः।
 शिवाः। सतीः। उपानः। गोऽस्था। आ। अकरिष्यकः। तासां। वयं। प्रऽज्या। सं। स
 देम॥ २७ ॥ ॥ विऽभ्राट्। बृहत्। पिबतु। सोम्यं। मधु। आयुः। दधत्। पशुऽपतो।
 अविऽद्रुतं। वातऽऽतः। यः। अभिऽरक्षति। त्मना। प्रऽजाः। पुषोष। पुरुधा
 । वि। राजति। विऽभ्राट्। बृहत्। सुऽभृतं। वाजऽसातमं। धर्मन्। दिवः। धरुणो। स
 त्यं। अर्पितं। अमित्रऽहा। वृत्रऽहा। दस्युहऽतमं। ज्योतिः। जज्ञे। असुरऽहा। स
 पत्नऽहा। ०। उत्तमं। विश्वऽजित्। धनऽजित्। उच्यते। बृहत्। विश्वऽभ्राट्
 । भ्राजः। महि। सूर्यः। दशे। उरु। पप्रथे। सहः। जोजः। अच्युतं। ०। येन। इमा।
 विश्वा। भुवनानि। आऽभृता। विश्वऽकर्मणा। विश्वदेव्यऽवता॥ २८ ॥ ॥ त्वं।
 त्यं। इदत्तः। रथं। इंद्र। प्र। आवः। सुतऽवतः। अशृणोः। सोमिनः। हवं। त्वं। मरव

प. अ. ८
२६

स्य। शोधतः। शिरः। अव। त्वचः। भरः। अगच्छः। सोमिनः। गृहं। त्वं। त्यं। इंद्र। मर्त्य
। आस्रः। बुधाय। वेन्यं। मुहुः। अथाः। मनस्यवे। न। सूर्य। पश्चा। संते। पुरः। कधि
। दिवानां। चित्। तिरः। वशं॥२२॥ ॥ आ। याहि। वनसा। सहागावः। सचंत। वर्त्त
निं। यत्। ऊर्ध्वः। भिः। आ। याहि। वस्व्या। धिया। मंहिष्ठः। जारयत्। मरवः। सुदा
नुः। भिः। पितुः। भृतः। न। तंतुं। इत्। सुः। दानवः। प्रति। दध्मः। यजामसि। उषाः। अ
प। स्वसुः। तमः। सं। वर्त्तयति। वर्त्तनिं। सुः। ज्ञातता॥३०॥ ॥ आ। त्वा। अहावर्षं। अं
तः। एधि। ध्रुवः। तिष्ठ। अविः। चानलिः। विशः। त्वा। सर्वाः। वाक्छंतु। मा। त्वत्
राष्ट्रं। अधि। भ्रशत्। इह। एव। एधि। मा। अप। व्योष्ठाः। पर्वतः। इव। अविः। चा
चलिः। इंद्रः। इव। इह। ध्रुवः। तिष्ठ। इह। राष्ट्रं। ऊं इति। धारय। इमं। इंद्रः। अदी
धरत्। ध्रुवं। ध्रुवेण। हविषा। तस्मै। सोमः। अधि। ब्रवत्। तस्मै। ऊं इति। ब्रह्मणः।

राम
२६

पतिः। प्रवा। द्यौः। प्रवा। पृथिवी। प्रवासः। पर्वताः। इमे। प्रवं। विश्वं। इदं। ज
 गत्। प्रवः। राजा। विशां। अयं। प्रवं। ते। राजा। वरुणाः। प्रवं। देवः। बृहस्पतिः
 । प्रवं। ते। इंद्रः। च। अग्निः। च। राष्ट्रं। धारयतां। ध्रुवं। प्रवं। प्रवेण। हविषा।
 अभि। सोमं। मृशामसि। अथो इति। ते। इंद्रः। केवलीः। विशः। बलिः। हतः। क
 रत्॥ ३९ ॥ ॥ अभिः। वृत्तेनि। हविषा। येन। इंद्रः। अभिः। ववृते। तेन। अस्मान्।
 ब्रह्मणः। पते। अभि। राष्ट्राय। वर्त्तय। अभिः। वृत्य। सः। पलान्। अभि। याः।
 नः। अरातयः। अभि। एतन्यंतं। तिष्ठ। अभि। यः। नः। इरस्यति। अभि। त्वा।
 देवः। सविता। अभि। सोमः। अवीवृतत्। अभि। त्वा। विश्वा। भूतानि। अभिः।
 वर्त्तः। यथा। अससि। ०। असपलः। किल। अभुवं। असपलः। सपलः। हा। अ
 भिः। राष्ट्रः। विः। ससहिः। यथा। अहं। एषां। भूतानां। ०॥ ३२ ॥ ॥ प्र। वः। या

प. अ. ८ वाणः। सविता। देवः। सुवतु। धर्मणा। धूः। सु। युज्यध्वं। सुनुत। ग्रावाणः। अ
 ८७ प। दुष्टुना। अप। सेधत। दुः। मातिं। उस्त्राः। कर्त्तन। भेषजं। ग्रावाणः। उपरेषु। आ
 । महीयन्ते। सः। शोषसः। वृष्टे। दधेतः। वृष्ट्यं। ग्रावाणः। सविता। नु। वः। १०। यज
 मानाय। सुन्वते ॥ ३३ ॥ ॥ प्रा। सूनवः। क्रूभूणां। बृहत्। नवत। वृजना। क्षाम। ये।
 विश्वः। धायसः। अश्वेन। धेनुं। न। मातरं। प्रादेवं। देव्या। धिया। भरत। जातः। वे
 दसं। हव्या। नः। वक्षत्। आनुषक्। अयं। ऊं इति। स्यः। प्रादेवः। युः। होता। य
 शाय। नीयते। रथः। न। योः। अभिः। वृतः। घृणिः। वान्। चेतति। त्मनी। अयं।
 अग्निः। उरुष्यति। अमृतात्। द्रव। जन्मनः। सहसः। चित्। सहीयान्। देवः। जी
 वातवे। वृतः ॥ ३४ ॥ ॥ पतंगं। अक्तं। असुरस्य। मायया। दृढा। पश्यन्ति। मनसा।
 विषः। चितः। समुद्रे। अंतरिति। कवयः। वि। वक्षते। मरीचीनां। पदं। इच्छन्ति।

राम
 ८७

वेधसः। पतंगः। वाचं। मनसा। विभर्ति। तां। गंधर्वः। अवदत्। गर्भे। अंतरिति।
तां। द्योतमानां। स्वर्ग्ये। मनीषां। ऋतस्य। पदे। कवयः। नि। पांति। ॥ ३५ ॥ ॥ त्वं।
ऊं इति। सु। वाजिनं। देवः। ऋतं। सहः। वाने। तरुतारं। रथानां। अरिष्टः। नेमिं। ए
तनाजं। आशुं। स्वस्तये। ताक्ष्ये। इह। कुवेम। इंद्रस्यः। इव। रातिं। आः। जोडुवानाः।
। स्वस्तये। नावंः। इव। आ। रुहेम। उर्वर इति। न। पृथ्वी इति। बडुले इति। गभीरे इ
ति। मा। वां। आः। इतो। मा। पराः। इतो। रिषाम। सद्यः। चित्। यः। शवसा। पंच। कृ
षीः। सूर्यः। इव। ज्योतिषा। अपः। तत्तान। सहस्रः। साः। शतः। साः। अस्य। र
हिः। न। स्म। वरंते। युवतिं। न। शर्या॥ ३६ ॥ ॥ उत्तर। तिष्ठत। अव। पश्यत। इंद्र
स्य। भागं। ऋत्विये। यदि। श्रातः। जुहोतन। यदि। अश्रातः। ममत्तन। श्रातं। हविः
। ओ इति। सु। इंद्र। प्रा। याहि। जगाम। सूरः। अध्वनः। विः। मध्यं। परि। त्वा। आसते।

प.अ.८
२८

निधिऽभिः। सरवायः। कुलऽपाः। न। ब्राजऽपतिं। चरंतं। श्रातं। मन्ये। ऊधनि।
श्रातं। अग्नौ। सुऽश्रातं। मन्ये। तत्। ऋतं। नवीयः। माध्यंदिनस्य। सर्वनस्य। द
ध्नः। पिबे। इंद्र। वज्रिन्। पुरुऽदूत। जुषाणः॥ ३७ ॥ ॥ प्र। समहिषे। पुरुऽदू
त। शत्रून्। ज्येष्ठः। ते। शुष्मः। इह। रातिः। अस्तु। इंद्र। आ। भर। दक्षिणेन। वसू
नि। पतिः। सिंधूनां। असि। रेवतीनां। ॥ पराऽवतः। आ। जगथ। परस्याः। स्वक
। संशाय। पविं। इंद्र। तिग्मे। वि। शत्रून्। ताक्कि। वि। मृधः। नुदस्वाइंद्र। क्ष
त्रे। अभि। वामं। ओजः। अजायथाः। वृषभ। वर्षणीनां। अपा। अनुदः। जने
अमित्रऽयंतं। उरुं। देवेभ्यः। अकृणोः। ऊंइति। लोकं॥ ३८ ॥ ॥ प्रथः। च। यस्य।
सऽप्रथः। च। नाम। आनुऽसुभस्य। हविषः। हविः। यत्। धातुः। द्युतानात्। स
वितुः। च। विष्णोः। रथं। तरं। आ। जभार। वसिष्ठः। अविदन्। ते। अतिऽहितं।

राम
२८

यत्। आसीत्। यज्ञस्य। धाम। परमं। गुहा। यत्। ०। भरतः। वाजः। बृहत्। आ। चक्रे
 । अग्निः। ते। अविन्दन्। मनसा। दीध्यानाः। यजुः। स्कन्तं। प्रथमं। देवः। यानं। ०। आ।
 सूर्यात्। अभरन्। घर्मं। एते॥ ३८॥ ॥ बृहस्पतिः। नयतु। दुःगहा। तिरः। पुनः। ने
 षत्। अघः। शसाय। मन्म। क्षिपत्। अशस्तिं। अप। दुः। मतिं। हन्। अथ। करत्।
 यज्ञमानाय। शं। योः। नराशंसः। नः। अवतु। प्रः। याजि। ०। अनुः। याजः। हवेषु। ०।
 तपुः। मूर्धा। तपतु। रक्षसः। ये। ब्रह्म। द्विषः। शरवे। हंतवे। ऊंइति। ०॥ ४०॥ ॥
 अपश्यं। त्वा। मनसा। चेकितानं। तपसः। जातं। तपसः। विः। भूतं। इह। प्रः। जां। इ
 ह। रयिं। रराणः। प्र। जायस्व। प्रः। जया। पुत्रः। काम। ०। दीध्याना। स्वायां। तनूइति
 ऋत्वे। नाधमानां। उप। मा। उच्चा। युवतिः। बभूयाः। ०। पुत्रः। काम। अहं। गर्भं।
 अदधां। ओषधीषु। अहं। विश्वेषु। भुवनेषु। अंतरिति। अहं। प्रः। जाः। अजेनयं।

प-अ-
२२

पृथिव्यां। अहं। जनिः। भ्यः। अपरीषु। पुत्रान्॥ ४१ ॥ ॥ विष्णुः। योनिं। कल्पयतु। त्व
ष्टा। रूपाणि। विंशतु। आ। सिंचतु। प्रजाः। पतिः। धाता। गर्भं। दधातु। ते। गर्भं। धेहि
। सिनीवालि। गर्भं। धेहि। सरस्वति। गर्भं। ते। अश्विनो। देवो। आ। धत्ता। पुष्करः। स्र
जा। हिरण्ययीदति। अरणीदति। यं। निः। मथतः। अश्विनो। तं। ते। गर्भं। हवामहे।
दशमे। मासि। सूतवे॥ ४२ ॥ ॥ महि। त्रीणां। अवः। अस्तु। द्युक्षं। मित्रस्य। अर्यम्णाः
। दुः। आधर्षं। वरुणस्य। नहि। तेषां। अमा। चन। न। अध्वः। सु। वारणेषु। ईशे। रि
पुः। अघः। शंसः। यस्मै। पुत्रासः। अदितेः। प्र। जीवसे। मर्त्ययि। ज्योतिः। यच्छेति। अ
जस्रं॥ ४३ ॥ ॥ वातः। आ। वातु। सेषजं। शं। भु। मयः। भु। नः। हृदे। प्र। नः। आर्यूषि।
तारिषत्। उत। वात। पिता। असि। नः। उत। भ्राता। उत। नः। सरदा। सः। नः। जीवातवे।
रूधि। यत्। अदः। वात। ते। गृहे। अमृतस्य। निः। धिः। हितः। ततः। नः। देहि। जीवसे॥

राम
२२

CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

प.अ.८

१००

वत्सरोऽअजायत ॥ अहोरात्राणि विदधद्विश्वस्य मिषतो वशी ॥ सूर्या चंद्रमसौ
धातायथा पूर्वमकल्पयत् ॥ दिवंच पृथिवीचांतरिक्षमथोस्वः ॥ ४८ ॥ ॥ संऽ सं ।
इत् । युवसे । वृषन् । अग्ने । विश्वानि । अर्यः । आ । इळः । पदे । सं । इध्यसे । सः । नः । वत्स
नि । आ । भर । सं । गच्छध्वं । सं । वदध्वं । सं । वः । मनीसि । जानतां । देवाः । भार्ग । यथा । पू
र्वे । संऽ जानानाः । उपऽ आसते । समानः । मंत्रः । संऽ इतिः । समानी । समानं । मनः । स
ह । चित्तं । एषां । समानं । मंत्रं । अभि । मंत्रये । वः । समानेन । वः । हविषा । जुहोमि । स
मानी । वः । आऽ कृतिः । समाना । हृदयानि । वः । समानं । अस्तु । वः । मनः । यथा । वः ।
सुऽ सह । असति ॥ ४९ ॥ ॥ इत्यष्टमाष्टके अष्टमीऽध्यायः ॥ ॥

राम

१००

॥

॥ श्रीवेदपुरुषार्पणमस्तु ॥

॥ शुभं भवतु ॥

॥ शुभम् ॥

स्तु ॥

॥ ॐ ॥

॥ ॐ ॥

॥ ॐ ॥

॥ ॐ ॥

॥ ॐ ॥

॥



॥ अष्टाष्टकः समाप्तः ॥

[OrderDescription]
,CREATED=25.02.20 15:11
,TRANSFERRED=2020/02/25 at 15:31:54
,PAGES=203
,TYPE=STD
,NAME=S0002886
,Book Name=M-2732-ASHTASHTAK
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF

FILE6=00000006.TIF
,FILE7=00000007.TIF
,FILE8=00000008.TIF
,FILE9=00000009.TIF
,FILE10=00000010.TIF
,FILE11=00000011.TIF
,FILE12=00000012.TIF
,FILE13=00000013.TIF
,FILE14=00000014.TIF
,FILE15=00000015.TIF
,FILE16=00000016.TIF
,FILE17=00000017.TIF
,FILE18=00000018.TIF
,FILE19=00000019.TIF

FILE20=00000020.TIF
,FILE21=00000021.TIF
,FILE22=00000022.TIF
,FILE23=00000023.TIF
,FILE24=00000024.TIF
,FILE25=00000025.TIF
,FILE26=00000026.TIF
,FILE27=00000027.TIF
,FILE28=00000028.TIF
,FILE29=00000029.TIF
,FILE30=00000030.TIF
,FILE31=00000031.TIF
,FILE32=00000032.TIF
,FILE33=00000033.TIF

FILE34=00000034.TIF
,FILE35=00000035.TIF
,FILE36=00000036.TIF
,FILE37=00000037.TIF
,FILE38=00000038.TIF
,FILE39=00000039.TIF
,FILE40=00000040.TIF
,FILE41=00000041.TIF
,FILE42=00000042.TIF
,FILE43=00000043.TIF
,FILE44=00000044.TIF
,FILE45=00000045.TIF
,FILE46=00000046.TIF
,FILE47=00000047.TIF

FILE48=00000048.TIF
,FILE49=00000049.TIF
,FILE50=00000050.TIF
,FILE51=00000051.TIF
,FILE52=00000052.TIF
,FILE53=00000053.TIF
,FILE54=00000054.TIF
,FILE55=00000055.TIF
,FILE56=00000056.TIF
,FILE57=00000057.TIF
,FILE58=00000058.TIF
,FILE59=00000059.TIF
,FILE60=00000060.TIF
,FILE61=00000061.TIF

FILE62=00000062.TIF
,FILE63=00000063.TIF
,FILE64=00000064.TIF
,FILE65=00000065.TIF
,FILE66=00000066.TIF
,FILE67=00000067.TIF
,FILE68=00000068.TIF
,FILE69=00000069.TIF
,FILE70=00000070.TIF
,FILE71=00000071.TIF
,FILE72=00000072.TIF
,FILE73=00000073.TIF
,FILE74=00000074.TIF
,FILE75=00000075.TIF

FILE76=00000076.TIF
,FILE77=00000077.TIF
,FILE78=00000078.TIF
,FILE79=00000079.TIF
,FILE80=00000080.TIF
,FILE81=00000081.TIF
,FILE82=00000082.TIF
,FILE83=00000083.TIF
,FILE84=00000084.TIF
,FILE85=00000085.TIF
,FILE86=00000086.TIF
,FILE87=00000087.TIF
,FILE88=00000088.TIF
,FILE89=00000089.TIF

FILE90=00000090.TIF
,FILE91=00000091.TIF
,FILE92=00000092.TIF
,FILE93=00000093.TIF
,FILE94=00000094.TIF
,FILE95=00000095.TIF
,FILE96=00000096.TIF
,FILE97=00000097.TIF
,FILE98=00000098.TIF
,FILE99=00000099.TIF
,FILE100=00000100.TIF
,FILE101=00000101.TIF
,FILE102=00000102.TIF
,FILE103=00000103.TIF

FILE104=00000104.TIF
,FILE105=00000105.TIF
,FILE106=00000106.TIF
,FILE107=00000107.TIF
,FILE108=00000108.TIF
,FILE109=00000109.TIF
,FILE110=00000110.TIF
,FILE111=00000111.TIF
,FILE112=00000112.TIF
,FILE113=00000113.TIF
,FILE114=00000114.TIF
,FILE115=00000115.TIF
,FILE116=00000116.TIF
,FILE117=00000117.TIF

FILE118=00000118.TIF
,FILE119=00000119.TIF
,FILE120=00000120.TIF
,FILE121=00000121.TIF
,FILE122=00000122.TIF
,FILE123=00000123.TIF
,FILE124=00000124.TIF
,FILE125=00000125.TIF
,FILE126=00000126.TIF
,FILE127=00000127.TIF
,FILE128=00000128.TIF
,FILE129=00000129.TIF
,FILE130=00000130.TIF
,FILE131=00000131.TIF

FILE132=00000132.TIF
,FILE133=00000133.TIF
,FILE134=00000134.TIF
,FILE135=00000135.TIF
,FILE136=00000136.TIF
,FILE137=00000137.TIF
,FILE138=00000138.TIF
,FILE139=00000139.TIF
,FILE140=00000140.TIF
,FILE141=00000141.TIF
,FILE142=00000142.TIF
,FILE143=00000143.TIF
,FILE144=00000144.TIF
,FILE145=00000145.TIF

FILE146=00000146.TIF
,FILE147=00000147.TIF
,FILE148=00000148.TIF
,FILE149=00000149.TIF
,FILE150=00000150.TIF
,FILE151=00000151.TIF
,FILE152=00000152.TIF
,FILE153=00000153.TIF
,FILE154=00000154.TIF
,FILE155=00000155.TIF
,FILE156=00000156.TIF
,FILE157=00000157.TIF
,FILE158=00000158.TIF
,FILE159=00000159.TIF

FILE160=00000160.TIF
,FILE161=00000161.TIF
,FILE162=00000162.TIF
,FILE163=00000163.TIF
,FILE164=00000164.TIF
,FILE165=00000165.TIF
,FILE166=00000166.TIF
,FILE167=00000167.TIF
,FILE168=00000168.TIF
,FILE169=00000169.TIF
,FILE170=00000170.TIF
,FILE171=00000171.TIF
,FILE172=00000172.TIF
,FILE173=00000173.TIF

FILE174=00000174.TIF
,FILE175=00000175.TIF
,FILE176=00000176.TIF
,FILE177=00000177.TIF
,FILE178=00000178.TIF
,FILE179=00000179.TIF
,FILE180=00000180.TIF
,FILE181=00000181.TIF
,FILE182=00000182.TIF
,FILE183=00000183.TIF
,FILE184=00000184.TIF
,FILE185=00000185.TIF
,FILE186=00000186.TIF
,FILE187=00000187.TIF

FILE188=00000188.TIF
,FILE189=00000189.TIF
,FILE190=00000190.TIF
,FILE191=00000191.TIF
,FILE192=00000192.TIF
,FILE193=00000193.TIF
,FILE194=00000194.TIF
,FILE195=00000195.TIF
,FILE196=00000196.TIF
,FILE197=00000197.TIF
,FILE198=00000198.TIF
,FILE199=00000199.TIF
,FILE200=00000200.TIF
,FILE201=00000201.TIF

FILE202=00000202.TIF
,FILE203=00000203.TIF
,